



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

40] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 4, 1980 (आश्विन 12, 1902)

40] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 4, 1980 (ASVINA 12, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

न्यायालयों, निचयन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं  
[notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय

आंतरिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

मसूरी, दिनांक 10 सितम्बर 1980

एक वर्ष या स्थाई प्रबन्ध होने तक, जो भी पूर्व हो, सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर वेतनमान रु० 650-30-710-35-88 0-द० री०-40-960 में नियुक्त किया जाता है।

के० रंगराजन  
उप निदेशक (वरिष्ठ)

सं० 2/5/78-ई०एस०टी०—श्री बी० डी० त्यागी निदेशक के निजी सचिव को पूर्णतः तदर्थ रूप से दिनांक 6-9-80 पूर्वार्द्ध में एक वर्ष या स्थाई प्रबन्ध होने तक, जो भी पूर्व हो, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में उप प्रशासन अधिकारी के पद पर, वेतनमान रु० 840-40-1000-द० री० 40-1200 में नियुक्त किया जाता है।

सं० 2/17/78-ई०एस०टी०—श्री एस० डी० गायकवाड़, पी० टी० आई० लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी, को पूर्णतः तदर्थ रूप से दिनांक 6-9-80 (अध्याह्न) से 1—266 GU/80

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

सं० ए-6/71-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रसाद में श्री ए० डब्ल्यू० डेगवेकर, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को प्रतिनियुक्ति पर कर्मचारी भविष्य निधि संगठन बम्बई में उप-निदेशक (मत्तकता) के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक 1-8-1980 के पूर्वार्द्ध में कार्यभार मुक्त करते हैं।

(10627)

सं० ए-47/65-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रसाद से श्री स्वर्ण सिंह, पुलिस उप अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को प्रतिनियुक्ति पर भारतीय पर्यटन विकास निगम में सुरक्षा अधिकाारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने हेतु दिनांक 5-8-1980 के अपराह्न में कार्यभार मुक्त करते हैं।

सं० ए-19021/2/77-प्रशासन-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री के० ए० जैकब, भारतीय पुलिस सेवा (बिहार : 1964), पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना की सेवाएं दिनांक 16-8-1980 (अपराह्न) से बिहार सरकार को वापस सौंपी जाती है।

सं० ए-19036/3/78-प्रशासन-5—प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने पर, श्री एम० रामामूर्ति, पुलिस उप अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सी० आई० यू० (सुपराबोध) की सेवाएं दिनांक 13-6-80 के पूर्वाह्न से आंध्र प्रदेश सरकार को वापस सौंप दी गई हैं।

सं० ए-19021/6/80-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री जी० झा, भारतीय पुलिस सेवा (1967 : उत्तर प्रदेश) को दिनांक 22-8-1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर, पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

की० ला० गोवर,  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1980

सं० ओ० दो 963/72-स्थापना—श्री के० जी० सी० के० रेड्डी, उप पुलिस अधीक्षक के० रि० पु० बल, की सेवाएं पुलिस कम्प्यूटर विंग, कर्नाटका सरकार, बंगलूर में प्रतिनियुक्ति पर जाने के फलस्वरूप, कर्नाटका सरकार को 14-6-80 (अपराह्न) को निवर्तित की जाती है।

सं० ओ०-II-663/77-स्थापना—श्री जी० बी० राय ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उप पुलिस अधीक्षक के रि० पु० बल के पद का कार्यभार 31-8-80 (अपराह्न) को त्याग दिया।

सं० ओ० दो-1088/73-स्थापना—श्री टी० पी० मिश्रा ने सरकारी सेलवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उप पुलिस अधीक्षक के रि० पु० बल के पद का कार्यभार 31-8-80 (अपराह्न)

को स्थान दिया	10D
Acc. No.	के० आर० के० प्रसाद,
Date of	सहायक निदेशक प्रशासन
Coll No.	
Processed	Chen
Date of Transfer	

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर, 1980

सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—ऋषिकेश को स्थानांतरित होने पर श्री वा० एन० खन्ना ने 29 जुलाई, 1980 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013/3(3)/9/80-कार्मिक—हरिद्वार को स्थानांतरित होने पर श्री ओ० पी० भसीन ने 5 अगस्त, 1980 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट ए० एल० आई० एम० सी० ओ०, कानपुर के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

गोरखपुर से स्थानांतरित होने पर श्री पी० आर० भुट्टन ने 7 अगस्त, 1980 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट ए० एल० आई० एम० सी० ओ०, कानपुर के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013/(3)/9/80-कार्मिक—ऋषिकेश से स्थानांतरित होने पर श्री एन० सी० सूद ने श्री अजीत सिंह के स्थान पर 11 अगस्त, 1980 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट एस० ए० सी०, अहमदाबाद के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया और श्री अजीत सिंह सहायक कमांडेंट ने पन्ना को स्थानांतरित होने पर उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया।

सं० ई०-38013/(3)/9/80-कार्मिक—टूटीकोरिन से स्थानांतरित होने पर श्री पी० पी० जॉन अलैक्स ने 28 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, एस० एच० ए० आर० सेंटर श्री दारीकोटा रेंज (ए० पी०) के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—कोचीन को स्थाई-नांतरित होने पर श्री के० एल० लुके ने 22 जुलाई, 1980 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, बी० पी० टी० विशाखापटनम के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—मद्रास से स्थानांतरित होने पर श्री टी० पी० बालाकृष्णन् नाम्बियार ने 11 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, न्यू मंगलूर पोर्ट के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 12 सितम्बर, 1980

सं० ई०-38015(1)/2/77-कार्मिक—पुनर्नियुक्ति की अवधि समाप्त होने पर श्री एम० वेन्गोपाल ने 30 जून, 1980 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, आई० एस० आर० ओ० थुम्बा के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38 013(2)/1/80-कार्मिक—दुर्गापुर से स्थानांतरित होने पर श्री बनार सिंह भा० पु० वे० (हिमाचल प्रदेश : 67) ने 28 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट एन० एफ० एल०, नयानागल के कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 7 सितम्बर 1980

सं० ई०-38013(3)/1/79-कार्मिक—सलेम को स्थानांतरित होने पर श्री आर० पी० पिल्लई ने 20 जुलाई, 1980 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, आई० एस० आर० श्री० थुम्बा के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—छिछाघाट से स्थानांतरित होने पर श्री एस० एल० प्रसाद ने 30 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, डी० एस० पी० दुर्गापुर के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—थुम्बा से स्थानांतरित होने पर श्री एस० एम० सैनी ने 27 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, वी० पी० टी० विशाखापट्टनम के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

(ह०) अपठनीय

महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 सितम्बर 1980

सं० 11/98/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह प्रशासन के मुख्य सचिव श्री बी० के० सिंह को अण्डमान निकोबार द्वीप समूह, पोर्ट ब्लेयर में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 22 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, पदेन जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री सिंह का मुख्यालय पोर्ट ब्लेयर में होगा।

दिनांक 12 सितम्बर 1980

सं० 11/29/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, उड़ीसा प्रशासनिक सैनिक सेवा के अधिकारी श्रीपूर्ण चन्द्र रौय को उड़ीसा, कटक में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 20 अगस्त, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उपनिदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री रौय का मुख्यालय बरहामपुर में होगा।

पी० पद्मनाभ  
भारत के महापंजीकार

नस्ती क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/5/80—अष्टोहस्ताक्षर-कर्ता निम्नलिखित स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षकों को तदर्थ आधार पर तकनीकी अधिकारी मुद्रण एवं प्लेट निर्माण के पद पर रुपये 650-30-740-35-810 दरों 35-880-40-1000 व०रों 40-1200 (समूह "ख" राजपत्रित) के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में उनके नाम के सम्मुख दर्शाई गई तिथियों से तीन माह के लिये या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो सहर्ष नियुक्त करते हैं।

1. श्री ए० डी० देशपाण्डे 28-8-80

2. श्री एस० के० शुक्ला 31-8-80

इस तदर्थ नियोजन से नियुक्तियों को इस पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति के लिये कोई भोगाधिकार प्राप्त नहीं होंगे। यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय बिना कोई कारण बताये समाप्त की जा सकती है।

विभागीय पक्षोन्नति समिति द्वारा लिये गये निर्णयानुसार उनके नाम को गुणानुक्रम में दर्शाया गया है।

मु० ब० चार  
उप महाप्रबन्धक

भारत सरकार टकसाल

कलकत्ता-88, दिनांक 3 सितम्बर 1980

सं० पी० 92/80—भारत सरकार टकसाल, कलीपुर, कलकत्ता के स्थायी उप-लेखाकार श्री त्रिलोचन चटर्जी को इस टकसाल के बुलियन रजिस्ट्रार के पद पर स्थानापन्न रूप में वेतन नियमानुसार राशि 640-40-1000-ई० बी०-40-1200 रुपये के वेतनमान में दिनांक 5-9-1980 से 7-10-1980 की अवधि तक के लिए नियुक्त किया जाता है। यह नियुक्ति इसी टकसाल के स्थायी बुलियन रजिस्ट्रार श्री आर० एन० नियोगी के उक्त अवधि के लिए छुट्टी लेने के कारण उनके रिक्त पद पर की गई है।

एच० एम० गुप्ता  
टकसाल अधिकारी

## भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षा का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 सितम्बर 1980

सं० 2248/सी० ए० I /384/67—सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड तथा पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा (कोयला) कलकत्ता के कार्यालय में कार्यरत श्री ए० के० दत्ता लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) अपनी अधिवर्षिता आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-8-80 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गये।

सं० 2251/सी० ए० I/25-70—सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड तथा पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा (कोयला) कलकत्ता के कार्यालय में कार्यरत श्री ए० के० दत्ता, लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) अपनी अधिवर्षिता आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-8-1980 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गये।

हरबंस लाल दानी  
संयुक्त निदेशक (वाणिज्यिक)

महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश

हैदराबाद 11, दिनांक 11 सितम्बर 1980

सं० प्रशा० 1/8132/80-81/213—श्री सि० बि० श्रीनिवासन लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय आंध्र प्रदेश I सेवा से निवृत्त हुए दि० 31-8-1980 अपराह्न।

सं० प्रशा० I/8-132/80-81/213—श्री पी० ज्योषाद्रि लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय आंध्र प्रदेश II सेवा से निवृत्त हुए दि० 31-8-80 अपराह्न।

सं० प्रशा० I/8-132/80-81/213—श्री टि० वि० भद्रिराजु लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय आंध्र प्रदेश I सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 31-8-80 अपराह्न।

रा० हरिहरन.  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

महालेखाकार का कार्यालय, जम्मू व कश्मीर

श्रीनगर, दिनांक 8 सितम्बर 1980

सं० प्रशा० I/60 (Gen) 80-81/2503-9—महा-लेखाकार, जम्मू व कश्मीर ने (अगले आदेश दिये जाने तक)

29 अगस्त 1980 (पूर्०) से निम्नलिखित स्थाई अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में प्रोन्नत किया है।

1. श्री बद्रीनारायण रंणा
2. श्री गुलाम अहमद बानी
3. श्री गिरधारी लाल खानू

हर प्रसाद दास  
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्र० एवं प्र०)

महालेखाकार का कार्यालय केरल

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 2 सितम्बर 1980

सं० स्थापना प्र०/9-86/खण्ड2/99—श्री टी० के० आंटी, अनुभाग अधिकारी (लेखा और लेखापरीक्षा) को 30 अगस्त 1980 पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक लेखा अधिकारी के रूप में स्थानापन्न होत हेतु नियुक्त करन के लिए महालेखाकार, केरल संतुष्ट हुए हैं।

डी० शिवरामकृष्णन  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक,

नई दिल्ली-110022, दिनांक 10 सितम्बर 1980

सं० 18410/प्रशा०-I—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री पदम कुमार जैन, रक्षा लेखा सहायक निर्यतक को दिनांक 31-3-1981 (अपराह्न) से पेंशन स्थानापना को अन्तरित कर दिया जाएगा और तदनुसार वे 31-3-1981 (अपराह्न) से रक्षा लेखा विभाग के संख्याबल पर नहीं रहेंगे।

आर० एल० बख्शी  
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा

आइनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 3 सितम्बर 1980

सं० 21/80/ए०/ई०-1 (एनजी)—महानिदेशक आइनेन्स फैक्टरियां महोदय निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके सामने

दर्शाए ग्रेड में और तारीखों से टी० एस० ओ० की वर्तमान रिक्तियों में स्थानापन्न रूप से प्रोन्नत करते हैं :—

- 1 श्री हीरेन्द्र नाथ घोष सहायक स्टाफ दिनांक 20-8-80  
स्थायी सहायक अफसर (तदर्थ) से आगामी  
आदेश न होने तक ।
- 2 श्री योगिन्द्र नाथ सहायक स्टाफ दिनांक 20-8-80  
गोस्वामी स्थायी अफसर (तदर्थ) से आगामी  
सहायक आदेश न होने तक ।

सर्वश्री घोष एवं गोस्वामी सहायक स्टाफ अफसर के पद का उच्चतर कार्यभार दिनांक 20-8-80 से ग्रहण किया ।

डी० पी० चक्रवर्ती  
ए० डी० जी० ओ० एफ० प्रशा०  
कुले महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

बलकला, दिनांक 29 अगस्त 1980

सं० 58/जी०/80—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अफसरों को, स्थानापन्न महाप्रबन्धक रेलेशन ग्रेड डी० जी० ओ० एफ० स्तर-II के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं :—

1. श्री ए० पी० भट्टाचार्य, स्थानापन्न ए० डी० जी० ओ० एफ०/ग्रेड 1 31 जुलाई 1980
2. श्री के० पी० आर० पिल्ले, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 31 जुलाई 1980
3. श्री० एस० श्रीनिवासन, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 31 जुलाई 1980  
(निकटतम परवर्ती नियम के अन्तर्गत)
4. श्री जे० डब्ल्यू० काशयकर, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 31 जुलाई 1980
5. श्री डी० आर० अय्यर, स्थानापन्न निदेशक, 31 जुलाई 1980
6. श्री बी० एम० भण्डारकर, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 31 जुलाई 1980
7. श्री एन० बालाकृष्णन, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 31 जुलाई 1980
8. श्री बी० एन० भिदे, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 31 जुलाई 1980

9. श्री एन० एम० पटेल, स्थानापन्न ए० डी० जी० ओ० एफ०/ग्रेड-1 31 जुलाई 1980

10. श्री बी० बी० घोष, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 31 जुलाई 1980

11. श्री पी० के० बनर्जी, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 31 जुलाई 1980

12. श्री आर० एस० जयसवाल, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 31 जुलाई 1980

13. श्री के० डी० कालिया, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 20 अगस्त 1980

14. श्री आर० के० मित्र, स्थानापन्न ए० डी० जी० ओ० एफ०/ग्रेड-1 25 अगस्त 1980

सं० 59/जी०/80—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अफसरों को, स्थानापन्न ए० डी० जी० ओ० एफ०/ग्रेड-1 के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं :—

श्री डी० एन० विज्ञान, स्थायी एडीजीओएफ/ग्रेड-II 27 जून 1980

सं० 60/जी०/80—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अफसरों को, स्थानापन्न प्रबन्धक/वरिष्ठ एडी० जी० ओ० एफ० के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं :—

1. श्री टी० रामाकृष्ण, स्थायी उप-प्रबन्धक 1 अप्रैल 1980
2. श्री पी० रामादया, स्थायी उप-प्रबन्धक 1 अप्रैल 1980
3. श्री के० सी० निकका, स्थायी उप-प्रबन्धक 1 अप्रैल 1980
4. श्री पी० एम० देशपाण्डे, उप-प्रबन्धक 1 अप्रैल 1980
5. श्री एस० एन० तिवारी, स्थायी उप-प्रबन्धक 1 अप्रैल 1980
6. श्री डी० पी० दाम, स्थायी उप-प्रबन्धक 1 अप्रैल 1980
7. श्री बी० बी० वर्मा, स्थायी उप-प्रबन्धक 1 अप्रैल 1980
8. श्री सी० आर० जैन, स्थायी उप-प्रबन्धक 15 मई 1980
9. श्री पी० एस० सोंधी, स्थायी उप-प्रबन्धक 16 जून 1980
10. श्री के० सी० श्रीखंडे, स्थायी उप-प्रबन्धक 16 जून 1980
11. श्री जी० आई० वेलिङ्ग मटन, स्थायी उप-प्रबन्धक 16 जून 1980

12. श्री टी० एस० रामालिङ्गम, स्थायी  
उप-प्रबन्धक 31 जुलाई 1980
13. श्री एन० एम० अण्णाल, स्थानापन्न  
एस० ओ०/ग्रेड-1 31 जुलाई 1980
14. श्री प्रेम नारायण, स्थानापन्न उप-  
प्रबन्धक 31 जुलाई 1980
15. श्री बी० के० रावय, स्थानापन्न उप-  
प्रबन्धक 31 जुलाई 1980
16. श्री प्यारे लाल, स्थानापन्न उप-  
प्रबन्धक 31 जुलाई 1980
17. श्री ओ० पी० कालरा, स्थानापन्न  
उप-प्रबन्धक 4 अगस्त 1980

सं० 61/जी०/80—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित  
अफसरों को, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक/डी० ए० डी० जी०  
ओ० एफ० के पद पर उनके सामने दृश्यायी गई तारीख से,  
आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं:—

1. श्री सुधेन्दु दास, सहायक प्रबन्धक  
(परखावधि) 30 जून 1980
2. श्री एन० कोथान्दापणी, सहायक प्रबन्धक  
(परखावधि) 30 जून 1980
3. श्री बी० के० सी० संघी, सहायक  
प्रबन्धक (परखावधि) 30 जून 1980
4. श्री राजीन्द्र कुमार जैन, सहायक प्रबन्धक  
(परखावधि) 30 जून 1980
5. श्री एम० एस० कृष्णमूर्ति, सहायक प्रबन्धक  
(परखावधि) 30 जून 1980
6. श्री बी० येसु, सहायक प्रबन्धक  
(परखावधि) 30 जून 1980
7. श्री बी० के० तिवारी, सहायक प्रबन्धक  
(परखावधि) 30 जून 1980
8. श्री एम० जी० अवस्थी, सहायक प्रबन्धक  
(परखावधि) 30 जून 1980
9. श्री के० के० रस्तोगी, सहायक प्रबन्धक  
(परखावधि) 30 जून 1980
10. श्री एच० एम० सिंह, सहायक प्रबन्धक  
(परखावधि) 30 जून 1980
11. श्री एस० के० वत्ता, सहायक प्रबन्धक  
(परखावधि) 30 जून 1980
12. एम० एस० पाल, सहायक प्रबन्धक  
(परखावधि) 30 जून 1980
13. श्री पी० के० दास, सहायक प्रबन्धक  
(परखावधि) 30 जून 1980

14. श्री आर० एस० पुरी, सहायक प्रबन्धक  
(परखावधि) 30 जून 1980
15. श्री ए० बन्दीपाध्याय, सहायक  
प्रबन्धक (परखावधि) 30 जून 1980
16. श्री बी० जी० स्वामी, स्थानापन्न  
सहायक प्रबन्धक 30 जून 1980
17. श्री पी० टी० कटरे, स्थानापन्न सहायक  
प्रबन्धक 30 जून 1980
18. श्री पी० ए० देव, सहायक प्रबन्धक  
(परखावधि) 30 जून 1980
19. श्री आर० ए० अजोय, सहायक प्रबन्धक  
(परखावधि) 30 जून 1980
20. श्री आर० गुरुपरान्त, सहायक प्रबन्धक  
(परखावधि) 30 जून 1980
21. श्री एन० पी० बिस्वास, सहायक प्रबन्धक  
(परखावधि) 30 जून 1980
22. श्री एन० कृष्णामूर्ति, स्थानापन्न सहायक  
प्रबन्धक 30 जून 1980
23. श्री आर० के० दीक्षित, सहायक प्रबन्धक  
(परखावधि) 9 अगस्त 1980
24. श्री बी० के० कंसल, सहायक प्रबन्धक  
(परखावधि) 9 अगस्त 1980
25. श्री महेश कुमार, सहायक प्रबन्धक  
(परखावधि) 9 अगस्त 1980
26. श्री एम० के० कौल, सहायक प्रबन्धक  
(परखावधि) 9 अगस्त 1980
27. श्री एम० के० चक्रवर्ती, सहायक  
प्रबन्धक (परखावधि) 9 अगस्त 1980
28. श्री बी० के० दे, सहायक प्रबन्धक  
(परखावधि) 9 अगस्त 1980
29. श्री ए० के० गांगुली, सहायक प्रबन्धक  
(परखावधि) 9 अगस्त 1980
30. श्री आर० पी० अहुजा, सहायक प्रबन्धक  
(परखावधि) 9 अगस्त 1980

बी० के० मेहता  
सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टोरियां

वाणिज्य मंत्रालय

हथकरघा विकास आयुक्त कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1980

सं० ए०-12025 (1)/3/80-व्यवस्था (क) —  
राष्ट्रपति, श्री अरुण कुमार जयसवाल को 18 जून, 1980  
के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये बुनकर सेवा

केन्द्र, पानीपत में सहायक निदेशक ग्रेड 1 (डिजायन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

एन० पी० शेषाद्री  
संयुक्त विकास आयुक्त (हथकरघा)

काण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र प्रशासन

गांधी धाम (कच्छ), दिनांक 10 सितम्बर 1980

सं० एफ० टी० जेड/प्रशासन/7/2/80-81—अधिवार्षिकी आयु हो जाने पर, श्री जे० पी० पगार, केन्द्रीय उत्पादक शुल्क और सीमा शुल्क अध्यक्ष, अहमदाबाद जो सहायक समाहर्ता की प्रतिनियुक्ति पर काण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र में कार्य करते थे वे 30-8-1980 में अपराह्न से सहायक समाहर्ता के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

निरंजन सिंह  
विकास आयुक्त  
काण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र

इस्पात और खान मंत्रालय  
(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 6 सितम्बर 1980

सं० 6566 बी०/ए० 32013 (ए० ओ०/78-8019 ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री परिमल मुखर्जी को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 14-8-1980 पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक सितम्बर 1980

सं० 6742 बी०/ए०-19012 (लागत लेखापाल-डी० के० एम०)/80-19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के लागत लेखापाल (तदर्थ) श्री दीलीप कुमार सेन को लागत लेखापाल के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थापनापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 2 जुलाई, 1980 के अपराह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

बी० एम० कृष्णस्वामी  
महा निदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 6 सितम्बर 1980

सं० ए०-19012 (121) 80-स्था० ए०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर डॉ० कोटा सूर्यनारायण मूर्ति

को दिनांक 4 अगस्त 1980 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में स्थापनापन्न रूप में सहायक रसायनविद् के पद पर नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए०-19011 (269) 80-स्था० ए०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री सत्येन्द्र प्रकाश गोयल को दिनांक 8 अगस्त 1980 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में स्थापनापन्न रूप में सहायक खान नियंत्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एम० बी० अली  
कार्यालय अध्यक्ष  
भारतीय खान ब्यूरो

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1980

सं० ए० 1909/27/79 के० सं० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डॉ० श्रीमति विजय लक्ष्मी को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में 9-11-1979 पूर्वाह्न से अस्थाई आधार पर आयुर्वेदिक फिजिशियन के पद पर नियुक्त किया है।

एन० एन० घोष  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1980

सं० ए० 12026/13/79 (रा० म० लो० अ०) प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने लेडी हाडिंग मेडिकल कालेज तथा श्रीमती मुखेता कृपलानी अस्पताल, नई दिल्ली के कनिष्ठ बायोकेमिस्ट डॉ० एन० एम० कालराह को 12 अगस्त, 1980 की अपराह्न से आगामी आदेशों तक डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली में बायोकेमिस्ट के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

डॉ० एन० एम० कालराह ने डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली में बायोकेमिस्ट के पद पर अपनी नियुक्ति हो जाने के परिणामस्वरूप 12 अगस्त, 1980 की अपराह्न से लेडी हाडिंग मेडिकल कालेज तथा श्रीमती मुखेता कृपलानी अस्पताल, नई दिल्ली में कनिष्ठ बायोकेमिस्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुठियाला  
उप निदेशक प्रशासन (सं० व० प०)

कृषि मंत्रालय  
(कृषि और महाकारिता विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

सं० मि० 3-48/79 स्था० (1) —अधीक्षक (क्षेत्री प्रथम) के पद पर सर्वश्री एम० एल० धीर, के० आर० विज और ओ० पी० भमीन का तदर्थ नियुक्ति 1-9-80 से आगे 28-2-81 या पदों के नियमिन रूप से भरे जाने जो भी पहले हो तब बनी रही।

दिनांक 10 सितम्बर 1980

सं० मि० 2-6-78-स्था० (1) —संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर डॉ० दिग्विजय सिंह को टूरिंग पशुचिकित्सक पशुपालन विभाग, बिसफी, मधुबनी (बिहार) को विस्तार निदेशालय, कृषि मंत्रालय, कृषि और महाकारिता विभाग में सहायक पशुधन अधिकारी, जी० सी० एस० ग्रुप "बी" (राजवर्धित) (अतिरिक्त वर्गीय) के पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो० 40 1200 के वेतन मान में वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के कार्यालय जापन सं० एफ० 10 (24)-ई० 3/60 दिनांक 4-5-61 समय-समय पर यथा संशोधित में दी गई शर्तों के अनुसार प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण के आधार पर 1-9-1980 के पूर्वार्द्ध से नियुक्त किया गया।

बद्रीनाथ चड्ढा  
निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय  
विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 5 सितम्बर 1980

सं० ए० 19023/77/78-प्र०III—इस निदेशालय के अधीन गोहाटी में उस वरिष्ठ विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर पदोन्नति होने के उपरान्त श्री एन० गोपाल ने तारीख 31-7-80 के अपराह्न में मद्रास में विपणन अधिकारी के पद पर कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19023/78/78-प्र०III—इस निदेशालय के अधीन रायचूर में उप वरिष्ठ विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर पदोन्नति होने के उपरान्त श्री जे० एस० शास्त्री ने तारीख 5-8-80 के उपराह्न में हैदराबाद में विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 6 सितम्बर 1980

सं० ए० 19025/23/80-प्र०III—विभागीय पदोन्नति समिति की संस्तुतियों के अनुसार श्री भागचन्द जाट को इस निदेशालय के अधीन नागपुर में तारीख 5-8-80 (पूर्वार्द्ध) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/52/80-प्र०III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री मुरेश चन्दर खुराना को इस निदेशालय के अधीन नई दिल्ली में तारीख 29-7-80 (पूर्वार्द्ध), से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग III) नियुक्त किया गया है।

दिनांक 11 सितम्बर 1980

सं० ए० 19025/43/80/प्र०III—निम्नलिखित वरिष्ठ निरीक्षकों को इस निदेशालय के अधीन उनके नाम के आगे लिखे स्टेशन पर और उस तारीख से अगले आदेश होने तक अल्पकालीन आधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

1. श्री हरपदा कुण्डू	नई दिल्ली	9-6-80 (पूर्वार्द्ध)
2. श्री टी० एम० जीनी	गुन्टूर	10-6-80 ,,
3. श्री एन० के० मिसरा	लखनऊ	17-5-80 ,,
4. श्री एच० सी० बत्सल	नागपुर	26-6-80 ,,

सं० ए० 19027/2/80-प्र०III—इस निदेशालय के अधीन नागपुर में पूर्ण रूप से तदर्थ आधार पर सम्पादक (विपणन पत्रिका) के पद पर श्री पी० बार्द० शर्मा की अल्पकालीन नियुक्ति को 1-9-80 से तीन महीने की अवधि के लिए सामान्य प्रतिनियुक्ति शर्तों पर या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है।

बी० एल० मनीहार  
निदेशक प्रशासन  
कृषि विपणन सलाहकार  
भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत प्रायोजना इंजीनियरींग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 30 अगस्त 1980

सं० विप्रादप्र/3 (262)/78-प्रशासन 11886—निदेशक विद्युत प्रायोजना इंजीनियरींग प्रभाग, बम्बई एतद्द्वारा इस प्रभाग के एक स्थायी वैयक्तिक सहायक एवं स्थानापन्न आशुनिपिक-III श्री के० जी० वासवानी को अगस्त 27, 1980 के पूर्वार्द्ध से सितम्बर 26, 1980 के अपराह्न तक के लिए उसी प्रभाग में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं; यह नियुक्ति सहायक कार्मिक अधिकारी श्री आर० सारंगपाणी के स्थान पर की जा रही है जो छुट्टी पर गए हैं।

ब० वि० धने  
प्रशासन अधिकारी

## क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 21 अगस्त 1980

सं० डी० पी० एस०/वी० 74/प्रशा०/14758—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के सहायक क्रय अधिकारी श्री वी० भूतविगम ने मैसर्स रिचर्डसन एण्ड क्रुडस (1972) लिमिटेड, बम्बई में अपनी प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने पर, इस निदेशालय में सहायक क्रय अधिकारी के पद का कार्यभार 29 जुलाई, 1980 (पूर्वाह्न) में संभाल लिया।

के० पी० जोसफ  
सहायक-अधिकारी

## नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 14 नवम्बर 1979

## आदेश

सं० ना ई स/का प्र 5/1711/संजनसं०/1854—1. जब श्री ए० एन० सुरेश कुमार संधिहीन जंगरोधी इस्पात नलिका संयंत्र में कारीगर 'अ' के पद पर कार्यरत थे, उन्होंने दिनांक 27-1-1979 से 12-2-1979 पर्यन्त, दिनांक: 13-2-1979 के अवकाश को जोड़कर, 15 दिन का अवकाश देने के लिए आवेदन किया, जिसे जोड़ने की अनुमति के साथ उनको अवकाश ग्रहण करने की मजूरी दे दी गयी;

2. और जब कि उक्त श्री सुरेश कुमार ने दिनांक 14-2-1979 को अपना कार्यभार नहीं ग्रहण किया, किन्तु उम तिथि से ही वह बिना मंजूरी के अनुपस्थित रहे;

3. और जब कि जापन संख्या ना ई० सं०/न० सं०/सं०-252/521, दिनांक 5-3-1979 के द्वारा उक्त श्री सुरेश कुमार को अपने काम पर तत्काल लौटने के लिये निर्देश दिया गया;

4. और जब कि उक्त ना० सं० ना० ई० सं०/न० सं०/सं०-252/521, दिनांक 5-3-1979 को पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा उक्त श्री सुरेश कुमार के अंतिम ज्ञात पते अर्थात्: निवास सं० 237, पिकेट, सिकन्दाबाद-(आ० प्र०) पर प्रेषित करने पर, डाक अधिकारियों ने इस अभियुक्त के साथ लौटा दिया, "मात दिन जाने पर सम्पर्क नहीं हुआ। वितरण समय में व्यक्ति नहीं मिला";

5. और जब कि उक्त श्री सुरेश कुमार निरंतर अनुपस्थित रहे तथा नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को अपना अता-पता सूचित करने में अममर्थ रहे।

6. और जब कि उक्त श्री सुरेश कुमार स्वेच्छा से सेवा त्यागने के दोषी रहे है;

2-266GI/80

7. और जब कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को अपना वर्तमान अता-पता सूचित किये बिना ही उन के सेवा त्यागने के कारण, अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी आदेशों के अनुच्छेद 41 और/या केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम 1965 के नियम 14 के अनुसार जांच करना युक्तियुक्त व व्यावहारिक नहीं है;

8. और अब अधोहस्ताक्षरी नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी आदेशों के अनुच्छेद 42 जिन्हें परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 22(1)/स० प्र० दिनांक 3-12-1970 और/या नियंत्रण और अपील)

के साथ संयोजित करते हुए का प्रयोग करते हुए एतद्वारा उक्त श्री सुरेश कुमार को सेवाओं से तुरंत प्रभाव से हटा देने का आदेश देते हैं।

एन० कोडल राव  
मुख्य कार्यपालक

## पत्र :-

श्री ए० एन० सुरेश कुमार,  
नि० सं० 237, पिकेट,  
सिकन्दाबाद-(आ० प्र०)

हैदराबाद-500762, दिनांक 13 जुलाई 1980

## आदेश

सं० ना० ई० सं०/का० प्र० 5/2606/1411/1383-

1. जब कि श्री एम० ए० लतीफ खान अनुरक्षण ईंधन संयंत्र में कारीगर 'अ' के पद पर कार्यरत थे, वे बिना किसी पूर्व अनुमोदन के दिनांक 26-5-1979 से अनुपस्थित रहे, किन्तु उन्होंने दिनांक 26-5-1979 से 7-10-1979 पर्यन्त अपनी अनुपस्थिति की अवधि का अस्वस्थता-प्रमाण पत्र भेजा;

2. और जब कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र प्रशासन द्वारा श्री लतीफ खान को एक तार प्रेषित कर तत्काल काम पर आने के लिये कहा गया; और तार की एक प्रति डाक द्वारा संदर्भ सं० का० प्र० 4/ल-30/वि० अ० सं०/3043, दिनांक 29-11-1979 को भेजी गयी जिसमें उन्हें काम पर तत्काल लौटने के लिये, जो दिनांक 5-12-1979 के पश्चात न हो, आदेश दिया गया; और यदि वह अब भी अस्वस्थ हों तो उन से नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्वास्थ्य अधिकारियों के समक्ष दिनांक 5-12-1979 या, उससे पूर्व समुपस्थित होने के लिये कहा गया;

3. और जब कि दिनांक 29-11-1979 की उक्त टिप्पणी की पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा उनके ज्ञात पते अर्थात् निवास सं० 16-5-1968/1, फरहत नगर, दबीरपुरा, हैदराबाद, पर भेजा गया, जो बिना वितरित किये हुए डाक अधिकारियों द्वारा इन अभ्युक्तियों के साथ लौटा दिया गया, "इस निवास सं० के मकान में इस नाम का कोई व्यक्ति नहीं रहता है। प्रेषक को वापस किया जाता है";

4. और जब कि श्री लतीफ खान अनुबंधित तिथि 5-12-1979 के पश्चात् भी स्वास्थ्य परीक्षा के लिये नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्वास्थ्य अधिकारी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए, यद्यपि उन्होंने दिनांक 8-10-1979 से 10-2-1980 पर्यन्त एवं दिनांक 12-3-1980 से 13-5-1980 पर्यन्त का अर्वाध का अस्वस्थता-प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया ;

5. और जब कि अनुशासनिक प्राधिकार ने श्री लतीफ खान के विरुद्ध नाभिकीय-ईंधन सम्मिश्र के स्थायी आदेशों के अनुच्छेद 41.2 (ii) के अनुसार जांच करने का प्रस्ताव किया, और जापन सं० ना० ई० स/का प्र 5/2606/1411/975 दिनांक 26-5-1980 के अतुंगार एक अभियोग पत्र पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा निम्न पते पर प्रेषित किया ; "श्री लतीफ खान, निवास सं० 16-5-68/1, फरहत नगर, दबीरपुरा, हैदराबाद";

6. और जब कि उक्त जापन सं० ना ई स/का प्र 5/2606/1411/975, दिनांक 26-5-1980 जो निवास सं० 16-5-68/1, फरहत नगर, दबीरपुरा, हैदराबाद पर भेजी गयी थी, डाक अधिकारियों द्वारा बिना वितरित किये हुए इस अश्वयुक्त के साथ वापस की गई, "इस निवास सं० मकान में इस नाम का कोई व्यक्ति नहीं रहता है"।

7. और जब कि उक्त लतीफ खान निरंतर अनुपस्थित रहे और नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को अपना अता-पता सूचित करने में असफल रहे ;

8. और जब कि उक्त श्री लतीफ खान स्वेच्छा से सेवा त्यागने के बोधी है ;

9. और जब कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को अपना वर्तमान अता-पता सूचित किये बिना ही उनके सेवा त्यागने के कारण, अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी आदेशों के अनुच्छेद 41 और/या केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण व अपील) नियम 1965 के नियम 14 के अनुसार जांच करना युक्तियुक्त व व्यावहारिक नहीं है ;

10. अतः अब नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी आदेशों के अनुच्छेद 42 जिन्हें परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 22(1)/68-प्रशासन 2, दिनांक 7-7-1979 और/या केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण व अपील) नियम 1965 के नियम 19 (ii) के साथ संयोजित करते हुए व उनमें प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी एनडू द्वारा अनुरक्षण ईंधन संग्रह के कारीगर 'अ' उक्त श्री लतीफ खान को सेवाओं से तुरंत प्रभाव से हटा देने का आदेश देते हैं।

एन० कोडिल राव  
मुख्य कार्यपालक

श्री लतीफ खान,  
निवास सं० 16-5-68/1,  
फरहत नगर,  
दबीरपुरा,  
हैदराबाद।

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 8 सितम्बर 1980

सं० प ख प्र-51/(35)/80-पेंशन—सरकारी सेवा से स्वेच्छा पूर्वक निवृत्ति लेने के फलस्वरूप श्री आर० एन० दे, स्थायी सहायक/स्थानापन्न कर्मिक अधिकारी ने परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग में अपने पद का कार्यभार 31 अगस्त, 1980 के अपराह्न से त्याग दिया है।

दिनांक 16 सितम्बर 1980

सं० प ख प्र-1/6/79-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा विद्युत परियोजना इन्जीनियरी प्रभाग के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक श्री के० ए० पिल्ले, जो राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में अस्थायी सिलेक्शन ग्रेड लिपिक के पद पर काम कर रहे थे, को परमाणु खनिज प्रभाग में 10-7-1980 के पूर्वानु से लेकर अगले आदेश होने तक अस्थायी सहायक कर्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एम० राव  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 9 सितम्बर 1980

सं० 05012/आर० 4/ओ० पी०/3955—भारी पानी परियोजना के, विशेषकार्य-अधिकारी, श्री अन्नामलई नटराजन, आपूर्ति निदेशक (टेक्सटाइल) के कार्यालय के स्थायी अवर श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परियोजना (तृतीकोरिन) में स्थानापन्न सहायक लेखाकार को उसी कार्यालय में 14 अप्रैल, 1980 (पूर्वानु) से 16 मई, 1980 (अपराह्न) तक के लिए श्री ए० एन० मुत्तुस्वामी, सहायक लेखा अधिकारी, भारी पानी परियोजना (तृतीकोरिन) के स्थान पर अस्थायी तौर पर तदर्थ आधार पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 05012/आर० 4/ओ० पी०/3956—भारी पानी परियोजना के, विशेषकार्य-अधिकारी, श्री अंगराय नाट्टेसाईय्यर मुत्तुस्वामी, राजस्थान परमाणु-विद्युत परियोजना के स्थायी लेखाकार तथा भारी पानी परियोजना (तृतीकोरिन) के स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी को उसी परियोजना में 14 अप्रैल, 1980 (पूर्वानु) से 16 मई, 1980 (अपराह्न) तक के लिए, श्री के० के० गोपालकृष्ण, लेखा अधिकारी-II, जो छुट्टी पर है, के स्थान पर अस्थायी रूप से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न लेखा अधिकारी-II, नियुक्त करते हैं।

आर० सी० कोटियनकर  
प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 9 सितम्बर 1980

सं० ए० 32013 (मौ० वि० उ० म० नि०)/1/80-स्था०-1—राष्ट्रपति, भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित निदेशकों को उनके नामों के आगे दिये गये दिनांक से 3 महीने के लिये या इन पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर इसी विभाग में मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

1. श्री एच० एम० चौधरी . . . . .	25-7-1980
2. डा० ए० के० मुखर्जी . . . . .	24-7-1980 (अपराह्न)
3. डा० ए० ए० रामाशास्त्री . . . . .	16-8-1980
4. श्री के० बी० राव . . . . .	1-8-1980
5. डा० ए० एम० रामानाथन . . . . .	24-7-1980
6. डा० एस० एम० कुलश्रेष्ठ . . . . .	24-7-1980
7. श्री एस० एन० त्रिपाठी . . . . .	24-7-1980

एम० के० दास,  
मौसम विज्ञान के अपर महानिदेशक  
(उपकरण)  
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

सं० ए० 12025/11/79-ई० एस०—राष्ट्रपति ने भारतीय वायुसेना के सर्वश्री एम० एम० राना और एस० एस० राय कनिष्ठ वारंट अधिकारियों को क्रमशः दिनांक 14-8-1980 तथा 19-8-1980 (पूर्वाह्न) से विमान निरीक्षकों के पद पर 3 वर्ष के लिए स्थानान्तरण पर प्रतिनियुक्त के आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें क्रमशः नियंत्रक विमान निरीक्षण बम्बई के कार्यालय तथा क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई के कार्यालय में नियुक्त किया है।

आर० एन० दास  
सहायक निदेशक प्रशासन,  
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1980

सं० 32013/2/79-ई०-I—इस विभाग का दिनांक 14-12-1979 की अधिसूचना संख्या ए० 32013/2/79-ई० 1 के क्रम में, राष्ट्रपति ने श्री आर० नरसिंहम, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी को दिनांक 31-3-1980 के बाद 30-9-1980 तक अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से

जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग में उपनिदेशक, अनुसन्धान और विकास के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

2. इस कार्यालय का दिनांक 11-8-1980 की सम-संख्यक अधिसूचना को एतद्वारा, रद्द किया जाता है।

चितरंजन कुमार बत्स  
सहायक निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

सं० ए० 12025/11/79 ई० एस०—राष्ट्रपति ने भारतीय वायु सेना के श्री तेजः पाल शर्मा, कनिष्ठ वारंट अधिकारी को दिनांक 18-8-1980 (पूर्वाह्न) से विमान निरीक्षक के पद पर 3 वर्ष के लिए स्थानान्तरण पर प्रतिनियुक्त के आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली क्षेत्र सफदरजंग एयरपोर्ट के कार्यालय में तैनात किया है।

दिनांक 11 सितम्बर 1980

सं० ए० 32013/3/79-ई० एस०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो अधिकारियों का उपनिदेशक/नियंत्रक विमान निरीक्षण के पद पर, उनके नाम के सामने दी गई तारीख से आगे 31-12-1980 तक या ग्रेड में, नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ नियुक्ति को जारी रखने की अनुमति दी है :—

1. श्री एस० राजन 31-2-1980 के बाद।
2. श्री बी० डी० मेठी 27-12-1979 के बाद।

आर० एन० दास  
सहायक निदेशक, प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्ता का कार्यालय

मदुरई, दिनांक 4 सितम्बर 1980

सं० 3/80—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के निम्नलिखित वरिष्ठ श्रेणी निरीक्षकों की नियुक्ति अगले आदेश होने तक रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर स्थानापन्न रूप से अधीक्षक ग्रुप 'बी०' के रूप में की गई है। अधीक्षकों के रूप में कार्यभार ग्रहण किये गये स्थान एवं तारीख उनके नाम के सामने दिये गए अनुसार हैं।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	नियुक्त स्थान	कार्यभार ग्रहण की गई तारीख
1	2	3	4
1.	श्री पी० स्टानिमनाम	सीमा शुल्क प्रभाग, रामनाथपुरम्	28-05-1980

1	2	3	4
	सर्वश्री		
2.	डी० ए० देवादुरै	शिवकाशी रेंज-III	11-06-1980
3.	एम० एम० कृष्णमूर्ति	सातूर रेंज-I	16-06-1980
4.	ए० मुत्तुवेल्लन	अंबासमुद्रम रेंज-I	16-06-1980
5.	टी० ए० गणेशन	लक्ष्मीपुरम रेंज (स्थान) कोविलपट्टी	23-06-1980
6.	एम० देवराजुलु	बी० हेच० ई० एल० क्षेत्र, तिरुची	23-06-1980
7.	एम० बी० वेंकटरामन	अंबासमुद्रम रेंज-II	26-06-1980
8.	एम० शंकर राजा	शिवकाशी रेंज-5	28-06-1980
9.	एम० शिवशंकरन	शिवकाशी-प्रभाग	09-07-1980
10.	एस० पट्टाभिरामन	मुख्यालय-मदुरई	11-07-1980
11.	जे० पाल राजनायगम	—वही—	11-07-1980
12.	आर० गणेशन	गांधीनगर रेंज स्थान—कोविलपट्टी	23-07-1980
13.	श्रीमती जे० मुत्तुमणी	के० उ० शु०, प्रभाग, मदुरई	01-08-1980
14.	एन० गोपालन	प्रभाग कार्यालय, नागपट्टिणम	08-08-1980
15.	के० आर० नरसिंग राव	मुख्यालय, मदुरई	08-08-1980
16.	व्हे०टी० जोतीबाण्डियन	बत्तलगुण्डु रेंज	08-08-1980
17.	पी० शणमुगम	तिरुत्तुरैपूण्डी	12-08-1980
18.	एस० वनमामलै	प्रभाग कार्यालय, तिरुची	18-08-1980
19.	एल० राजगोपालन	तिरुत्तंगल रेंज-	22-08-1980

सं० 4/80—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के भिन्नलिखित कार्यालय अधीक्षकों की नियुक्ति अगले आदेश होने तक रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर स्थानापन्न रूप से प्रशासनिक अधिकारी ग्रुप 'बी०' के रूप में की गई है। प्रशासनिक अधिकारियों के रूप में कार्यभार ग्रहण किये गये

स्थान एवं तारीख उनके नाम के अगले दिये गये अनुसार है।

क्रम अधिकारी का नाम नियुक्त स्थान कार्यभार ग्रहण की गई तारीख

सर्वश्री

1. बी० श्रीनिवासन प्रभाग कार्यालय, दिडीगल 08-08-1980
2. एस० आर० गणपतिरामन प्रभाग कार्यालय, शिवकाशी 12-08-1980

आर० जयरामन  
समाहर्ता

नागपुर, दिनांक 6 सितम्बर 1980

सं० 7/80—इस समाहर्ताक्षेत्र के अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी "ख", मुख्यालय, नागपुर श्री डब्ल्यू० आर० तारे, की भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग), नई दिल्ली के दिनांक 21-2-1980 के आदेश क्र० 29/80 द्वारा अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी 'क' के पद पर पदोन्नति होने पर, उन्होंने अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी "क" मुख्यालय नागपुर के पद का दिनांक 2 जून 1980 के पूर्वानु से कार्यभार संभाल लिया।

सं० 8/80—सबमंतर, श्री डब्ल्यू० आर० तारे, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी "क" मुख्यालय, नागपुर की भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), नई दिल्ली के दिनांक 22 जुलाई, 1980 के आदेश क्रमांक 95/80, मिसिल संख्या ए० 22012/8/80-ए० डी०-II द्वारा भारतीय सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवा, श्रेणी "क" में सहायक समाहर्ता (कनिष्ठ वेतनमान) के पद पर पदोन्नति होने पर उन्होंने सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-I, नागपुर के कार्यालय का, श्री जे० टी० डोंगरे, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-II, नागपुर को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त कर, दिनांक 6 अगस्त, 1980 के पूर्वानु से कार्यभार ग्रहण किया।

सं० 9/80—इस समाहर्ताक्षेत्र के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-I, नागपुर के कार्यालय के सहायक समाहर्ता, श्री बी० एल० गांजापुरे ने आयु सीमा प्राप्त करने पर वे दिनांक 31-7-1980 के अपराह्न से सरकारी सेवा से मुक्त हो गये हैं।

के० शंकररामन,  
समाहर्ता

## पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

मालीगाव, दिनांक 10 सितम्बर 1980

सं० ई०/55/III/97 (श्री०)—श्री एम० मिह, आई० आर० ए० एस० अधिकारी की दिनांक 24-3-79 से अवर वेतनमान (श्रेणी-I) में पुष्टि की जाती है।

बी० वेंकटरमणी  
महाप्रबधक,

दक्षिण रेलवे

मद्रास, दिनांक 15 सितम्बर 1980

सं० फ०/पी० सी०/वी० बी०/7276—श्री वी० बालकृष्णन II को, जो लेखा परीक्षा निदेशक, दक्षिण रेलवे, मद्रास के कार्यालय में अधीनस्थ रेलवे लेखा परीक्षा सेवा संवर्ग के एक स्थायी सदस्य हैं, लेखा परीक्षा निदेशक, द्वारा रु० 840-1200 के वेतनमान में लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न तौर पर पदोन्नत किया जाता है।

यह पदोन्नति पूर्णतः तदर्थ आधार पर है और उच्चतम न्यायालय में अनिर्णीत रहने वाले मामलों में उक्त न्यायालय द्वारा सुनाए जाने वाले अन्तिम निर्णय पर निर्भर करती है।

टी० बी० नागराजन,  
लेखा परीक्षा निदेशक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मैसर्स फार्म टूल्स  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 5 सितम्बर 1980

सं० 4186/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स फार्म टूल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मैसर्स फेमस चिट फंड  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 5 सितम्बर 1980

सं० 8871/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना

दी जाती है कि मैसर्स फेमस चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मैसर्स ऐल्युमीनाईज्ड  
स्टीलस लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 5 सितम्बर 1980

सं० 13432/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स ऐल्युमीनाईज्ड स्टील्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मैसर्स एम० ए० मीसरी

एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 5 सितम्बर 1980

सं० 1359/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स एम० ए० मीसरी एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एम० सी० गुप्ता  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार  
महाराष्ट्र, बम्बई

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445(2) के  
अधीन सूचना : मैसर्स सुमेसागर कोटन मिल्स प्राइवेट  
लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद-380 009, दिनांक 8 सितम्बर 1980

सं० 2423/लीक्वीडेशन—कम्पनी अर्जी नं० 15 आफ 1979 में अहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 9-1-1980 के आदेश द्वारा मैसर्स सुमेसागर कोटन मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन का आदेश दिया गया है।

व्ही० वाय० राणे  
सहायक प्रमंडल पंजीयक  
गुजरात, अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नार्दर्न इंडिया मर्केन्टाइल  
एजेन्सीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कानपुर, दिनांक 8 सितम्बर 1980

सं० 9303/900 एल०/सी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि

इस तारीख से तीन माह के अवसान पर नार्दन इंडिया मर्केन्टाइल एजेंसी प्राइवेट लि० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जायेगी।

ओ० पी० चड्ढा,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
यू० पी०, कानपुर

कार्यालय शासकीय समापक, दिल्ली  
(उच्च न्यायालय दिल्ली से संलग्न)

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1980

न० कम्पनी लिखवी (191) 2/5378—

फॉर्म न० 152

कम्पनी अधिनियम, 1956

लेनदारों द्वारा ऐच्छिक समापन

धारा 516 के अन्तर्गत समापक की नियुक्ति सम्बन्धी नोटिस

कम्पनी का नाम	मैसर्स गोमती चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड।
व्यापार की प्रक्रिया	चिट फंड।
रजिस्टर्ड ऑफिस का पता	32/7, पंत नगर, जंगपुरा, नई दिल्ली 1
समापक का नाम तथा पता	शासकीय समापक, उच्च न्यायालय से संलग्न 16 रिग रोड, इन्द्र प्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली।
नियुक्ति की तिथि	17 मार्च, 1980
किसके द्वारा नियुक्ति	दिल्ली उच्च न्यायालय केस संख्या सी० ए० 58 वर्ष 1980।

पी० चन्द्रा

सहायक शासकीय समापक, दिल्ली

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

ठक्कर बंगला, गिरीपीठ नागपुर-10

नागपुर, दिनांक 31 जुलाई 1980

निवेश सं० फा० सं० नि० सं० आ० आ०/अर्जन/147/80-81—यतः मुझे ए० के० विलय्या, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी खसरा नं० 107/1 ख, प० ह० नं० 10, है तथा जो देवई गोविंदपुर तुकुम, में स्थित है ) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चंद्रपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-1-80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

श्रीमती भिवराबाई सीताराम सोनुने, श्रीमती पोयराबाई रामा वधवाई, श्रीमती भुलवाई नारायण मोहुते, श्रीमती मैनाबाई राधोबा मोहुले सी रहनेवाले देवई गोविन्दपुर तुकुम. त० और जि० चंद्रपुर

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुरेखा रामचंद्र रणधीवे, देवई गोविंदपुर तुकुम, ता० जि० चंद्रपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खसरा नं० 107 / 1 ख प० ह० नं० 10, मौजा देवई गोविंदपुर तुकुम त० जि० चन्द्रपुर, 2-00 एकड़ जगह ।

एस० के० विलय्या,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 31-7-80  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

पूना-411004, दिनांक 12 सितम्बर 1980

निर्देश सं० सी० ए० 5/चोपड़ा/फरवरी 1980-481/80-81

—यतः मुझे श्री० सी० चंद्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एम० नं० 5990, 5990/1 से 5990/32 सि० एस० नं० 6000, 6001, 6001/1 से 6001/9, 6002, 6003, है तथा जो चोपड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक चोपड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ए० दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती बनारसीदेवी मंगलाल शेट अग्रवाल (2) श्रीमती विद्यादेवी राधेभ्याम गिदोडिया (3) श्री महेशकुमार मंगलाल अग्रवाल (पूर्ति)बिल्डिंग आगरा रोड धुले (अन्तरक)

2. श्री जोपड़ा शेटकरी सहकारी खरेदी विक्री संघ लि०, चोपड़ा जि० जलगांव (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति जो ला० चोपड़ा जि० जलगांव में स्थित है। उसका वर्णन नीचे किया है।

सि० स० नं० 5990, 5990/1 से 5990/32, सि० स० नं० 6000, 6001, 6001/1 से 6001/9, 6002, 6003, ग० नं० 1350, 1357, 1358, 1354, 1353, 1355, 1356, 1351 जिसमें जिंगिंग फॅक्टरी प्रोसिंग फॅक्टरी ओईल मिल लेथ और मशीनरी, बॉइलर और स्टोअर, दो गोडाउन, वेल्ड, इलेक्ट्रिक मोटरस् और इलेक्ट्रिक फिटिंग्स नौकरोके गृह और कर्मचारियों के गृह, अतिथी गृह और बंगले, वगैरे हैं।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 338 जो फरवरी 1980 को दुय्यम निबंधक चोपड़ा के दफ्तर में लिखा है)।

ए० सी० चंद्रा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 12-9-1980  
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1980

निदेश सं० पि० आर० नं० 975/ एकवी-23-II/80-81—अतः मुझे एस० एन० मण्डल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० नं० 363, एच० 1 एफ० पी० नं० 40 ए है। तथा जो कतारगाय) सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-1-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितियों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाचनाबं अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवगतः—

(1) चमपकलाल हरकिशनदास उर्फ गोरधनदास;  
(2) मटबरलाल चमपकलाल; (3) रमेशचन्द्रा  
चमपकलाल, लाल दरवाजा, मोतीशेरी, सूरत (अन्तरक)

(2) श्री कानजिभाई डूगरभाई पटेल, भटवालाणी वाडी,  
वारछा रोड, देना बैंक दरवाजा के सामने, सूरत (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हिनवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो कतारगाय, आर० एस० एन० नं० 363, एच० 1, एफ० पी० नं० 40 ए, सब प्लॉट नं० 15ए में स्थित है जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिलेख तारीख 9-1-80 में रजिस्ट्री की गयी है।

एस० एन० मण्डल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज,  
अहमदाबाद

तारीख : 18-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 18 अगस्त 1980

निर्देश सं० आर० नं० 976/एक्वी-23-II/80-81—

अतः मुझे एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० आर० एस० नं० 363, टि० पी० एस०  
एस० नं० 4 है। तथा जो सब प्लट नं०

15-ए, कातरगांव, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध,  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 9-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) अमपकलाल हरकिशन दास उर्फ गोरधनदास, (2)  
(2) नटवरलाल अमपकलाल, (3) रमेशचन्द्रा अमपकलाल,  
लाल दरवाजा, मोतीशेरी, सूरत (अन्तरक)

(2) श्री मनजि भाई दुनगाभाई, भटवालागी बाड़ी, बराछा  
रोड देना बैंक गली के सामने, सूरत (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो कतारगांव आर० एस० नं० 363 एक्वी,  
टि० पी० एस० नं० 4, फैनल प्लाट नं० 40, ए, सब-प्लाट  
नं० 15 ए०, में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय  
में तारीख 9-1-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

एस० एन० मांडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II  
अहमदाबाद

तारीख : 18-8-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1980

निर्देश सं० पि० आर० नं० 977 एस्वी 23- /80-81—अतः मुझे, एस० एन० मांडल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० वार्ड नं० 17, और, एस० नं० 2 है तथा जो अदाजन, सूरत में स्थित है (और इससे उपाय अग्रसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-1-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मानेकबेन, खोमेद पेसदानजी के पुत्री और अरचसा कावसजी सुरेल की विधवा बिलिनिवाणी 1, सैथावपुरा, सूरत (अन्तरक)

(2) श्री दिव्यान जसदास रावल 54 संगम सोसायटी रानदेर रोा सूरत (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अव्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो अदाजन, वार्ड नं० 17, आर० एस० नं० 2 में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 18-8-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

एस० एन० मांडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 18-8-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 978/एकयी 23/II/80-81--  
अतः मुझे एस० एन० मांडल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है  
और जिसकी सं०, वार्ड नं० 4, नोद नं० 4/1651 बी०  
है। तथा जो सरदार मार्केट, सहारा धरबाजा, सुरत में स्थित  
है (और इससे उराबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
ता० 5-1-1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

(1) मेसेर्स वसन्तलाल जयन्तीलाल, वि० के० और  
ओनर श्री जयन्तीलाल अतमाराम, 1 12 ए, सुसमा  
सोसाईटी, गोपिपुरा सुरत। (अन्तरक)

(2) भागीधार और वहिवन करता श्री जयना  
दास त्रियवन दार, के द्वारा मेसेरेस राज ट्रेडिंग कं०, गोपिपुरा  
बोरावद सुरत (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सहारा दरबाजा, सरदार मार्केट, वार्ड, नं०  
4, नोद नं० 4/1651 बी सुरत में स्थित है। जो सुरत  
रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 5-1-1980 में रजिस्ट्री  
की गयी है।

एस० एन. मांडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II  
अहमदाबाद

तारीख: 18-8-1980  
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 अगस्त 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 979 मकयी 23-II/80-  
81—आ: मुझे एस० एन० मंडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नोद नं० 350, बार्ड नं० 1, पोपट महोला,  
है। तथा जो नानपुरा, सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 15-1-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) धिनाबन, केकसरू होरमासजी धिसावाला कि  
पुत्री, सोनसुर लेथिन, मरेन लैन 1, बाम्बे।

(2) आलबेन केकसरू होरमासजी धिसावाला के पुत्री,  
पोपडसहोली, नानपुरा सूरत।

(3) मणिबेन बहागीरी, धुमासीया की० पत्नी धुमास दा  
चोरथासी।

(4) नालिजर कैकसरू धीसावाला कोलाबा, कुकसरू बाग, बाम्बे

(5) नैसीर, केकसरू धीसावाला, मुगलीसारा, सूरत।

(6) रूसी केकसरू धीसावाला, रसठमभाला थयकला बाम्बे।  
मुधाबेन बेलवनाराई लापसिवाला, 1/350, पोपट महोली,  
नानपुरा सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पिलकत जो नोद नं० 350 बार्ड नं० 1, पोपट महोली,  
नानपुरा, सूरत में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय;  
तारीख 15-1-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

एस० एन० मांडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II,  
अहमदाबाद।

तारीख; 19-8-1980  
मोहर;

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जैन रेंज अहमदाबाद

अमदाबाद दिनांक 11 अगस्त 1980

निर्देश सं० भी० आर० नं० 1147 एस० सी० क्यू०

23-I (80-82—अतः मुझे एस० एन० मंडल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० धीबानी ओईल मील है तथा जो फुटीआना  
जिना जुनाग में स्थित है (और दूसरे उदाहरण अणुसुची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 10-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्री करसनदास पुंजाभाई थोबानी और दूसरे सीमडा  
चोक, भद्राकाली रोड, पोरबंदर (अन्तरक)

(2) श्री करसनदास बालजी और दूसरे थोबानी गीनीग  
फेक्टरी, कुटीयाना, जिला, जुनागढ़ (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
पायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

थोबानी आईल मील से जानकारी मिलकल कुटीयाना,  
जिला जुनाग में स्थित है, जो सब रजिस्ट्रार मानाबंदर,  
द्वारा विधि रजिस्टर्ड है जिसका बिक्री दस्तावेज नं० 1592/  
10-1-80 इस तरह मिलकत का पूर्ण वर्णन इस में दिया गया  
है।

एस० एन० मंडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 11-8-1980  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 11 अगस्त 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1148 ए० सी० न्यू० 23-J/  
80-81—यतः मुझे, एस० एन० मंडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० थोबानी ओईल मिल है तथा जो कुटीयाना जिला, जूनागढ़, में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-1-1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री कसनदास पुन्जाभाई थोबानी, लिमडा चोक, भद्राकाली रोड, पोरबंदर (अन्तरक)

(2) श्री ग्रहर जेठाभाई करसन और दूसरे थोबानी गिनिंग फैक्टरी, कुटियाणा, जिला जूनागढ़। (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

थोबानी ओईल मिल से जानकारी मिलकियत कुटीयाना, जिला जूनागढ़ में स्थित है, जो सब रजिस्ट्रार माभाघदर द्वारा विधि रजिस्टर्ड है, जिसका बिक्री दस्तावेज नं० 1593 10-1-80 इस तरह मिलकियत का पूर्ण वर्णन इसमें दिया गया है।

एस० एन० मंडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I,  
अहमदाबाद

तारीख: 11-8-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1150 ए० सी० ब्यू०-

23-1/80-81—अतः मुझे एस० एन० मॉडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी वं० टी०पी०एस० नं० 18 एफ० पी० नं० 8, है। तथा जो दुकान नं० 14 डहियाभाई चीमनलाल क्लोथ मार्केट शेरकोटडा अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-1-1980।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसूची में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) में० मधुरेस कोर्पोरेशन हिस्सेदा द्वारा, श्री बाबु-भाई दशरथलाल पटेल 111, सरकीवाड, सारंगपुर, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) रामकिशोर बाबुलाल जैन 703, न्यू क्लोथ मार्केट रायपुर दरवाजा के बाहर, अहमदाबाद (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान नं० 14, जो भूलसीय जमीन पर खड़ी है, उसका माप 14.46 वर्ग मीटर, जिसका नं० एफ० पी० नं० 8 टी० पी० एस०, 18 से है, वह डाह्याभाई चीमनलाल क्लोथ मार्केट शेरकोटडा अहमदाबाद में स्थित है उसका पूरा वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज जैसे की रजि० नं० 1336 ता० 16-1-1980 में दिया गया है।

एस० एन० मॉडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 18-8-1980

मोहर:

प्राख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 18 अगस्त 1980

निर्देश नं० पी० आर० नं० 1151 ए० सी० क्यू० 23-  
/80-81—अतः मुझे एस० एन० मांडल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 18, एफ० पी० नं०  
8 है तथा जो शरकोटार, डी० सी० क्लोथ मार्केट,  
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उबाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अहमदाबाद, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 16-1-1980  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय कीबाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसने बनने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० मथुरेश कार्पोरेशन, भागीदार द्वारा, बाबुभाई  
दशरथलाल पटेल, 11, सरकीवाड, सारंगपुर, अहमदाबाद  
(अन्तरक)

(2) मै० हरसदकुमार द्वारकादाम सगार के वाली,  
विभुषण हरसदकुमार मानेक चौक, धाचीनी पोल, अहमदाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान नं० 27 भूतलीय जमीन पर खड़ी, जिसका  
माप 14.71 वर्ग मीटर है, टी० पी० एस० 18 का एफ०  
पी० नं० 8 है, जो शहरकोटडा, अहमदाबाद में स्थित है। जो  
रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज द्वारा रजि० नं० 1332 ता०  
16-1-1980 में पूर्ण वर्णन होया गया है।

एस० एन० मांडल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख : 18-8-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद,

अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1152 ए० सी० यू०

23-I/80-81—अतः मुझे एस० एन०, मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस० 18 का एफ० पी० नं० 8, है। तथा जो शाहरकोटडा, डी० सी०, क्लोथ मार्केट अहमदाबाद, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-1-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

(1) मैसर्स मंगूरेश कोर्पोरेशन, भागीदार द्वारा, श्री बाबुभाई दशरथ लाल पटेल 111, सरकीबाद, सारंगपुर, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र कुमार मानचन्द भद्रेश्वर सोसायटी, एच० बी० कापडीया हाई स्कूल के पीछे दिल्ली दरखाजा अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक दुकान नं० 2 भूतलीय जमीन पर खड़ी, जिसका माप 14.13 वर्ग मीटर है, टीपीएस० 18 का एफ० पी० नं० 8 है, जो शाहरकोटडा, अहमदाबाद में स्थित है, जो रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज द्वारा रजि० नं० 1333 ता० 16-1-1980 में पूर्ण वर्णन किया गया है।

एस० एन० मांडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I  
अहमदाबाद

तारीख: 18-8-1980

मोहर:

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1153 ए० सी० क्यू० 23-I/80-81—अतः मुझे एस० एन० माण्डल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस० 18 का एफ० पी० नं० 8 है। तथा जो शहरकोटडा, अहमदाबाद, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-1-1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घने या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मेसर्स, मधुरेस कोर्पोरेशन भागीदार द्वारा श्री बाबुभाई दशरथलाल 111, सरकीवाड, सारंगपुर, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) श्री जासुदबहन चीमनलाल शाह येयरपुर नगर सोसायटी, नया वाडज अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मजबूतकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एफ० दुकान नं० 24, भूतल पर जमीन पर खड़ी, जिसका माप 14 81 वर्ग मीटर है, टीपीएन० 18 का एफ० पी० नं० 8 है। जो शहरकोटडा अहमदाबाद में स्थित है, जो रजिस्ट्रीकृत बीक्री दस्तावेज द्वारा रजि० नं० 1336 ता० 16-1-1980 में पूर्ण वर्णित हो गया है।

ए० एन० माण्डल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

अहमदाबाद

तारीख: 18-8-1980

मोहर:

प्रकरण घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 18 अगस्त 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1154 ए० सी० क्यू०  
23-I/80-81—अतः मुझे एस० एन० माण्डल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० एस० नं० 2 ए० टी० पी० एस० नं०  
18 का एफ० पी० नं० 8 है। तथा जो शहरकोटडा  
अहमदाबाद, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अहमदाबाद, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 30-1-1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरलिखितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
सब याथा न्याय प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या सम्पत्ति का  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किता जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकट :—

(1) श्री मेसर्स मधुरेश कोर्पोरेशन भागीदार द्वारा,  
श्री बाबूभाई दशरथलाल पटेल, 111, सरकीवाड, सारंगपुर  
अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) श्री कैलाशचंद्र रामधनजी, 20, सुरामनगर सोसायटी  
नवरंगपुरा, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त  
अधिनियम के प्रकरण 20-क में परिभाषित  
है, वही प्रर्थ होगा जो उस प्रकरण में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक दुकान नं० 19, भूतलीय जमीन पर खड़ी, जिसका  
माप 14.50 वर्ग मीटर है, एस नं० 21 ए टी० पी० एस०  
नं० 18 का एफ० पी० नं० 8 है, जो शहरकोटडा, अहमदाबाद  
में स्थित है, तथा रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज द्वारा रजि०  
नं० 2189 ता० 30-1-1980 में पूर्ण वर्णन हो गया है।

एस० एन० माण्डल,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

अहमदाबाद

तारीख : 16-8-1980

मोहर :

## प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1155 ए० सी० क्यू०  
23-I/80-81—यतः मुझे, एग० एन० माडल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 2 ए, टी० पी० एस० नं० 18  
का एफ० पी० नं० 8 है। तथा जो शहरकोटडा, अहमदाबाद  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 30-1-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निर्धारित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के धर्मोपार्जन अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या जो अन्तरक आता चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स, मथुरेस कोर्पोरेशन भागीदार द्वारा,  
श्री बाबुभाई वसंतराव पटेल, 111, सरकीवाड, सारंगपुर,  
अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) श्री जानी, प्रविनचंद्र डाहयाभाई लवरीनी पोल  
धनासुधारनी पोल, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोधिताभरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

एफ० दुकान नं० 11, जो भूतलीय जमीन पर खड़ी,  
जिसका माप 14.58 वर्ग मीटर है, एस० नं० 2-ए, टी०  
पी० एस० नं० 18 का एफ० पी० नं० 8 है, जो शहरकोटडा,  
अहमदाबाद में स्थित है, रजिस्ट्रीकरण बिन्नी दस्तावेज द्वारा  
रजि० नं० 2183 ता० 30-1-1980 में पूर्ण वर्णन किया गया  
है।

एस० एन० माण्डल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I,  
अहमदाबाद

तारीख: 18-8-1980

मोहर:

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1980

निर्देश सं० सी० आर० नं० 1156 ए० सी० क्यू० 23-I/80-81—यतः मुझे एस० एन० मांडल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 18 का एफ० पी० नं० 8 है। तथा जो गहरकोटडा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-1-1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उद्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) न्यू मेसर्स मर्चेंडिस कोपेरेशन, भागीदार बाबुभाई दशहरण लाल, 111, सरकीबाद सारंगपुर, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) श्री राजकुमार क्रिपालदास, पन्नाल नगर नवा वाडाब रोड, अहमदाबाद । (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

एफ० दुकान नं० 3 जो भूतलीय जमीन पर खड़ी माप 14.10 वर्ग मीटर टी० पी० एम० 18 का एफ० पी० नं० 8 है, जो गहरकोटडा, अहमदाबाद में स्थित है, जो रजिस्ट्रीकृत बीक्री दस्तावेज द्वारा रजि० नं० 2193 ता० 30-1-1980 में पूर्ण वर्णन किया गया है ।

एस० एन० मांडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I  
अहमदाबाद

तारीख : 18-8-1980  
मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1157 ए० सी० क्यू०

23-I /80-81—यतः मुझे एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 18 का एक० पी०  
नं० 8 है। तथा जो शहरकोटडा अहमदाबाद में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 30-1-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स मधुरेस कोर्पोरेशन, भागीदार द्वारा,  
श्री बाबुभाई वशरथलाल, 111, सरकीवाडा, सारंगपुर हम-  
अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) (1) प्रेमचन्द क्रिपालदास (2) जगदीश  
क्रिपालदास, 1, पंचाल नगर, नवा वाडज रोड अहमदाबाद  
(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख के 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एकत्रिंशत्करण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान नं० 18, जो भूतलीय जमीन पर खड़ी माप  
14.88 वर्ग मीटर, टी० पी० एस० नं० 18 का एक० पी० नं०  
8 है, जो शहरकोटडा, अहमदाबाद में स्थित है, जिसका  
पूर्णवर्णन रजिस्ट्रीकृत, बिक्री दस्तावेज द्वारा रजि० नं० 2192  
ता० 30-1-1980 में दिया गया है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख : 18-8-1980

मोहर :

प्ररूप धार्ई० टी० एन० एस०—

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1980

निर्देश सं० जी० आर० नं० 1158 ए० सी० क्यू०,  
23-I/80-81—अतः मुझे एस० एन० मण्डल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पी० सी० एस० नं० 18 का एक० पी०  
नं० 8, है। तथा जो शहरकोटडा, अहमदाबाद, में स्थित  
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद, में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
ता: 5-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चद्व प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,  
लिखित में वास्तविक रूप से अचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्त्रियों  
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन नीतिनिश्चित व्यक्तियों, प्रभावित :—

(1) मैमर्स मधुरेस कोर्पोरेशन भागीदार द्वारा,  
श्री बाबुभाई दशरथलाल, 111, सरकीवाड, सारंगपुर,  
अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) श्री मनोहरलाल मल्लनारायणद काबरा अन्तर्त स्मृति,  
हिन्दु कोलोनी रोड, नं० दादर बम्बई (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक दुकान नं० 6, जो भूतलीय जमीन पर खड़ी, माप  
14.59 वर्ग मीटर, टी० पी एस०, नं० 18 का एक० पी०  
नं० 8 है, जो शहरकोटडा, अहमदाबाद में स्थित है, जिसका,  
पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिक्री वस्तावेज द्वारा रजि० नं० 295  
ता० 5-1-1980 में दिया गया है।

एस० एन० मण्डल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख : 18-8-1980  
मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1980

निर्देश सं० सी० आर० नं० 1159 ए० सी० क्यू० नं० 23/I/80-81—अतः मुझे एस० एन० मांडल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2-9-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० टी० पी० एस० 18 का एफ० सी० नं० 8, है। तथा जो शहरकोटडा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के कार्यालय, अहमदाबाद, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-1-1980 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए प्रगति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।  
नोट/ब।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थितः—

5-266G1/80

(1) श्री मेसर्स मथुरेस कोर्पोरेशन भागीदार द्वारा, श्री बापुभाई दशरथलाल पटेल 111, सरकीवाड सारंगपुर, अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार रतनलाल, हिमालया पार्क, नवरंगपुरा, अहमदाबाद, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान नं० 20 जो भूतलीय जमीन पर खड़ी, माप, 14.40 वर्ग मीटर, टी० पी० एस० 18 का एफ० पी० एस० नं० 8 है, जो शहरकोटडा अहमदाबाद में स्थित है, जो रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज द्वारा रजि० नं० 1335 ता० 16-1-1980 में पूर्ण वर्णन किया गया है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अहमदाबाद

तारीख : 18-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 985 एक्सी० 23-II/80-81—  
अतः, मुझे एस० एल० मांडल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नोद नं० 1210 वार्ड नं० 5, हरिपुरा  
मैन रोड, है। तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे  
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-1-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में क्रम के ह्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री हरिलाल शिवशंकर रावल के० कार्यपालक  
(1) जगदीश चन्द्रा हरिलाल रावल, (2) पुष्पा गौरी  
हरिलाल, हरिपुरा, मैन रोड सूरत (अन्तरक)

(2) श्री विपिनचन्द्रा हीरालाल घडियाली हरिपुरा  
भवानिवाडे, सूरत (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोद नं० 1210, वार्ड नं० 5, हरिपुरा  
मैन रोड, सूरत में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के  
कार्यालय में दिनांक 29-1-1980 में रजिस्ट्री की गयी  
है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 1-9-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 988 एम्बी०/23-II/80-  
 81—अतः मुझे एस० एन० मांडल,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रुपए में अधिक है

और जिसकी सं० नं० 228/1 और 229/1 पैकी प्लॉट नं० 24 और  
 24/1 है। तथा जो विजलपुर रोड, विजलपुर नवसारी में स्थित  
 है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्री-  
 करण अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के अधीन  
 ता 16-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
 दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
 विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
 उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
 दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
 अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
 ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
 उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित  
 नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
 नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
 लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
 सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
 (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कानजीभाई गोविन्दजी पटेल, श्री रमणिकलाल  
 कानजीभाई पटेल, राम सोसाइटी, नवसारी (अन्तरक)

(2) प्रधान श्री बाबुभाई पुनाभाई पटेल, सचीवः  
 श्री मणिभाई वसानजी वीरा आदर्श कोम्पा० हाउसिंग सोसाइटी  
 लिमिटेड विजलपुर, नवसारी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
 तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
 किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
 हितरहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
 दिया गया है।

### अनुसूची

मिलकत जो सर्वे नं० 228/1 और 229/1 पैकी प्लॉट  
 नं० 24 और 24/2, विजलपुर रोड, विजलपुर, नवसारी  
 में स्थित है। जो नवसारी रजिस्ट्री के कार्यालय में स्थित  
 तारीख 16-1-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

एस० एन० मांडल  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 1-9-1980  
 मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० ए०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आर० नं० 987/एक्सी० 23 II/80-81—

अतः मुझे एस० एन० मांडल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 33 जमीन है तथा जो आली बरूच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरूच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-1-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के नन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाया किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) नारायण एस्टेट के भागीदार, पुनम भाई देवजि-भाई प्रजावति खुद और मुखतार नामा नमबसे 2-5- (2) मनजुला बेन राजजिभाई प्रजापति, (3) पदमाबेन कन्हैयालाल पटेल (4) भारतिबेन जितेन्द्र शाह, (5) पूर्णिमाबेन जयन्तकुमार पन्वाल, गुजरात हाउसिंग बोर्ड, बि० नं० 34-1 बरोच। (अन्तरिक)

(2) श्री चैयरमैन श्री अब्दुल रहिम रसुलकेसर बट्टी के द्वारा दिजिनगर को हाउसिंग सोसायटी हाफिज मंजिल अली, डिसिबार्ड, बारूच। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में गम्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घोषाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्द और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रभाव 20-क में परिभाषित है बड़ी अर्थ होगा, जो उस प्रभाव में दिया गया है

अनुसूची

जमीन जो अभी सर्वे नं० 33 में स्थित है। जो बरूच रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 24-1-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

एस० एन० मांडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 1-9-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजमेर रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आर० 986पी० एन० 23/II/80-81—यतः  
मुझे, एस० एन० मंडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 11/2, कानबोवासा, ब्रोच है, तथा जो  
ब्रोच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्रोच  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 10-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मणिलाल भगवान दास पटेल आली, काछियावाड़  
ब्रोच। (अन्तरक)

(2) श्री जगदीश भाई मोहन भाई, चनवालाण चाल  
ओ० एन० जी० सी० डिस्पेंसरी के पीछे ब्रोच (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

जमीन जो० कानबोवासा ब्रोच में सर्वे नं० 11/2  
में स्थित है। जो ब्रोच रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख  
10-1-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

एस० एन० मंडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-II, अहमदाबाद

तारीख: 1-9-1980  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1980

पी० आर० नं० 989 एक्यु० 23-II/80-81—अतः  
मुझे एस० एन० मंडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 11/2 जमीन है। तथा जो कानबी-  
वासा, ब्रोच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, ब्रोच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 10-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ  
की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मणिलाल भगवानदास पटेल, अली, काठियावाड़  
ब्रोच (अन्तरक)

(2) श्री आम्बालाल बालू भाई पटेल, पुनीत को० आ०  
हाउसिंग सोसायटी 17, ब्रोच (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियाँ करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधो-रजि-  
अरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन जो कानबीवासा, ब्रोच, में सर्वे नं० 11/2  
में स्थित है। जो ब्रोच रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख  
10-1-1980 को रजिस्ट्री की गयी है।

एस० एन० मंडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 1-9-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

पुष्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को द्वारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 984/एकवी/23-II-80-81-

अतः मुझे, एस० एन० मॉडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ज० 3253 हि सी न० 5 है। तथा जो लाकवाड पाढी बिसार वैशाली मिनेमा पास नडियाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नडियाड

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी खन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जयोलिन्द्रा सूर्यकान्त पटेल और दूसरे लाकवाड चौरा पास नडियाड (अन्तरक)

(2) श्री हर्द्वेशचरीनगर को हाइ० सोसाइटी लिमिटेड के द्वारा मुख्य प्रमोटर जगदीशचन्द्रा मोहनलाल शाह के द्वारा पुष्कर और मार्फत जमीन का आयोजक सरदीर भवन बावला के निट नडियाड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 3253 हिंसा नं० 5 में लाकवाड पाढी बिसार में टि० पि० एस० नं० 1 नडियाड में स्थित है। जो बिश्री खाता नं० 6 पर सब रजिस्ट्रार नडियाड के कार्यालय में सम्पूर्ण वर्णित में। रजिस्ट्री की गयी है। तारीख जनवरी महिने में।

एस० एन० मॉडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख: 1-9-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 नितम्बर 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1161 ए० सी० न्यू० 23/ 80-81—अतः मुझे, एस० एन० मांडल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मुनि० नं० 1017/57 प्लॉट नं० 82 है तथा जो होस्पिटल रोड भुज में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भुज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-1-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

1. श्री प्रबाल शामजी भूडीया (2) श्री करसन शामजी भूडीया (3) श्री कानजी शामजी भूडीया (4) श्री गोविंद शामजी भूडीया नवावास भाधापर कच्छ भुज (अन्तरक)

2. श्री सोनारा महमद आदम ईसाक जरवाउ बंदर अबदासा तालुका कच्छ, भुज (अन्तरिति)

3. (1) डा० जगदीश एच० महता, (2) डा० अतुल शिवनाल जानी (3) श्री रमनलाल बल्लभ भाई (4) देना बैक भुज (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रतीति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एफ० मकान जमीन पर खड़ा है, जिसका माप 444-4-0 वर्गगज और प्लॉट नं० 82, म्यु० नं० 1017/57 जो हस्पताल रोड भुज में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज, रोजन नं० 48 ता० 10-1-80 में दिया गया है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख: 3-9-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1162 ए० सी० ब्यू०  
23-I/80-81—अतः मुझे एम० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एम० नं० 454 पी० 450 पी० और  
441-1 तथा प्लॉट नं० 180 181, है। तथा जो जी०  
आई० डी० सी० इन्डस्ट्रीयल टाउनशिप, नरोडा अहमदाबाद  
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 22-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
मया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6-266GI-80

(1) श्री मेसर्स भगवती इन्डस्ट्रीज प्लॉट नं० 180,  
नरोडा इन्डस्ट्रीयल टाउनशिप नरोडा, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) श्री मेसर्स कामी राईस मील मनोहलाल रालचंद  
परसी चाल, ममकती मार्केट के सामने अहमदाबाद (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलकत, जिसमें इन्डस्ट्रीयल शेड तथा कार्यालय ब्लाक  
का समावेश है जो जमीन माप 10404 वर्ग मीटर पर खड़ी  
है, जिसका एम० नं० 454 जी०, 450 पी०, तथा 441-1  
और प्लॉट, नं० 180 181/1, जो जी० आई० डी० सी०  
इन्डस्ट्रीयल टाउनशिप गाँव नरोडा जिला अहमदाबाद में स्थित  
है। जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज द्वारा रोजन,  
नं० 1746 ता० 22-1-1980 में दिया गया है।

एम० एम० मांडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 1-9-1980

मोहर:

प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1980

निर्देश सं० सी० आर० न० 1163 ए० सी० ब्यू०, 23-I/80-81 --अन. मुझे एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ईन्डस्ट्रीयल मकान जिमकी अभी की जानकारी है। तथा जो गोडल रोड, ओकट्रीय नाका के पास, आर० आर० सीट, इन्डस्ट्रीज में स्थित है। (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-1-1980 को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम्बे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री षशीकान्त हरजीभाई मीनरोजा गोडल रोड, राजकोट (अन्तरक)

(2) श्री रमजीकलाल भानजीभाई पटेल 3 भक्तनगर, स्टेशन प्लाट राजकोट (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान जिसकी जानकारी आर० आर० सीट० इन्डस्ट्रीज में है, जो 570-8-36 वर्ग गज जमीन पर खड़ी है, जो गोडल रोड, ओकट्रीय नाका के साथ, राजकोट में स्थित है। जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बीक्री दस्तावेज नं० 342 ता० 21-1-1980 के रजि० अधिकारी द्वारा राजकोट में दिया गया है।

एस० एन० मांडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 1-9-1980  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1164 ए० सी० व्यू०,  
23-I/80-81—अतः मुझे एम० एन० मण्डल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 179 पैकी है। जो भाखु  
भाजीपरा, स्टेशन प्लॉट आबावाडी रोड, धोराजी में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धोराजी में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
16-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
छद्म से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, 4 अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उपधारा  
के (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री ए० सतार जोसाव गफाली (2) फातमाभाई  
ए० करीम दोनों पुलिस लाईन पर धोराजी, जिला  
राजकोट (अन्तरक)

(2) श्रीमती शालाबेन मोहनलाल कानेरीया, भाखुभाजीपरा  
स्टेशन प्लॉट, आबावाडी रोड धोराजी। (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान जो 775 वर्गगज माप जमीन पर खड़ा है  
जिसका प्लॉट नं० 179 पैकी जो भाखुभाजीपरा, स्टेशन  
प्लॉट, आबा० रोड, धोराजी में स्थित है जो बिक्री  
दस्तावेज नं० 22/16-1980 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
धोराजी द्वारा बिना रजिस्टर्ड जिसमें पूर्ण वर्णन किया गया  
है।

एम० एन० मण्डल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख 1-9-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1980

निर्देश न० पा० आर० न० 1165 ए० सी० वृ० 23-I/80-81—अतः मुझे एस० एन० माडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अन्तर्गत अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० एम० ० 448 पैकी प्लॉट न० 14 पैकी जमीन है तथा जो 20, जगन्नाथ प्लॉट राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट, में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 24-1-1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रसिकलाल मोहनलाल बोग दिग्विजय रोड, राजकोट (अन्तरक)

(2) श्रीमती दिवालीबेन नरसीभाई 43, प्रह्लाद प्लाट राजकोट (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुला प्लॉट जिसका सर्वे० न० 448 पैकी प्लॉट न० 14 पैकी जमीन का माप 206-2-0 वर्ग गज है जो 20, जगन्नाथ प्लॉट राजकोट में स्थित है । मिलकत का पूर्ण वर्णन बोझो दस्तावेज न० 435 ता० 24-1-1980 जो रजिस्ट्रीकरण अधिकारी राजकोट द्वारा विधि राजस्टर्ड है ।

एस० एन० माडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अहमदाबाद

तारीख : 1-9-1980  
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1980

निर्देश पो० आर० नं० 990/एक्वी 23/II/80-81--

अतः मुझे मांगीला।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० टि० नं० 80 एम० नं० 3442 व 3448  
है तथा जो अपेक्षम सोडा फैक्ट्री कागडोवाड, नवसारी  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 21-1-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व को  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) गिरधरलाल त्रिभुवनदाम, रामानन्द कोट, आईएम  
बगला, (2) रमेशचन्द्रा गणपतराम इंजीनियर, (3) पारेशभाई  
गणपतराम इंजीनियर, (4) निरजन गणपतराम इंजीनियर  
कुल मुकमियांल नं० 2 और 3, शिवाजी पार्क, राधासदन  
सी-1 माईड, बाबे (अन्तरक)

2. (1) श्री शंवार भाई इसमायिल भाई, (2) इसमायिल  
भाई अबदुलभाई, (3) रशीदाबेन शबीर भाई और  
तासनिम का रक्षक, कागडोवाड, नवसारी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मिलरत जो मालूम "अपेक्षम सोडा फैक्ट्री" कागडोवाड  
नवसारी में स्थित है। जो नवसारी रजिस्ट्रार के कार्यालय  
में तारीख 21-1-1980 में रजिस्ट्रार की गयी है।

मांगा लाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II,  
अहमदाबाद

तारीख : 9-9-1980  
मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1980

निर्देश सं० भार० नं० 991 एनका 23-II/80-81—अतः

मुझे मांग लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विप्राम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका सं० मा० टि० एम० नं० 8, एम० नं० 3442-3448 है, तथा जो अनेकम भोडा फैक्ट्री कागडीवाड नवमारा में स्थित है (और उसमें उभावद्ध अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार प्राधिकारी के कार्यालय नवमारा में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन 21-1-1980 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमले बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रकट, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. गिरवारीलाल श्री भुवनदाम अहमदाबाद (2) निरनजनभाई गणपतराम इंजीनियर मिनयर खुद और कुल मुकतियार रमेशचन्द्रा गणपतराम एन० इंजिनयर (3) परेगभाई गणपतराम, एन० इंजीनियर, शिवाजी पार्क रघामाधन मि० सैड बावे (अन्तरक)

(2) साबारभाई ईशमालभाई, इसमाल भाई भाव अबदुल-भाई कागडा बाई नवसारा (अन्तरगति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(2) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलान जो मातम अपेकम भोडा फैक्ट्री, कागडीवाड, नवमारा में स्थित है। जो नवमारा रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 21-1-1980 में रजिस्ट्रार कि गयी है।

मार्ग लाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II अहमदाबाद

तारीख 9-9-1980  
मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1980

निर्देश सं० पी० आर० न० 992 एक्का 23-II/80-81—

अन० मुझे, मांग० लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 34 युनिट नं० 3, हाउस नं० 16, है तथा जो विजया पार्क मुमाईटो लुणपी नवमारा, में स्थित है (यौंग इसमें उगावड़ अनुसूचा से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार-अधिकार के कार्यालय, नवमारी में रजिस्ट्रार-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्जन 10-1-1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बावन उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन० अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री. विनोदर छाट्टभाई देशाई, श्रीमती विधुलाबेन विनोदराई देशाई, लुनम० कूया विजया पार्क सोमाईटो, नवमारा (अन्तरक)

(2) श्री. वसन्त नामदेव पावार जि० जि० चावल 1 अन्नमति नवमारा। (अन्तरगति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मि० लाल जो विजया पार्क सोमाईटो, लुनमी कुई, हाउस नं० 6, नवमारा में स्थित है। जो नवमारा रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 10-1-1980 में रजिस्ट्रार का गया है।

मांग० लाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II  
अहमदाबाद

तारीख . 9-9-1980  
मोहर :

प्रकृष घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1980

पी० आर० नं० 1166 एक्वी० 23—I/80—81—

अतः मुझे, मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका सं० एफ० पी० नं० 548/5-टी० पी० एस० नं० 3 है तथा जो अहमदाबाद अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम दिनांक 23-1-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में रुधित नहीं किया गया है।—

(क.) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्राधान्यम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में रूको करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख.) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दिनेश भाई त्रिकुमलाल, मुनरिआ मुनरिआ ब्रिन्डग  
प्रीतमनगर, अहमदाबाद  
(अन्तरक)

2. मिद्वचक्र को० ओप० हाऊसिंग रोमायटी 66, शांतिमदन  
एस्टेट, लाल दरवाजा अहमदाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क.) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख.) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जिसका टी० पी० एस० नं० 548/5 और 3 है और जो माप में 218 वर्गगज है और जो अहमदाबाद में स्थित है। यह मिलकन रजिस्ट्री कार्यालय अहमदाबाद द्वारा रजिस्टर्ड नं० 1821 के द्वारा ता० 23-1-1980 के शेष रजिस्टर्ड की गई है।

मांगी लाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 9-9-1980

मोहर :

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०-—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1980

पी० आर० नं० 1167 एफ० 21-I-81-—81-— अद.  
मुखे, मांगो नाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन पत्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसका सं० एफ० पी० नं० 548/5 टी० पी० एस० नं० 3 है तथा जो छेदावाड अहमदाबाद में स्थित है (अंग्रेजों के उपानुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रार प्राधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अधिनियम 23-1-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उतने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा को 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7-266G1/80

- 1 अमलिन शाना बेन अवा नाल सुतरिया, सुतरिया विन्डिंग, प्रान्त नगर, अहमदाबाद (अन्तरक)
- 2 मिद्वक को० ओप० हा० मो० लि० 66, शांती-निकेतन एस्टेट, नाल दरवाजा, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्वम्भाशरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमान और मकान जो माप में 109 है चोरसगज और जिसका टा० पी० नं० 548/5 है अंग्रेजों जो छेदावाड अहमदाबाद में स्थित है। यह मिलकन रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी अहमदाबाद द्वारा ता० 23-1-1980 को रजिस्टर्ड की गई है।

मांगो नाल  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 9-9-1980

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना;

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 मितम्बर 1980

पी० आर० नं० 1168/एफवी० 23-1/80-81---

अतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसका सं० एफ० पी० नं० 548/5, टी० पी० एम० नं० 3 है तथा जो छदवाड अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधि-कारा के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रारकी अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-1-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचत या अर्थ शक्तिबों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बचत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अपात्त :-

1. श्री भदरेम अम्बालाल मुतगिया; मुतगिया बिल्डिंग प्रीतमतनगर अहमदाबाद (अन्तरक)

2 मिद्वचक्र को० प्रोप० हाऊ० मोमायती लिमिटेड 66, शांतिमदन एस्टेट लाल दरवाजा, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो माप में 109 चौरस गज है और जिसका एफ पी० नं० 548/5 टी० पी० एम० नं० 3 है और जो छदवाड अहमदाबाद में स्थित है। और मिलकर रजिस्ट्रारकी अमकीत अहमदाबाद द्वारा ता० 23-1-1980 को रजिस्टर्ड की गई है।

मांगी लाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख : 9-9-1980

मोहर :

प्रकृप धार्मिक-टो-एन-एस-—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1980

पा० आर० नं० 1169, एफ० नं० 23-I/80-81—

अतः मुझे मांगो लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० एफ० पा० नं० 548/5 का टी० पी० एम० नं० 3,  
है तथा जो छडवाड, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकार  
क कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रारकी अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 23-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तुत  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
वर्ष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. श्री अजीत भाई त्रिकमलाल सुतरिया, सुतरिया बिल्डिंग  
प्रानमनगर एलिमन्स, अहमदाबाद (अन्तरक)

2. मिहिरचक्र को० आर० हार्जिसग सोमायटो लिमिटेड  
66 शानिसदन एस्टेट, लाल दरवाजा अहमदाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोदनाकारी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान जो 218 वर्ग गज जमान पर एफ० पी० नं०  
548/5 का टी० पी० एम० नं० 3 में छडवाड अहमदाबाद में  
स्थित है। जो मकान बिक्री खाना स० पूर्णतः वर्णित है और रजिस्ट्री  
नं० 1820 में तारीख 23-1-1980 को रजिस्टर्ड किया गया  
है।

मांगो लाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज I, अहमदाबाद

तारीख : 9-9-1980  
मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1980

प.० आर.० नं० 1170/एक्वी० 23/80—81—

अतः मुझे मागी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीरंजिमकी म० एफ० पी० नं० 548/5 का टी० पी० एम० नं० 3 है तथा जो छाडावाड अहमदाबाद में स्थित है (श्रीरंजिमके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीरंजिम रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद, में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिनी (भन्तरिनीयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री. नरेशभाई त्रिहामलाल सुतरीया, सुतरीया बिल्डिंग, प्रतापनगर, एलिनब्रीजी, अहमदाबाद (भन्तरक)

2 सिद्धचक्र को० प्रा० हाउसींग सोसायटी लिमिटेड 66 गाति मदन एस्टेट, लालदरवाजा अहमदाबाद (भन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान जो 218 वर्ग गज जमीन पर एफ० पी० नं० 548/5 का टी० पी० एम० नं० 3 से छाडावाड अहमदाबाद में स्थित है। जो मकान बिक्री खन में संपूर्णतः, वर्णित है और रजिस्ट्री नं० 1822 से तारीख 23-1-1980 को रजिस्ट्री किया गया है।

मागी लाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेन रेज, अहमदाबाद

तारीख : 9-9-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 9 सितम्बर 1980

पी० आर० न० 1171-एनबी० 23-I/80-81—अन

मुझे, मागी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मसम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० न० 548/5 का टी० पी० एम० न० 3 है तथा जो छाड़ावाड़ अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रफुल भाई वीकामलाल सुतारिय, सुतारिमा बिल्डिंग प्रीतम नगर एलिसबिज, अहमदाबाद

(अन्तःक)

2 सिद्धचक्र को० ओप० हार्डिंग सोमायटी लिमिटेड 66, शांतिमदन ऐम्स्टेट, लालदरवाजा, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का ताराख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान 218 वर्ग गज जमीन पर एफ० पी० न० 548/5 का टी० पी० एम० न० 3 से छाड़ावाड़ अहमदाबाद में स्थित है और बिक्री खत में संपूर्णतः वर्णित है। जिसका रजिस्ट्री न० 1823 है और 23-1-1980 को रजिस्ट्री किया गया है।

मागी लाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 9-9-1980।

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 सितम्बर 1980

पी० आर० 1172/I ऐक्वी० 23-1/80-81—अतः

मुझे मांगी, लाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 1/जी/4, प्लॉट नं० 16 बी, प्लान नं० 2 है तथा जो विलास के सामने और पेरेस रोड पर जामनगर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-1-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटित:—

(1) प्रभुदाम हीराचन्द्र प्रेमानी प्रताप विलास के पास जामनगर (अन्तरक)

(2) श्री गोविन्दभाई भगवानजी परमार प्रताप विलास के सामने जामनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यवहारीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो माप में 5728 चौरस गज है और जिसका सं० नं० 1/जी/4, प्लॉट नं० 16 बी और प्लान नं० 2 है। यह जमीन प्रताप विलास पेलेस के सामने जामनगर में है। और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जामनगर द्वारा ता० 8-1-1980 को रजिस्टर्ड की गई है।

मांगी लाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 12-9-1980

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 सितम्बर 1980

पी० आर० नं० 993/एक्वी०-23-II/80-81—अतः मुझे  
मांगीलाल

आयकर अधिनियम, (1961 1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 1091 और 1092, आर० एम० नं० 276/2  
है तथा जो बालाजिपुरा विहार, कृष्णा टाकीज के सामने में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1980  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए धनरहित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण ने हुई किता धारा की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के प्रत्येक के वायिब्य में कमी  
करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
संधान में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मति ईनधीराकुमारी करनसिनजी चन्द्रामिनजी;  
कृष्णा टाकीज के सामने, आर० वी० देसाई रोड बड़ोदा ।

(अन्तरक)

2. अम्बार कन्सल्टेशन कं० के द्वारा भागीदार भाईलाल भाई  
कृष्णा टाकीज के सामने, आर० वी० देसाई रोड, बड़ोदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

जमीन जो कृष्णा टाकीज के सामने बालाजिपुरा विस्तार में  
बेरोड सिटी में स्थित है जिसका सरवे नं० 1091 और 1092 और  
आर० एम० नं० 276/2 है । जो विक्री खत नं० 40 पर सब रजि-  
स्ट्रार, बड़ोदा के कार्यालय में तारीख जनवरी, 1980 में सम्पूर्ण  
वर्णन पर रजिस्ट्री की गयी है ।

मांगी लाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 12-9-1980 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अमदावाद

अमदावाद, दिनांक 12 सितम्बर 1980

पी० आर० नं० 994 ए०वी० 23-II/80—81—अन०  
मुझे मांगी लाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 4 और 5 है तथा जो विट्ठल उद्योगनगर,  
वल्लभ विधाननगर के पास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
आंगद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
आधीन जनवरी 1980।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
श्रे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमति मंगलाबेन पटेल अरविदभाई चुनीभाई की पत्नी  
बीन परसोनमदास कुलमुख्यार पटेल हर्षदभाई जगभाई  
(2) पटेल शारदाबेन हर्षदभाई काला कंदवाके पीछे, वल्लभ  
विधाननगर (अन्तरक)  
2. श्री भगवान दास मनजीभाई मिन्त्री णान्ति पोल, वल्लभ  
विधाननगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका प्लॉट नं० 4 और 5 और जो वल्लभ विधाननगर  
में स्थित है। ये जमीन बीक्री खाना नं०-54 में जान्युआरी 1980  
में रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय आंगद में रजिस्ट्री की गई है।

मांगी लाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त अधिकारी  
अर्जन रेंज-II अमदावाद

तारीख 12-9-1980।  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. भीमलि सरला जयचठ सेठ

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. सजोय डेअरी, श्री महेश एम० डाक्टर, मिसेस सुशीला आर मेहता, मिसेस बन्धुबाला बेन एम० डाक्टर, श्री चन्द्रकांत एस० नगरशेठ आर दि डाक्टर फेमली ट्रस्ट

(अन्तरिती)

भारत सरकार

फायसिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II बम्बई

बम्बई दिनांक 25 अगस्त 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं ए० आर० II/2930.9/फरवरी 80—अतः मुझे ए० एच० तेजाले

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-फल लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० सी० टी० नं० 20 और सब डिवाइस प्लॉट नं० 3 एम नं० 75 ए (अंश) है 75 (बी) है जो जुहू में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जुहू में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-12-1980

एपेंडीक्स:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 558/79 बम्बई उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 4-2-80 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० एच० तेजाले

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख 25-8-1980।

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

1. श्री गिरीश कं० मुन्शी (अन्तरक)

2. मैसर्स गोदरेज सोल्स लिमिटेड (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बंबई

बंबई, दिनांक 29 अगस्त 1980

निर्देश सं० ए० आर०-II/2955/6/मार्च 80— अतः

मुझे ए० एच० तेजाने

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर ज़िमकी सं० प्लॉट नं० 75 ए (ग्रंथ) 75 (ग्रंथ) सब-डि-व्हायडेड प्लॉट नं० 1 सी० टी० एस० नं० 22 है तथा जो जूह में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-3-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 557/79 बंबई उपरजि-स्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 31-3-1980 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० एच० तेजाने  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, बंबई

तारीख : 29-8-1980  
मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बंबई

बम्बई, दिनांक 29 अगस्त 1980

सं० ए० आर०-II/2964/फ० 80—अतः मुझे ए० एच०  
तेजाले

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 377 सी (पार्ट) हि० नं० 1, 2 है तथा  
जो सांताक्रुज (पं०) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 5-4-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाचित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के श्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किना जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. श्री वनमालीदास हिराचंद शाह श्रीमति हंसाबेन जयंती-  
लाल मेहता मैसर्स कुसुमकान्त (बांबे) प्राइवेट लिमिटेड ।  
(अन्तरक)
2. सांता क्रुज त्रिवेणी को० आ० हा० सो० सा० लि०  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० आर० 1981/63 बंबई  
उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 5-4-1980 को रजिस्टर्ड है  
किया गया है ।

ए० एच० तेजाले  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेंज 2, बम्बई

तारीख 29-8-1980  
मोहर :

प्रकरण बाई-टी.एन.एच.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- III बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 सितम्बर 1980

निर्देश सं० ए० आर० ए०पी० 351/80-81—

अतः मुझे ए० एच० तेजाले

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कह गया है), की धारा 269-ब के अधीन नज़म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० 1000 प्लॉट नं० 1163 है तथा जो मुलुड में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-1-80 विलेख नं० आर० 3606/72

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य न उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मनसूखलाल मगनलाल व्होरा, वाडिलाल मगनलाल व्होरा। (अन्तरक)

2. द नव सूर्यप्रभा को० प्रोप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धांधले:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० आर० 3606/72 बम्बई उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 16-1-80 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० एच० तेजाले  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज III, बम्बई

तारीख: 3-9-80  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 अगस्त 1980

निदेश नं० आर०-148 अर्जन—अतः मुझे अमरसिंह बिसेन प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मो० गडरियान नजीबाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नजीबाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-1-1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी धाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति कलावती देवी (अन्तरक)
2. श्री रईस अहमद खान व श्रीमति रफतफातमा (अन्तरिती)
3. श्रीमति संतोषकुमारी, रमेश, मुरेश चन्द्रा मोहनलाल व केशागण (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मान मय इमारत दुकान व जमीन बाके मोहल्ला गडरियान स्टेशन रोड शहर नजीबाबाद जिला बिजनौर तथा वह सारी संपत्ति जो 37-जी फार्म संख्या 157 व सेलडीड में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजि० नजीबाबाद के कार्यालय में दिनांक 22-1-1980 को हो चुका है।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 11-8-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 जुलाई 1980

निर्देश सं० पी-8/अर्जन—अमुक्षे, अमरसिंह ब्रिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट 113-डी सिविल स्टेशन तथा मकान नं० 23-डी पुराना है तथा जो नम्बर 35 (थाने हिल रोड इलाहाबाद) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-3-80 को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री प्रताप कुमार बुद्धवार व प्रदीप बुद्धवार (अन्तरक)
2. श्री शरदकुमार वाषणेय, मनोज कुमार (अन्तरिती)
3. श्री विकेयता एवं श्री बी० के० श्रीवास्तव (किरायेदार) (वह व्यक्ति, जिसके अधिधोग में सम्पत्ति है)।
4. श्री श्रीमती, कुमारी त्रिकेता (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भवन नं० 23-डी पुराना (नया नं० 35) स्थित थाने हिल रोड, इलाहाबाद तथा (2) प्लॉट नं० 113-डी सिविल स्टेशन, इलाहाबाद, क्षेत्रफल 3002 वर्गगज (2510 वर्गमीटर) तथा वह सारी सम्पत्ति जिसका वर्णन सेलडीड एवं फार्म 37-जी संख्या 1470 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 31-3-1980 को हो चुका है।

अमर सिंह ब्रिसेन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज लखनऊ

तारीख : 11-7-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 अगस्त 1980

निर्देश सं० एम-115/अर्जन—अन. मुझे, अमरसिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी प्लॉट संख्या बी०-929 है तथा जो महानगर लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-2-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उममे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के नीचे निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वेद कुमारी अरोगा (अन्तरक)

2. श्रीमति मनोरमा खन्ना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आराजी आबादी प्लॉट नं० 929 क्षेत्रफल 5508 वर्गफीट स्थित महानगर हाउसिंग स्कीम महानगर लखनऊ व बहू सारी सम्पत्ति जो फार्म संख्या 37 जी नं० 1013 एवं मेलडीड में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 18-2-1980 को हो चुका है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 22-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 सितम्बर 1980

निर्देश सं० एम-116/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह ब्रिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 14 है तथा जो मो० सरायखालसा मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत्, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति सरलावाही श्रीराकेशवाही शरद वाही कु० मन्जू वाही कु० अलकावाही (अन्तरक)
2. श्रीमति माधुरी देवी अग्रवाल कैलाश नाथ अग्रवाल (अन्तरितों)
3. उपरोक्त अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्थकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्वय में दिया गया है ।

अनुसूची

श्री आराजी प्लॉट नं० 14 आराजी 140.48 वर्गमीटर स्थित मोहल्ला सराय खालसा सिविल लाइन्स मुरादाबाद व वह सारी सम्पत्ति जो फार्म 37 जी संख्या 426/80 व सेलडीड में वर्णित है जिनका रजिस्ट्रार सब रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 29-2-1980 को हो चुका ।

अमर सिंह ब्रिसेन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख 1-9-1980  
मोहर :

प्रारूप आर्क्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 गितम्बर 1980

निदेश सं० एस-183/अर्जन—अनः मुखे अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी संख्या 11, महात्मा गांधी मार्ग, है तथा जो लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-1-1980।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सापेक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

9-266 GI/80

1. मेजर जनरल इनायत हबीब उल्लाह तथा शेर अली बहादुर हबीब उल्लाह (अन्तरक)

2 (1) सी० बी० लाल (2) श्रीमति सन्त कुमारी (3) मास्टर मोहित (4) मास्टर मुदित (5) मास्टर शोबित (7) श्रवण कुमार गुप्ता (7) श्रीमति करुणा गुप्ता, (8) मास्टर राम अनुज (9) मास्टर बलराम अनुज (10) राम किशोर गुप्ता (11) श्रीमति मोनी गुप्ता (12) अनिल कुमार गुप्ता (13) श्रीमति उमा गुप्ता (14) मास्टर भारत कुमार (15) आशोक कुमार गुप्ता (16) श्रीमति पुष्पा गुप्ता (17) मास्टर राम अनुज (18) केमरी कुमार गुप्ता (19) श्रीमति प्रेम सता गुप्ता (20) मास्टर विजय कुमार गुप्ता (21) मास्टर अजय कुमार गुप्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भवन एवं भूमि का भाग क्षेत्रफल 2078.44 वर्ग मीटर स्थित सं० 11, महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ तथा वह सारी सम्पत्ति जो सेलडी तथा फार्म 37-जी संख्या 396/80 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 9-1-1980 को हो चुका है।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 12-9-1980।

मोहर:

प्रश्न नं० टी० एन० एम० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
मास्त परकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 अगस्त 1980

निदेश सं० 13 अर्जन/79-80 जालौन—अत, मुझे, बी०  
सी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिनकी सं० कृषि भूमि है तथा जो मौजा टिमरो में स्थित  
है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय उर्ई (जालौन) में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 9-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरको (अंतरको) और अन्तरिता  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उद्योग किया गया  
प्रमाण से निम्नलिखित उद्देश्य से सक्षम अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरता में उर्ई निजी भाग हो राजन, उक्त अधि-  
नियम के अधीन 1961 का अधिनियम के अधिनियम अन्तर्गत  
करन या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

1 श्री हरिनाम सिंह पुत्र श्री डिल्लायनी सा० टिमरो पर०  
उर्ई जि० जालौन। (अन्तरको)

2 श्री प्रसूदयाल व श्री प्रताप सिंह पुत्रगण श्री नाथराम सा०  
कुसमिनिया, पर० उर्ई जि० जालौन। (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए अभ्यवहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
15 दिन की अवधि में अन्तरण व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भाग्य  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित  
में लिए जा सकें।

संशोधक —उपरोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि जो मौजा टिमरो पर० उर्ई जिला जालौन में स्थित  
है जो कि 24000/- रु० में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 6-8-1980  
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 अगस्त 1980

निदेश 1716-ए/रूडकी/79-80—अतः, मुझे, श्री० मो० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिगकीनं० भूभाग है तथा जो पुरानी तह० में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय रुडकी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-1-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उज्ज्वारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री प्रक्षय कुमार जैन पुत्र श्री स्व० ज्ञा० सुन्दरलाल जैन, निवासी पुरानी तह० रुडकी, सहारनपुर। (अन्तरक)

2. श्री सुनील लाल पुत्र श्री रोचौराम, निवासी ग्राम वप्तान मानरी डा० गढोगा तह० नारायण गढ़ज दिना अम्बाला। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए का वाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक बड़ा दो भाग किता अहाता कुल क्षेत्रफल 1955 वर्ग फुट होता है भूजान नम्बर 252 स्थित पुरानी तह० रुडकी जिला सहारनपुर में स्थित है। जो कि 35000 रु० में बेचा गया है।

श्री० मो० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 2-8-1980  
मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 अगस्त 1980

निदेश सं० 1717-ए/रूडकी/79—80—अत. मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिनकी सं० मकान है तथा जो पुरानी तह० में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय रूडकी में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-1-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

1. श्री अमर कुमार जैन पुत्र श्री स्व० ला० सुन्दर लाल जैन निवासी पुराना तह० रूडकी सहारनपुर (अन्तरक)

2. श्री श्रीमती शकुन्तला रानी पत्नी श्री श्रीराम निवासी रामनगर कालीना हाइड्रिक सब स्टेशन के निवृत्त रामनगर कालीना रूडकी, सहारनपुर (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग अंग एक किता अहाता उत्तर मुहाना जिसका कुल क्षेत्रफल 1955 वर्गफुट है मकान नं० 262 स्थित पुरानी तह० रूडकी सहारनपुर में स्थित है। जोकि 35000 रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, कानपुर

तारीख 2-8-1980  
मोहर :

प्रकृष आर्ई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1623 देवबन्द/79-80--अत मुझे बी० सी०  
चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

आर्गनिसी सं० 10/272 व 273 मकान है तथा जो टाकान  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय देवबन्द में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम  
तारीख 14-1-1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दायता उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्री अश्विन मार पुत्र श्री निधान हुसैन व अश्विन  
कानन पुत्र श्री अश्विन मार निवास देवबन्द मो० टाकान  
मो० आर्गनिसी सहायनपुर

(अन्तरक)

2. श्री अजयसूर्य रामगण पुत्र श्री कृष्णना निवास ग्राम  
बहेडे जिला मुजफ्फरनगर हाथ देवबन्द मो० टाकान नम्बर  
10/272 व 273 जिला सहायनपुर (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्थकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 10/272 व 273 मोहल्ला टाकान  
कस्बा देवबन्द जिला सहायनपुर में स्थित है जो कि 40,000 में बेचा  
गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 2-8-1980

मोहर :

## प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
130 (1) के अन्तर्गत सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, काठपुर

काठपुर, दिनांक 12 अगस्त 1980

निदेश सं० 1797-ए/हरिद्वार/79-80-9त. मुझे  
बा० मा० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्यावर सम्पत्ति ब्रितिका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसका सं० भूमि है तथा जो अहमदपुर में स्थित है  
(और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी का कार्यालय हरिद्वार में रजिस्ट्रीकरण,  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम तारख  
28-1-1980

यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया  
जाया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
अभिव्यक्ति में कम कर देने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. बा० मा० चतुर्वेदी, अग्रणी पुरा और आभारास व  
पुष्पेन्द्र कुमार वेद कुमार पुरा और अग्रणी निवास: 28  
आईएम राजिन्दाबाद (अन्तरक)

2. सं० हरजत सिंह, गजेन्द्र सिंह, अजय सिंह पुत्र और सन्त  
सिंह, गजेन्द्र पाल सिंह पुत्र हरजीत सिंह निवास: अग्रणी रोड,  
सहारनपुर (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
बड़ा अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि खण्ड 21/5 एकड़ यात्रा, 49898 वर्ग फुट अक्षरा  
673, 674, 675, ग्राम अहमदपुर निकट हरिद्वार जिला सहारनपुर  
में स्थित है तथा जो 2,00,000/— रुपये का बेचा गया।

बा० मा० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
'सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण'  
अर्जुन रेज काठपुर

तारीख 12-8-1980।  
मोहर:

प्ररूप बाईं टी० एन० एम०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 अगस्त 1980

निदेश नं० टी० आर० नं० 883/अर्जन/अलीगढ़/79-80  
अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेद,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह दिश्याम करने  
का कारण है कि बाजार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान 9/75 है तथा जो छिपेटी अलीगढ़ में  
स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रारद्वारा अधिकांश के राजस्व अलीगढ़ में, रजिस्ट्रार-  
द्वारा अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
28-1-1980  
में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के लब्ध संचित से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
में उक्त अन्तर लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं  
गया है।

(क) अन्तरक में हुई किसी आय का बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के प्रसूचन  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रघुवीर प्रताप गुप्ता पुत्र श्री राधादेव सेठ शिव  
प्रताप स्वयं और श्रीमति सुवर्णा देवी आनी देवी सुरेश गुप्त, तब  
वर्तमान में पुत्र श्री अर्जुन गुप्ता, बिन्दु गुप्ता और हरिमोहन  
मो० बुडियाबाग अलीगढ़

(अन्तरक)

2. श्रीमति राजेन्द्र कुमार वर्गसे पुत्र स्व० बाबाबाला जं  
निवास 9/3 कटरा अलीगढ़

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए निर्देशित करने है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की अवधि या तत्संबन्धी कथितियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी थकी बा  
में समाप्त होगी हो के भीतर पूर्वोक्त सम्पत्ति में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति पर हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोक्षितरी के  
पाप लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रकृतियों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 9/75 मो० छिपेटी मोदी खान  
अलीगढ़ में स्थित है जिसका रकबा 294, 12 वर्ग मीटर है जो कि  
45,000/- रु० का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
मक्षम प्राधिकारी  
महायुक्त आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 12-8-1980।  
मोहरः

प्रमाण आर्द्ध० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 अगस्त 1980

निदेश सं० 958 अर्जन/फरुखाबाद/79—80—प्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अधिनियम के अधीन में अस्तित्व में रखा नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यह; उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति रामकौर पत्नी श्री रामलाल व अमरीक लाल पुत्र श्री राम लाल गड कोहना फरुखाबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमति प्रमिला छावड़ा विश्रवा पत्नी मोहनलाल रेलवे रोड, फरुखाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के तत्पश्चात् प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पाए लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक किता इमारत जिसमें एक कोठरी बनी है जिसका क्षेत्रफल 410 वर्ग मीटर है जो कि बांके मोजा गढ़ी नवाब-न्यामतखा फरुखाबाद में स्थित है तथा एक किता अराजी भूमि जिसमें चन्द्र पखान पात है जिसका रकबा 4.15 वर्ग गज है जो कि कुल 50000 रु० में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी

मक्षम प्राधिकारी

(महायुक्त आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 12-8-80।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 मितम्बर 1980

निदेश सं० 1758-ए/मेर/80—80—अतः मुझे बी० सी०  
चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसको सं० मकान तथा जो सफेट मेरठ  
में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम  
तारीख 23-1-1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—266 GI/80

1. श्रीमति कृष्णामूर्ति पत्नि श्री कैलाश चन्द्र नरेश चन्द्र शर्मा व  
दिनेश चन्द्र व योगेन्द्र चन्द्र शर्मा पुत्र० स्व० श्री शर्मा चन्द्र निवासी  
ब्रह्मपुरी मेरठ (अन्तरक)

2. श्री शैलेन्द्र त्यागी व सत्येन्द्र त्यागी पुत्र गण एम०  
एम० त्यागी निवासी देहली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक मकान मय आराजी तहनी रकबई 2000 दो हजार गज  
तम्बरो प्लाट के 44 बा० साकेत मेरठ में स्थित है जो कि  
1,60,000/— में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 5-9-1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 5 सितम्बर 1980

निदेश सं० 1764-ए/मिरठ/79-80—अनः मुझे बी०  
सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसका सं० मकान है तथा जो रामबाग सूरज कुन्ड में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
18-1-1980 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति पुष्पा लता उपनाम पुष्पा देवी धर्म पत्नी श्री  
कृष्ण गोपाल निवासी 35/25 मोहनलाल जालमापाड़ा शहर मेरठ  
(अन्तरक)

2. श्री नरेंद्र कुमार महाजन पुत्र श्री चरणदाम निवासी 154/5  
देवी नगर सूरजकुन्ड रोड मेरठ नगर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है ही  
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक अर्द्ध मकान नं० 174 नए नीचे भूमि 365 वर्ग  
मुगज बाक्य रामबाग सूरज कुन्ड रोड मेरठ नगर वर्तमान नं०  
175 बिल्ड में है जो कि 37500 रु० में बेचा गया है ।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम अधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 5-9-80  
मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अगस्त 1980

निदेश सं० 1657-ए/गाजियाबाद 79-80-अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 61 कृषि भूमि है तथा जो तिलताबाद में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-1-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित रूप से व्यक्त किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मूल चन्द्र सरनी, राम सरन पुत्र श्री नैनू व लिखा राम पुत्र शशि राम नि० गेन्फा तिलपताबाद तह० दादरी (गाजियाबाद) । (अन्तरक)

2. धर्म प्रतिष्ठान बंगलौर ई० 9, डिफेंस कालोनी न्यू देहली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 61/4113 पुखता लगानी 21.4 गेन्फा तिलपताबाद तह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख 14-8-80।

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अगस्त 1980

निदेश सं० 1659-ए/गाजियाबाद/79-80—अतः मुझे  
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 57 कृषि भूमि है तथा जो गेन्का तिलपताबाद में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रार/कर्मि अधिकारी के कार्यालय दादरी में, रजिस्ट्रार/करण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
14-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री मूसे, हुली खाँ, कामम, पुत्र अर्जुनमुल्ला व अर्जुमरी  
पुत्र छातरे अल्ला राजा पुत्र शमशेर निवास, गेन्का तिलपताबाद  
तह० दादरी (गाजियाबाद)

(अन्तरक)

2. धर्म प्रतिष्ठान बगलौर ई० 9 डिफेन्स कालोनी न्यू  
देहली द्वारा मन्तशेरगिल

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

कृषि भूमि 56/1113/ल० 77, 60 पै० गेन्का तिलपताबाद  
तह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है जो कि 16830 रु०  
बचे गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 14-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री मूँ, हुलाखा, गामम पुत्र अजीमुल्ला निवासी गेन्फा तिलपताबाद तह० दादरा (गार्जियाबाद)।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. धर्म प्रतिष्ठान बगलौर ई० 9 डिसेम्बर कालोनी न्यू देहली द्वारा सन्तशेरगिल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अगस्त 1980

निदेश सं० 1658-ए/गार्जियाबाद/79-80-अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 62 कृषि भूमि है तथा जो गेन्फा तिलपताबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय दादरा में, रजिस्ट्रार कर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-1-80

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिभूमि 62/41111/नगाना 22—20 सालानगेबा तिलपताबाद तह० दादरा जिला गार्जियाबाद में स्थित है जो कि 40960 रु० में बेचा गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी;

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 14-8-1980।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1620-ए/देवबन्द/79-80—अतः मुझे,  
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन मञ्जन प्राधिकारी को, यह विश्वास करो का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो खान आलमपुरा में स्थित  
है (और इससे उपायव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहरनपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
10-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी आय की मात्रा, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, व्यक्तियों, निम्नलिखित अर्थात्:—

1. श्री श्याम सिंह पुत्र श्री चौधरी आसा राम तिवारी  
तिकोना कोठी निकट सिविल अस्पताल शहर सहरनपुर।

(अन्तरक)

2. श्री गिरवर सिंह पुत्र श्री नसीब सिंह निवासी ग्राम नल्लेड़ा  
खुर्द डा० चिराऊ छेहड़ा परगाना व नह० देवबन्द जिला सहरन-  
पुर।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में सनाया होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता आराजी प्लाट ताबादी 1500 वर्ग गज खान  
आलमपुरा जिला सहरनपुर में स्थित है तथा जो कि 45,000/-  
रु० में बेचा गया है।

बी सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 14-8-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1695-ए/कानपुर/79-80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो सैनिया में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-1-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरण (प्रकारकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति श्याम कान्ता सेठ पति राम नाथ सेठ मकान नं० 14, 102 ए, सिविल लाइन, कानपुर।

(अन्तरक)

2. श्री रणधीर सिंह रजित सिंह, अमर सिंह पुत्र बाबू राम निवासी तह० ब जिला, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में न प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, सप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 16 III—12 स्थित सैनिया, पर० ब जिला कानपुर में स्थित है जो कि 71336/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अगस्त 1980

निदेश सं० 1745-ए/मेरठ/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिनकी सं० प्लॉट नं० 8 बी है तथा जो मेरठ सूटा कुआ में स्थित है (और इसमें उपाचूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आत्मा राम जैन पुत्र श्री रूप चन्द्र जैन निवासी अशोक नगर इलाहाबाद। (अन्तरक)

2. श्री सतपाल पुत्र श्री गोकुल चन्द निवासी 842 बागपत, मेरठ शहर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

245 दो सौ पैंतालीस वर्ग गज, आराजी अज प्लॉट नम्बर बी० खसरा नं० 1617 बाके कम्बा मेरठ शहर सूटा कुआ कालोनी शम्भू नगर बागपत रोड शहर मेरठ में स्थित है जो कि 17140/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 14-8-1980  
:मोहर

प्ररूप आई० टी० ए० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अगस्त 1980

निदेश सं० 1746-ए/मेरठ/79-80—अतः मुझे, बी०  
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिनकी सं० प्लॉट है तथा जो मेरठ में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध प्रभुत्वों में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 29-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी  
(अन्तरिनियों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय का भाग। उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

11-266GJ/80

1. श्री आत्माराम जैन पुत्र श्री रूप चन्द्र जैन निवासी अशोक  
नगर, इलाहाबाद (अन्तरक)
2. श्रीमति सुदेश पाल धर्मपति श्री सतपाल निवासी 842  
बागपत गेट, मेरठ (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जा के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारणा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक किता प्लॉट नम्बर बी० 8 न० ख० 1617 स्थित कस्बा  
मेरठ मूटा कुम्रा कालोनी शम्भू नगर बागपत रोड शहर मेरठ में  
स्थित है जो कि 16,940 रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 14-8-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अगस्त 1980

निदेश सं० 1679-ए/गाजियाबाद/79-80—अतः मुझे,  
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 61 कृषि भूमि है तथा जो गेन्हा तिलपाताबाद में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
16-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पश्चात् प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
लब्ध पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिध में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम बल बह्म सिंह उमराव निवासी गेन्हा तिलपाता-  
बाद तह० दादरी जिला गाजियाबाद  
(अन्तरक)
2. धर्म प्रतिष्ठान बंगलौर ई० 9, डिफेंस कालोनी न्यू देहली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 59/1II/2 लगानी 7.40 सालाना बाके गेन्हा  
तिलपाताबाद तह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है जो कि  
16320 रु० में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 14-8-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 अगस्त 1980

निदेश सं० 161—ए० बागपत/79-80—अतः मुझे,  
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो जागोसा बांगर में स्थित  
है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बागपत में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
14अ1-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सीताराम पुत्र श्री भागमल उर्फ लालमन निवासी  
जगोस डा० शाबगा पर० कोताना तह० बागपत जिला मेरठ  
(अन्तरक)

2. श्री बाबूराम व ओमपाल सिंह व महीपाल सिंह पुद्गण  
हरनारायण सिंह निवासी शाबगा डा० खास पर० कोताना तह०  
बागपत जिला मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि ख० नं० 259/11-14-8 ल० 85/रुपये सालाना  
बाके जागोस बांगर पर० कोताना तह० बागपत जिला मेरठ में  
स्थित है जो कि 425000 रु० में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 16--8-1980

सोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 अगस्त 1980

निदेश सं० 1632ए०/गाजियाबाद/ 79-80—अतः मुझे,  
बी० सी० चतुर्वेदी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 48 है तथा जो अशोक नगर में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-1-180  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी  
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. मैसर्स महालक्ष्मी लैन्ड एन्ड फार्मिनेन्स कं० प्रा० लि०  
8वीं विन्दल ट्रस्ट बिल्डिंग आसफअली रोड नई देहली द्वारा  
जनरल एटोरनी श्री अशोक कुमार छावड़ा पुत्र श्री देशराज छावड़ा  
निवासी 1 रिंग रोड लाजपत नगर नई देहली ।

(अन्तरक)

2. श्री तेजेन्द्र सिंह भाटिया पुत्र श्री प्रीतम सिंह भाटिया  
निवासी थर्ड डी 121 ए० नेहरू नगर गाजियाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाह्य करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 48 क्षेत्रफल 254-726 वर्ग मीटर स्थित  
नेहरू नगर व प्लॉट नम्बर 48ए० क्षेत्रफल 316—330 वर्ग  
मीटर स्थित अशोक नगर गाजियाबाद में स्थित है जो कि  
41000/— रु० में बेचा गया है ।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1655ए०/गाजियाबाद/79-80---अतः मुझे,  
बी० सी० चतुर्वेदी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है।  
और जिसकी सं० भूमि 60 है तथा जो गेन्ना तिलपताबाद  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची ; और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकांश के कार्यालय दादर,  
में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अनुच्छेद 14 के अन्तर्गत, 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित दृश्य से उक्त अन्तरक लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री जगराम बासिंग व श्रीम प्रकाश नाबालिंग पुत्रगण  
नत्थू बलिव सरधक म० रामप्यार माता स्व० व मथरा  
पुत्र विशेष जि० गेन्ना तिलपताबाद तहसील दादर,  
गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री धर्म प्रतिष्ठानन बंगलौर ई० 9 डिफेंस कालोनी न्यू  
देहली द्वारा सन्तशेर गिल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माधेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अमरसूची

60/31/2 लगाने 15.45 सालाना गेन्ना तिलपताबाद  
तहसील दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है जो कि  
34170 रु० में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक: 14-8-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1637/ए०/मेर/79-80—अतः मुझे बी० सं० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसको सं० गृह सम्पत्ति है तथा जो कैलाशपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11 जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री निवास गुप्ता पुत्र श्री चिरंजि लाल निवासी कैलाशपुरा मेरठ।

(अन्तरक)

2. श्री कुदय सिंह पुत्र श्री हरपाल सिंह ग्राम मुबारकपुर मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताखती के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता अहाता क्षेत्रफल 600 वर्गगज कैलाशपुरा मेरठ में स्थित है तथा जो 24000 रु० का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 16-8-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एल०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1654-ए०/गाजियाबाद/79-80—अतः मुझे  
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिनकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गेन्फा तिलपताबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरा,  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक 14 जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामबल हुलन सिंह पुत्र श्री उमराव निवासी  
गेन्फा तिलपताबाद तहसील दादरा जिला गाजिया-  
बाद ।

(अन्तरक)

2. श्री धर्म प्रतिष्ठानत बगलौर ई० डिफेन्स कालोनी  
न्यू देहली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि 59/2112/लगानों 7.40 खालानागेआ तिलपता-  
बाद तहसील दादरा जिला गाजियाबाद में स्थित है जो कि  
16320 रु० में बेची गई है ।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 14-8-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1772-ए०/कानपुर/79-80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसका स० प्लॉट है तथा जो मो० पेच खुरजेगढ़ में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार कार्यालय के कार्यालय हापुड़ में रजिस्ट्रार करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9 जनवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कान्ति प्रसाद शर्मा पुत्र श्री भगवत प्रसादशर्मा, निवासी 16 चाहुकमाल हापुड़ व आशाराम पुत्र श्री चन्द्र निवासी 37 आर्यनगर हापुड़ मुहत्तार ग्राम मिर्जानिव श्री रतनलाल गोयनका पुत्र श्री तुला राम गोयनका नि० 63 डी० कलकत्ता 40 व श्रीगोपाल गोयनका पुत्र श्री मुसालाल गोयनका व श्रीमती गुलाब देवी गोयनका बेवा देवकानन्दन गोयनका नि० कलकत्ता 53। (अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र कुमर पुत्र श्री सुरेश चन्द्र निवासी मो० बिल्डिंग निहालचन्द्र अण्डी रोड़ हापुड़ जिला गाजियाबाद। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धांधल:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल एक मात्र भूमि नाप में 520 वर्ग फुट स्थित मो० पेच खुरजेगढ़ रोड़ हापुड़ जिला गाजियाबाद में स्थित है। जो कि 44266 में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण  
अर्जन रेंज न

दिनांक: 30-8-1980  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,

कानपुर, दिनांक 29 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1665-ए०/गाजियाबाद/79-80—अतः मुझे,  
बी० सी० चतुर्वेदी,  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो सूर्य नगर में स्थित है  
और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दादरी में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
9 जनवरी 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है,  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—266GI/80

1. श्री अमृत सहगल पुत्र श्री देशराज सहगल निवासी  
8/53 जंगपुरा एक्सटेंशन न्यू देहली।

(अन्तरक)

2. श्रीमता बिमला मेहरा पत्नी श्री प्रकाश चन्द्र मेहरा  
निवासी 20-ए० राजपुरा रोड देहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक किता प्लॉट नं० 21 ब्लाक जो कान्तापुरी कालोनी  
बुर्जमनगर नहसील दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है जो  
कि 60,000 रु० में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 29-8-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1633-ए०/गांजयाबाद/79-80—अत मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य और जिसकी सं० नं० 141 है तथा जो माडल टाउन पूर्वी गांजयाबाद में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9 जनवरी 1980।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मित्र सैन जैन पुत्र श्री लाला प्रेमसुन्दरदास जैन निवासी 144 गांधी नगर, गाजियाबाद।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रकाशवती पत्नी श्री मोती लाल निवासी विकास नगर देहरादून जिला देहरादून।  
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

सम्पत्ति सिटी बोर्ड नं० 141 क्षेत्रफल 405 वर्ग मीटर स्थित माडल टाउन पूर्वी गाजियाबाद में स्थित है जोकि 45000 रु० में ब्रेका गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, कानपुर,

दिनांक: 29-8-1980  
मोहर:

प्ररूप आइ. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,

कानपुर, दिनांक 14 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1656/ए०/गाजियाबाद/79-80—अतः मुझे  
बी० सी० चतुर्वेदी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 53 है तथा जो गेन्फा तिलपतवादा  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दावरी  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक 14 जनवरी 1980।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

1. श्रीदा पुत्र श्री लिकबी निवासी गेन्फा तिलपतवादा  
(अन्तरक)

2. धर्मप्रतिष्ठानम् बंगलौर ई० डिफेंस कालोनी न्यू  
देहली द्वारा संतरो रगिल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

नवसूची

भूमि सं० 53 लगानी 12.25 सालाना गेन्फा तिलपतवा-  
दा तह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है जो कि  
27030 रु० बेची गयी है।

बी० सी० चतुर्वेदी;  
सक्षम प्राधिकारी,  
(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 14-8-80  
मोहर:।

## प्रकरण आई० टी० एच० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1677/ए०/दादरी/79-80—अतः मुझे बी० सी०  
चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 61 है तथा जो गेंडा तिलपताबाद में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
16 जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम का धनकर अधि-  
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

1. श्री मूलचन्द्र व सरनी वाली व रामसरन व वाली  
संरक्षक मूलचन्द्र भाई हकीमी पुत्रगण नैम व लिखी-  
राम पुत्र शशोराम निवासी गेंडा तिलपताबाद तह०  
दादरी गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. धर्म प्रतिष्ठान बंगलौर ई० 9 डिफेन्स कालोनी  
न्यू देहली द्वारा संतशेर गिल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों को  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 61/4113/लगानी 21-45 सालाना गेंडा  
तिलपताबाद तह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित हैं  
जो कि 4730 रु० में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 14-8-1980

मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 सितम्बर 1980

निर्देश सं० 1666ए०/गाजियाबाद/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सिनेमा है तथा जो गढ़ मुक्तेश्वर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गढ़ मुक्तेश्वर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के आयस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स कपिल थियेटर गढ़मुक्तेश्वर रजि० पार्टनरशिप कन्सर्न फर्म बजरिये पार्टनरस कर्नल कपिल देव शर्मा रिटायर्ड पुत्र श्री देवदत्त शर्मा बजाते खुद व अहैसियत म० ग्राम और से श्री उमेश शर्मा पुत्र श्री स्व० नि० सतीश बिल्डिंग हिपी बि-टैक मेरठ सीताराम शर्मापुत्र श्री रामदास शर्मा, विनेश चन्द्र शर्मा पुत्र श्री बनवारी लाल शर्मा व बसुदेव भारद्वाज पुत्र श्री रंजीत सिंह नि० क्रमशः गढ़मुक्तेश्वर व, सोनीपत हरियाणा खरीददार/

(अन्तरक)

2. मेसर्स गुरसरन पलेस देहली रजि० फर्म जरिए पार्टनर सरदार सुरेन्द्र सिंह व अमर पाल सिंह पुत्र श्री उत्तम सिंह कावली नि० 10/12 गुरु गोविन्द सिंह मार्ग नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्ताधारी के प्राप्त लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सिनेमा हाल विख्यात कपिल थियेटर गढ़ मुक्तेश्वर जिसका कुलरकवा 2763 मु० गज है पार्टएन्ड पार्सल खसरा नम्बर 295/2 गाजियाबाद में स्थित है जोकि 25000 रु० में बेचा गया है ।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,  
अर्जुन रेंज, कानपुर;

दिनांक: 5-9-1980  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० 1744/ए०/मेरठ/79-80—अतः मुझे बी०  
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० बी० 7 है तथा जो औरंगशहपुर  
में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक 15 जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सवित्री देवी गोयल धर्म पत्नी श्री के०  
सी० गोयल निवासी तू०-31 पंचशील पार्क नई  
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बनास देवी पत्नी श्री रामेश्वर दयाल गोयल  
81 गोयल भवन राजेन्द्र नगर शहर मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
हिसा अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1000 मुरब्बा गज आराजी माखफ प्लॉट नं० बी० 7  
बाके मौजा औरंग शाह पुर डीगीपरगनाब तह० व जिला  
मेरठ में स्थित है जो कि 40,000 रु० में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 10-9-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० 1635-ए०/मेरठ/79-80—अतः मुझे बी०

सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० है तथा जो कचहरी रोड़ मेरठ में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 15 जनवरी, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य के उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित  
किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या हिस्सी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,  
अर्थात् :—

1. श्री विवेक नाथ चौधरी पुत्र श्री नरेन्द्र नाथ चौधरी  
निवासी ग्राम माधरा तह० मवाना जिला मेरठ  
(अन्तरक)

2. श्रीमती संतोष कुमारी उर्फ विनोद कुमार पत्नी  
प्रेमनाथ सिंह निवासी 275 उत्तम वाटिका वेस्टर्न  
कचहरी रोड़ मेरठ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता जायदाद जो कि 300 1/9 मुरब्बागंज  
आराजी बाके अन्दम अहाता कोठी उत्तम वाटिका वेस्टर्न  
कचहरी रोड़ मेरठ शहर में स्थित है जो कि 35000-रु०  
में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 10-9-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० टी० आर० नं० /947/मथुरा/79-80—अतः  
मुख्य, बी० सी० चतुर्वेदी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिसको सं० प्लॉट है तथा जो वृन्दावन में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में रजि  
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) में, अधीन  
दिनांक 11 जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुख्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिये; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती विद्यावती देवी पत्नी श्री मत्स्य ना  
निवासी रमनरहेटी वृन्दावन तह० मथुरा।  
(अन्तरक)
2. स्वामी हरगोविन्द पुत्र श्यामलाल जी निवासी  
दोसाघाट वृन्दावन तह० मथुरा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट भूमि बाके वृन्दावन बागेर नम्बरी खसरा नं०  
116 क्षेत्रफल 1-46 1/2 कि 6000 वर्गमीटर नम्बरी  
535 बाटर रेट नं० मथुरा में स्थित है जो कि 125000/-  
र० में बेची गई हैं।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण,  
अर्जुन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 10-9-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० टी० आर० नं० 879/अर्जन/आगरा—अतः, मुझे,  
बी० सी० चतुर्वेदी,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो भोगीपुर मोहल में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 18 जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उतसे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्-  
सरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—266 GI/80

1. श्री बृजलाल भोगा वकील पुत्र श्री लाला खुशीराम  
भोगा निवासी आदर्श नगर हाल सोरी कटरी शाह-  
गंज आगरा।

(अन्तरक)

2. श्री सत्य प्रकाश शर्मा पुत्र श्री बैनी प्रसाद शर्मा  
व श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा पुत्र श्री लोचन प्रसाद  
शर्मा निवासी सोरी कटरी शाहगंज आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० पुराना 1018/101 व नया  
15/130 बाके भोगीपुरा मुहाल मीरसाहब अली पट्टी  
जुगलकिशोर लोदामंडी बाई० प० व० जिला आगरा में स्थित  
है जो कि 65000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण,

अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 10-9-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 सितम्बर 1980

निर्देश सं० टी० आर० नं० 876-अर्जन/79-80 हापुड़—

अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० भूमि है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाय अन्तर्गामी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एतमदपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18 जनवरी 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री छेदीनाल उर्फ राम प्रकाश पुत्र श्री चरण सिंह व मुकेश कुमार उर्फ मुकेश पुत्र श्री चरण सिंह निवासी इरादत नगर डा० खास तह० खेरागढ़ जिला आगरा।

(अन्तरक)

2. श्री इन्द्र सिंह पुत्र श्री माधोसिंह व तोतीलाल व डालचन्द्र पुत्रगण श्री हेतराम व रामसिंह पुत्र श्री बरलीराम व बूजेश कुमार पुत्र श्री लखमीचन्द्र व हरिप्रोम व पुत्र बाके मौजा व डा० मुख्तार तह० एतमदपुर जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

कृषि भूमि बाके मौजा मुख्तार तह० एतमदपुर जिला अलीगढ़ में स्थित है जो कि 63000/- रु० में बेची गयी है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर,

दिनांक: 4-9-1980  
मोहर:

प्ररूप आई. डी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० टी० आर० नं० 882-अर्जन/फिरोजाबाद/79-80--

अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम मुखमलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23 जनवरी, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किता जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री रामगोपाल मित्तल पुत्र श्री लाला गौरी शंकर मित्तल निवासी कोटला स्टेशन रोड़ फिरोजाबाद।  
(अन्तरक)

2. जनता सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड फिरोजाबाद द्वारा श्री हेमचन्द्र अग्रवाल सचिव उपरोक्त समिति पुत्र श्री रामेश्वर दयाल नि० जलसरे रोड़ कस्बा फिरोजाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्राम मुखमलपुर निजामाबाद तहसील फिरोजाबाद जो खसरा नम्बर 628 में से 16000 वर्ग फीट है जो 40,000/रु० में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 10-9-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 सितम्बर 1980

निर्देश सं० टी० आर० नं०/878-अर्जन/आगरा/79-80—

अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 175 है तथा जो जयपुर हाउस  
आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 22 जनवरी, 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री राजकुमार छाबड़ा पुत्र श्री हरबंसलाल  
छाबड़ा टी० 28 जयपुर हाउस लोहामन्डी, आगरा।  
(अन्तरक)

2. श्री विशेषरलाल पुत्र श्री जयगोपाल दास जी व  
श्रीमती शीला देवी उपनाम शीला रानी पत्नी श्री  
विशेषरलाल निवसियान 88 नेहरू नगर आगरा  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक किता प्लॉट संख्या 175 बाके जयपुर हाउस लो०  
बा० आगरा रकबई 572 वर्गगज यानी 478.192 वर्ग  
मीटर पर निर्मित है जो कि 65000/रु० में बेची गयी  
है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर,

दिनांक: 4-9-1980  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन्० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 8 अगस्त 1980

निर्देश सं० III-432/अर्जन/80-81—अतः, सुझे, ज्योतीन्द्र नाथ, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन, परिक्षेत्र बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 11 (पुराना) 18 (नया) थाना नं० 4 प्लॉट नं० 84 ए इत्यादि है, तथा जो राजेन्द्र नगर रोड़ नं० 2 पटना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 जनवरी, 1980।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री गोपी कृष्ण मिन्हा बलद स्व० बाबू इश्वरी प्र० मिह हालमोकान, महल्ला काग्रेस मैदान, कमवकुआ पटना-3।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुशीला देवी पत्नी श्री नाल जी प्रसाद मोहल्ला जगत नारायण रोड़, कदमकुआ पटना-3।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का रकबा 3 कठ्ठा 3 धूर 13 धूरकी जो माहल्ला राजेन्द्र नगर रोड़ नं० 2 पटना में स्थित है तथा पूर्णरूप से वसिका नम्बर 103 दिनांक 16-1-80 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धन पदाधिकारी पटना द्वारा की गई है।

ज्योतीन्द्र नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना।

दिनांक : 8-8-1980

मोहर:

**प्रकरण आई०टी०एन०एस०-----**

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 8 अगस्त 1980

निर्देश सं०-III 433/अर्जन/80-81—अतः, मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० तौजी नं० 14/805 खाता नं० 125, खसरा नं० 1061 बाई नं० 34 रॉकिल नं० 246 है, तथा जो दुगरा (बोरिंग कनाल रोड़) पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18 जनवरी 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. डा० शिला शरण पत्नी डा० गोपाल शरण रोड़ नं० 12  
राजेन्द्र नगर, पटना-16

(अन्तरक)

2. श्री हरनाम दास भानकानी वल्द ईश्वर दास निवासी-  
बोरींग रोड़ पटना-1।

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

जमीन का रकबा 3.41 कठ्ठा जो मौजा बुजरा (बोरींग कनाल रोड़) पटना में स्थित है तथा पूर्णरूप से वासिका नं० 161 दिनांक 18-1-1980 में वर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधन पदाधिकारी पटना के द्वारा की गई है।

ज्योतीन्द्र नाथ,  
सक्षम पदाधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना,

दिनांक : 8-8-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना, बिहार

पटना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निर्देश सं० IV-438/अर्जन/80-81—अन: मुझे, ज्योतीन्द्र  
नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० जमाबान्डी नं० 21/2858 सेटलमेंट प्लाट  
नं० 275, टाऊन प्लान प्लाट नं० 70 और 1/2 का 71  
मौजा बरमसीया तालुक रोहनी नाराफ रूपसागर देवघर  
(संथाल प्रगना) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 17 जनवरी, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(प्रश्नकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाता चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती स्मृतीकाना मित्रा 18/2 बेबीगंज सरकुपर  
रोड, कलकत्ता।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री (i) राम कृष्ण अग्रवाल (ii) वामुदेव अग्रवाल  
(iii) लक्ष्मी नारायण अग्रवाल (iv) रतन लाल  
अग्रवाल ( ) लक्ष्मी कुमार अग्रवाल सा० जुगमल  
टाटानगर, बिहार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 1 बीघा 15 कट्ठा 10 छटांक मकान "स्मृति"  
सहित जो मौजा बरमसीया, तालुक रोहनी थाना देवघर  
संथाल प्रगना में स्थित है जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या  
I-303 दिनांक 17-1-1980 में वर्णित है तथा जिसका  
निबंधन रजिस्ट्रार आफ इन्सोरेन्स द्वारा हुई है।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक: 11-9-1980  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निर्देश सं०- I 439/अर्जन/80-81—अतः मुझे, ज्योतीन्द्र  
नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खाता नं० 69 और 7 प्लॉट नं० 1363  
और 1262 इत्यादि है, तथा जो मौजा-दुमडहा थाना गोविन्द  
पुर जिला धनबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 15 जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
कार्यस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
का लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री बीनो बरमन, धनबाद मंत्रालय एवं थाना-धनबाद ।  
(अन्तरक)

2. मैसर्स केडीया फोरिंग एण्ड इन्जीनियरींग वर्क्स (प्रा०)  
लिमिटेड, 161/1 महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 1.66 एकड़ जो मौजा दुमडहा थाना  
गोविन्दपुर जिला धनबाद में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से  
वासिका नंबर I-283 दिनांक 15-1-1980 में वर्णित है  
तथा जिसका निबन्धन रजिस्ट्रार आफ इन्स्योरेन्स कलकत्ता में  
की गई है।

ज्योतीन्द्र नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक: 11-9-1980  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निर्देश सं० III 440/अर्जन/80-81—अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० होल्डिंग नं० 349 वार्ड नं० 15, हजारी बाग है, तथा जो हजारीबाग (मालवीया रोड़) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हजारीबाग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14 जनवरी, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

14—266 GI/80

1. श्री जितेन्द्र कुमार मोतीलाल पिता—स्वर्गीय राय साहब डा० नरेन्द्र कुमार मोतीलाल सा०—ब्रह्म बाजार, पोस्ट/जिला—हजारीबाग।

(अन्तरक)

2. श्रीमती हेना राय, पति—श्री शम्भू नाथ राय सा० खलासी मोहल्ला, पोस्ट/थाना—मधुपुर जिला—संथालपरगना।

(अन्तरिती)

3. श्री कामता प्रसाद (किराएदार) सा०—मालवीया रोड़, पोस्ट/जिला—हजारीबाग। (वह व्यक्ति जिसके अधि-योग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का रकबा 566 वर्ग फूट जो कि मालवीया रोड़, हजारीबाग में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 154 दिनांक 14-1-80 में वर्णित है तथा जो जिला-अवर निबन्धक, हजारीबाग द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 11-9-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निर्देश सं० iii 441/अर्जन/80-81—अतः मुझे, ज्योतीन्द्र  
नाथ, ज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिनकी सं० टीजी नं० 3418 थाना नं० 348 खाता  
नं० 82 और 97 खपर नं० 291, 292, 293 है, तथा  
जो मौजा मोकिमपुर वेगुसराय परगना बलिया जिला—एवं  
जिला—वेगुसराय में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय वेगुसराय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 5 मार्च, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राशियाँ प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री विनोदरंजन प्र० सिंह पुत्र नगेश्वर प्रसाद वेगुसराय  
परगना बलिया पो० एवं थाना वेगुसराय जिला-वेगुसराय ।

(अन्तरक)

2. श्री विरेन्द्र सिंह, विशम्बर प्रसाद सिंह पुत्र बनारसी  
प्रसाद सिंह ग्राम एवं पो० डीट परगना मालकी, थाना-  
वरौनी—जिला वेगुसराय ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 2 कट्टा जो मौजा मोकिमपुर वेगुसराय  
में स्थित है । तथा पूर्णतया से वासिका नम्बर 2145 ता०  
5-3-80 में वर्णित है । जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धन  
पदाधिकारी वेगुसराय में हुआ है ।

ज्योतीन्द्र नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना,

दिनांक : 11-9-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निर्देश सं० iii 442/अर्जन/80-81—अतः मुझे ज्योतीन्द्र  
नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० होजी नं० 3418 थाना नं० 348 खाता  
नं० 82 और 97 खसरा नं० 291, 292, 293 है, तथा  
जो मौजा मोकमपुर वेगुसराय परगना बालिया थाना एवं  
जिला वेगुसराय में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय वेगुसराय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 5 मार्च 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

1. श्री परोफूलो रंजन सिन्हा पुत्र नगेश्वर प्रसाद ग्राम वेगु-  
सराय पो० एवं थाना वेगुसराय परगना बालिया जिला-  
वेगुसराय।

(अन्तरक)

2. श्री बिरेंद्र प्रसाद सिंह एवं विष्णुवर प्रसाद सिंह पुत्र  
बनारसी प्रसाद सिंह, ग्राम एवं पंचम बीह परगना—मालकी  
थाना—बरोनी, जिला वेगुसराय।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 2 कट्टा जो मौजा मोकमपुर वेगुसराय  
में स्थित है तथा पूर्णरूप से वासिका नम्बर 2142 दिनांक  
5-3-80 में वर्णित है जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धन  
पदाधिकारी वेगुसराय में हुआ है।

ज्योतीन्द्र नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,  
अर्जन रंज, बिहार पटना,

दिनांक : 11-9-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निर्देश सं० III 443/अर्जन/80-81—अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तौजी नं० 10084 थाना नं० 387 खाता नं० 3 और 24 इत्यादि है, तथा जो मौजा मखदुमपुर, थाना सिलाव जिला नालन्दा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय नालन्दा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक शून्य माह जनवरी 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित:—

1. श्री स्वामी सीताराम शरण जी महाराज चेला स्वामी महंत राम कृपाल शरण जी महाराज महंत जो गदीसीन मंदिर ठाकुर राम जानकी विराजमान मंदिर लक्ष्मण किला अयोध्या थाना बोडा अयोध्या जिला—फैजाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री कुमार इन्द्र जीत सिंह बल्द स्व० श्री चुष्मीलाल, ग्राम मदहर थाना—चनकी पो० मतहर जिला नालन्दा (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 6 एकड़ 33 डेसिमल जो मौजा मखदुमपुर नालन्दा में स्थित है, तथा पूर्णरूप से वसिका नम्बर 110 दिनांक शून्य माह जनवरी 1980 में वर्जित है। जिसका निबंधन जिला अवर निबंधन पदाधिकारी नालन्दा में हुआ है।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना,

दिनांक : 11-9-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना; दिनांक 11 सितम्बर 1980

निर्देश सं० III 144/अर्जन/80-81—अतः मुझे, ज्योतीन्द्र  
नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तौजी नं० 10084 थाना नं० 387 खाता  
नं० 3, 23 और 17 इत्यादि है, तथा जो मौजा-मखदुमपुर  
थाना-सिलाव जिला-नालन्दा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय नालन्दा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक शुन्य माह जनवरी  
1980।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कायम नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री स्वामी सीता राम शरण जी महाराज चेला  
स्व० महंत राम कृपाल शरण जी महाराज मंदिर  
ठाकुर राम जानकी जी विराजमान, लक्ष्मण किला  
अयोध्या थाना अयोध्या जिला—फैजाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री अनिल कुमार पुत्र आफ कुमार इन्द्रजीत सिंह  
ग्राम—मतहर थाना चन्डी पो० मतहर जिला—  
नालन्दा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 4 एकड़ 21 डेसीमल जो मौजा  
मखदुमपुर नालन्दा में स्थित है। तथा पूर्णतया से वासिक  
नम्बर 1094 दिनांक शुन्य माह जनवरी 1980 में वर्जित  
है जिसका निबंधन जिला अवर निबंधन पदाधिकारी नालन्दा  
में हुआ है।

ज्योतीन्द्र नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, बिहार, पटना।

दिनांक: 11-9-1980

मोहर:

प्रारूप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश सं० III/445/अर्जन/80-81—अतः मुझे, ज्योतीन्द्र  
नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तौजी नं० 10084 थाना नं० 387 खाता  
नं० 3 इत्यादि है, तथा जो मौजा मखदुमपुर थाना सिलाव  
जिला नालन्दा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय नालन्दा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक शून्य माह जनवरी 1980।

का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरक को गृह्य है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री स्वामी सीताराम शरण जी महाराज चेला स्व०  
महंत राम कृपाल शरण जी महाराज मंदिर ठाकुर  
राम जानकी, लक्ष्मण किला अयोध्या थाना अयोध्या  
जिला—फैजाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री असंतोष कुमार सिंह पुत्र आफ कुमार इन्द्रजीत  
सिंह ग्राम मतहर थाना ब पो० मतहर थाना चन्डी,  
जिला नालन्दा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 4 एकड़ 84 डेसीमल जो मौजा  
मखदुमपुर नालन्दा में स्थित है। तथा पूर्णतया से वासिका  
नम्बर 10.93 दिनांक शून्य माह जनवरी 1980 में वर्जित  
है जिसका निबंधन जिला अवर निबंधन पदाधिकारी, नालन्दा  
में हुआ है।

ज्योतीन्द्र नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, बिहार, पटना।

दिनांक : 11-9-1980

मोहर :

प्रमाण माह ० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश सं० III/446/अर्जन/80-81—अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० तौजी नं० 110084 थाना नं० 387 खाता नं० 3 इत्यादि है, तथा जो मौजा-मखदुमपुर थाना सिलाव जिला-नालन्दा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय नालन्दा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक शून्य माह जनवरी 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री स्वामी सीता राम शरण जी महाराज चेला स्व० मंहत रामरूपाल शरण जी महाराज गद्दीसिन मंदीर ठाकुर राम जानकी जी विराजमान मंदिर लक्ष्मण किला अयोध्या थाना अयोध्या जिला फैजाबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शांति सिंह जैजे कुमार इन्द्रजीत सिंह ग्राम मतहर थाना चान्की पो० मतहर जिला नालन्दा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित से किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 4 ऐकड़ 64 डीसमल जो मौजा मखदुमपुर नालन्दा में स्थित है। तथा पूर्णरूप से वासिका नम्बर 1096 दिनांक शून्य माह जनवरी 1980 में वर्जित है। जिसका निबधन जिला अवसर पदाधिकारी नालन्दा में हुआ है।

ज्योतीन्द्र नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना।

दिनांक: 11-9-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, पटना

पटना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निर्देश सं० III 447/अर्जन/80-81—अतः मुझे ज्योतीन्द्र  
नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिस की सं० एम० एस० प्लॉट नं० 1338 और 1339  
वाई नं० VII बीन है, तथा जो 6 कट्टा 11 छटांक  
सरकुलर रोड़ रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 23 सितम्बर 1980।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात्:—

1. श्रीमती सराद कुमारी सरकार औरत आफ नगेन्द्र  
नाथ सरकार, सरकुलर रोड़, मौहल्ला—लालपूर  
थाना—लालपुर जिला—रांची।

(अन्तरक)

2. श्री गोपाल गोयन का पुत्र आफ महादेव लाल  
गोयनका, सरकुलर रोड़, रांची, द्वारा—गोयनका  
पेपर उद्योग, अपर बाजार रांची।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**जगसुधी**

जमीन का रकबा 6 कट्टा 11 छटांक जो मौजा सर-  
कुलर रोड़ रांची में स्थित है। तथा पूर्णरूप से वासिका  
नम्बर 465 दिनांक 23-1-80 में वर्जित है। जिसका निबंधन  
जिला—निबंधन पदाधिकारी रांची में हुआ है।

ज्योतीन्द्र नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,  
अर्जन रेंज, पटना बिहार,

दिनांक: 11-9-1980

मोहर:

1. श्रीमती सरस्वती अम्बा आदि ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री अनिल कुमार आदि ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 2 अगस्त 1980

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किया जा सकेगा।

निर्देश सं० एल० सी० 418/80-81—यतः मुझे, श्री० मोहन  
लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो पेरुंबावूर में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरुंबावूर  
में जनवरी 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

15-266 G1 90

58 cents of land with building as per schedule attached to  
doc. No. 16/1980.

श्री० मोहनलाल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम,

दिनांक : 2-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन, दिनांक 20 अगस्त 1980

निर्देश सं० एल० सी० 419/80-81—यतः मुझे वी० मोहनलाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कष्टवन्धन में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5 जनवरी 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घटकरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और घटकरिती (घटकरिती) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घटकरिती निम्नलिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घटकरिती के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः एव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जी० सान्तम्मा

(अन्तरक)

2. डा० अगस्टिन और डा० तंकम्मा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रमोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

13 Cents of land with a building as per schedule attached to doc. No. 53/80 Dt. 5-1-80.

वी० मोहनलाल,  
सश्रम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, एरणाकुलम,

दिनांक : 20-8-1980  
मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एम०—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० एल० सी० 420/80-81—यतः मुझे, बी० आर०  
नायर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणा-  
कुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, 10 जनवरी, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हाथत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एन० ए० के० हाजि।

(अन्तरक)

2. श्री जार्ज तौमस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24.649 cents of land with building as per schedule attached  
to doc No. 86/80 dated 10-1-80.

बी० आर० नायर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन एरणाकुलम

दिनांक : 10-9-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन, दिनांक 16 सितम्बर 1980

निर्देश सं० एल० सी० 422/80-81—यतः मुझे वी०  
आर० नायर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सश्रम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो मामंगलम  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एडापल  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 2 जनवरी 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वये, मैं  
उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती एल्थाम्मा चेरियान

(अन्तरक)

2. श्रीमती एलार्डस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

इस सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पञ्चोदस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

12.5 Cents of land with a building as per schedule attached  
to doc. No. 11/80 dated 2-1-80.

वी० आर० नायर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम,

दिनांक : 16-9-1980  
मोहर :

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE  
REFORMS

LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF  
ADMINISTRATION

Mussoorie, the 10th September 1980

No. 2/5/78-EST.—Shri B. D. Tyagi, P.S. to Director is appointed as Deputy Administrative Officer in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 on a purely ad hoc basis with effect from 6-9-80 (1-N) for a period of one year or till a regular arrangement is made, whichever is earlier.

No. 2/17/78-EST.—Shri S. D. Gaikwad, Physical Training Instructor is appointed as Assistant Administrative Officer in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on purely ad hoc basis with effect from 6-9-80 (AN) for a period of one year or till a regular arrangement is made whichever is earlier.

K. RANGARAJAN  
Deputy Director (Senior)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 8th September 1980

No. A-6/71/Ad-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to relieve Shri A. W. Degwekar, Dy. Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation in the afternoon of 11-8-1980 to join on deputation in the Employees' Provident Fund Organisation, Bombay as Dy. Director of Vigilance.

No. S-47/65/Ad-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to relieve Shri Swaran Singh, Dy. Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation in the afternoon of 5-8-1980 to join on deputation Indian Tourism Development Corporation as Security Officer.

No. A-19021/2/77-AD-V.—The services of Shri K. A. Jacob, IPS(BH-1964) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment are placed back at the disposal of the Government of Bihar with effect from 16-8-1980 (afternoon), on repatriation.

No. A-19036/3/78-Ad. V.—Consequent on the expiry of his term of deputation, the services of Shri M. Ramamurthy, Dy. Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, CIU (ANU) have been placed back at the disposal of the Government of Andhra Pradesh with effect from 13-6-1980 forenoon.

No. A-19021/6/80-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri G. Jha, IPS (1967-U.P.) as Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, with effect from 22-8-1980 (FN) on deputation basis, until further orders.

Q. I. GROVER  
Administrative Officer (E)  
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110001, the 11th September 1980

No. O.II-963/72-Istt.—The services of Shri K. J. C. K. Reddy, Dy. SP Group Centre, CRPF, Avadi are placed at

the disposal of Police computer wing, Government of Karnataka, Bangalore on deputation basis wef the afternoon of 14-6-80.

The 15th September 1980

No. O.II-663/71-Estt.—Consequent on his retirement from Government service, Shri G. B. Rai, Dy. SP of 25th Bn CRPF relinquished charge of the post of Dy. SP on the afternoon of 31-8-80.

No. O.II-1088/73-Estt.—Consequent on his retirement from Government service, Shri T. P. Mishra, Dy. SP of 26 Bn CRPF relinquished charge of the post of Dy. SP on the afternoon of 31-8-80.

K. R. K. PRASAD  
Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 9th August 1980

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to Rishikesh Shri Y. N. Khanna relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF HQrs, New Delhi wef the afternoon of 29th July, 1980.

No. E-38013(3)/9/80-Pers.—On transfer to Hardwar Shri O. P. Bhasin, relinquished the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit ALIMCO Kanpur with effect from the afternoon of 5th Aug., 80.

On transfer from Gorakhpur Shri P. R. Bhutian assumed the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit ALIMCO Kanpur with effect from the forenoon of the 7th Aug. 1980.

No. E-38013(3)/9/80-Pers.—On transfer from Rishikesh Shri N. C. Sood assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit SAC Ahmedabad with effect from the afternoon of 11th August 1980 vide Shri Ajit Singh Assistant Commandant who on transfer to Panna relinquished the charge of the said post wef the same date.

No. E-38013(3)/9/80-Pers.—On transfer from Tuticorin Shri P. P. John Alex assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, SHAR Centre, Sriharikota Range (A.P.) wef the forenoon of 28th July, 1980.

No. E-38013(3)/9/80-Pers.—On transfer to Cochin Shri K. L. Luke relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, V.P.T. Visakhapatnam wef the afternoon of the 22nd July, 1980.

No. E-38013(3)/9/80-Pers.—On transfer from Madras Shri T. P. Balakrishnan Nambiar assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, New Mangalore Port wef the forenoon of the 11th July, 1980.

The 12th September 1980

No. E-32015(1)/2/77-PERS.—On expiry of his term of employment Shri M. Venugopal relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, ISRO Thumba wef the afternoon of 30th June, 1980.

No. E-38013(2)/1/80-PERS.—On transfer from Durgapur Shri Banar Singh, IPS (HP : 67) assumed the charge of the post of Comdt. CISF Unit, NFL Naya Nangal wef the forenoon of 28th July, 1980.

No. E-38013(3)/1/79-PERS.—On transfer to Salem Shri R. P. Pillai relinquished the charge of the post of Assistant Comdt. CISF Unit, ISRO Thumba wef the afternoon of 20th July, 1980.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Dighaghat Shri S. L. Prasad assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, DSP Durgapur wef the forenoon of 30th July, 1980.

No. E-38013(3)9/80-PERS.—On transfer from Thumba Shri S. M. Saini assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, V.P.T. Visakhapatnam wef the forenoon of 27th July, 1980.

(Sd.) ILLEGIBLE  
Inspector-General

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 10th September 1980

No. 11/98/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri B. K. Singh, Chief Secretary to the Andaman & Nicobar Islands Administration, as Director of Census Operations, Andaman & Nicobar Islands, Port Blair, in an *ex-officio* capacity, with effect from the forenoon of the 22nd July, 1980, until further orders.

2. His headquarters will be at Port Blair.

The 12th September 1980

No. 11/29/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Purna Chandra Roy, an officer belonging to the Orissa Administrative Service, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Orissa, Cuttack, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of the 20th August, 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Roy will be at Berhampur.

P. PADMANABHA  
Registrar General, India

#### MINISTRY OF FINANCE

##### (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

##### BANK NOTE PRESS

Dewas, the 7th September 1980

F. No. BNP/C/5/80.—The undersigned is pleased to appoint the following permanent Junior Supervisor as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the Bank Note Press, Dewas on ad hoc basis in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from the date shown against each for a period of three months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

1. Shri A. D. Deshpande—28-8-80

2. Shri S. K. Shukla—31-8-80

The ad hoc appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis, the ad hoc appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

Their names are appearing in the order of merit as adjudged by D.P.C. (Group 'B').

M. V. CHAR  
Deputy General Manager

#### INDIA GOVERNMENT MINT

Calcutta-700 088, the 3rd September 1980

No. 92/80.—Shri Trilochan Chatterjee, Permanent Dy. Acctt. of India Government Mint Alipore, Calcutta-700 088, is appointed to officiate as Bullion Registrar (Group 'B' Post) in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- for the period from 5th September, 1980 to 7th October, 1980 against the

leave vacancy of Shri R. N. Neogi, Permanent Bullion Registrar of this Mint.

H. N. GUPTA  
Master of the Mint.

#### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 15th September 1980

No. 2248/CA.I/384-67.—On his attaining the age of superannuation Shri A. K. Dutta, Audit Officer (Commercial) serving in the Office of the Member, Audit Board & Ex-officio Director of Commercial Audit (Coal), Calcutta, has retired from Government service with effect from 31-8-80 AN.

No. 2251/CA.I/25-70.—On his attaining the age of superannuation Shri I. P. Goel Audit Officer (Commercial) serving in the Office of the Accountant General-II, Uttar Pradesh, Lucknow has retired from Government service with effect from 31-1-80 A.N.

H. L. DANI  
Joint Director (Commercial)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 11th September 1980

No. Admn.I/8.132/80-81/213.—Shri C. B. Srinivasana, Accounts Officer, Office of the Accountant General-I, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 31-8-80 AN.

No. Admn.I/8.132/80-81/213.—Shri P. Seshadri, Accounts Officer, Office of the Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 31-8-80 AN.

No. Admn.I/8.132/80-81/213.—Shri T. V. Bhadri Raju, Accounts Officer, Office of the Accountant General-I, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 31-8-1980 AN.

Sd./- ILLEGIBLE  
Sr. Dy. Accountant General (Admn)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, JAMMU & KASHMIR

Srinagar, the 8th September 1980

No. Admn-I/69(Gen)/80-81/2503-9.—The Accountant General Jammu & Kashmir, has promoted following three permanent section Officers as Accounts Officers in an officiating capacity with effect from the Afternoon of 29th August, 1980 till further orders :—

(i) Shri Badri Narain Raina.

(ii) Shri G. A. Wani.

(iii) Shri G. L. Khashu.

H. P. DAS  
Sr. Dy. Accountant General (A&E)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL KERALA

Trivandrum, the 2nd September 1980

No. Estt.A.VII/9-86/Vol.II/99.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint Shri T. K. Andi, Section Officer (Audit and Accounts) to officiate as Accounts Officer with effect from 30th August 1980 Forenoon until further orders.

D. SIVARAMAKRISHNAN  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE C.G.D.A.

New Delhi-110 022, the 10th September 1980

No. 1841Q/AN-I.—On attaining the age of 58 years, Shri Padam Kumar Jain, ACDA, will be transferred to the Pension Establishment with effect from 31-3-1981 (AN) and accordingly struck off strength of the Defence Accounts Department wef 31-3-81 (AN).

R. L. BAKSHI  
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE  
DGOF HQRS. CIVIL SERVICE  
ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700069, the 3rd September 1980

No. 21/80/A/E-1(NG)—The DGOF is pleased to promote the following individuals in Offg. capacity, against existing vacancies of T.S.O., in grades and on dates shown against each:—

1. Shri Hirendra Nath Ghosh, Permanent Assistant.	Asstt. Staff Officer (Adhoc)	From 20-8-80 until further orders.
2. Shri Yoginder Nath Goswami, Permanent Assistant.	Do.	Do.

S/Shri Ghosh and Goswami assumed the higher duties as A.S.O. w.e.f. 20-8-80.

D. P. CHAKRAVARTI  
Adgof/Admin.  
for Director General, Ordnance Factories.

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 29th August 1980

No. 58/G/80—The President is pleased to appoint the under-mentioned Officers as Offg. GM (SG)/DDGOF-Level-II with effect from the date shown against them, until further orders:—

S/Shri		
(1) A.P. Bhattacharya, Offg. ADGOF/Gr. I		31-7-80
(2) K.P.R. Pillay, Offg. GM/Gr. I		31-7-80
(3) S. Srinivasan, Offg. GM/Gr. I		31-7-80
	(Under 'Next Below Rule')	
(4) J.W. Kawathekar, Offg. GM/Gr. I		31-7-80
(5) D.R. Iyer, Offg. Director		31-7-80
(6) V.M. Bhandarkar, Offg. GM/Gr. I		31-7-80
(7) N. Balakrishnan, Offg. GM/Gr. I		31-7-80
(8) V.N. Bhide, Offg. GM/Gr. I		31-7-80
(9) N.M. Patel, Offg. ADGOF/Gr. I		31-7-80
(10) B.B. Ghosh, Offg. GM/Gr. I		31-7-80
(11) P. K. Banerjee, Offg. GM/Gr. I		31-7-80
(12) R.S. Jaiswal, Offg. GM/Gr. I		31-7-80
(13) K.D. Kalia, Offg. GM/Gr. I		20-8-80
(14) R.K. Mitra, Offg. ADGOF/Gr. I		25-8-80

No. 59/G/80—The President is pleased to appoint the under-mentioned Officer as Offg. ADGOF/Gr. I with effect from the date shown against him, until further orders:—

Shri D. N. Nijhawan, Permt. ADGOF/Gr. II 27-6-80

No. 60/G/80—The President is pleased to appoint the under-mentioned Officers as Offg. Manager/Sr. DADGOF with effect from the date shown against them, until further orders:—

S/Shri		
(1) T. Ramakrishna, Pt. D.M.		1-4-80
(2) P. Ramaiah, Pt. D.M.		1-4-80
(3) K.C. Sikka, Pt. D.M.		1-4-80
(4) P. M. Deshpande, Pt. D.M.		1-4-80
(5) S.N. Tiwari, Pt. D.M.		1-4-80
(6) D.P. Dam, Pt. D.M.		1-4-80
(7) B.B. Verma, Pt. D.M.		1-4-80
(8) C.R. Jain, Pt. D.M.		15-5-80
(9) P.S. Sodhi, Pt. D.M.		16-6-80
(10) K.C. Shrikhande, Pt. D.M.		16-6-80
(11) G.I. Wellington, Pt. D.M.		16-6-80
(12) T.S. Ramalingam, Pt. D.M.		31-7-80
(13) M.M. Agarwal, Offg., S.O./Gr. I		31-7-80
(14) Prem Narain, Offg. D.M.		31-7-80
(15) B.K. Rao, Offg. D.M.		31-7-80
(16) Pyare Lal, Offg. D.M.		31-7-80
(17) O.P. Kalra, Offg. D.M.		4-8-80

No. 61/G/80—The President is pleased to appoint the under-mentioned Officers as Offg. D.M./DADGOF with effect from the date shown against them until further orders:—

S/Shri		
(1) Sudhendu Das, AM (Prob.)		30-6-80
(2) N. Kothandapani, AM (Prob.)		30-6-80
(3) V.K.C. Sanghi, AM (Prob.)		30-6-80
(4) Rajindra Kr. Jain, AM (Prob.)		30-6-80
(5) M.S. Krishnamoorthy, AM (Prob.)		30-6-80
(6) B. Yesu, AM (Prob.)		30-6-80
(7) B.K. Tiwari, AM (Prob.)		30-6-80
(8) M.G. Awasthy, AM (Prob.)		30-6-80
(9) K.K. Rastogi, AM (Prob.)		30-6-80
(10) H.M. Singh, AM (Prob.)		30-6-80
(11) S.K. Dutta, AM (Prob.)		30-6-80
(12) S.S. Paul, Offg. A.M.		30-6-80
(13) P.K. Das, AM (Prob.)		30-6-80
(14) R.S. Puri, AM (Prob.)		30-6-80
(15) A Bandyopadhyay, AM (Prob.)		30-6-80
(16) B.G. Swamy, Offg. A.M.		30-6-80
(17) P.T. Katre, Offg. A.M.		30-6-80
(18) P.A. Dev, AM (Prob.)		30-6-80
(19) R.A. Aziz, AM (Prob.)		30-6-80
(20) R. Guruparan, AM (Prob.)		30-6-80
(21) N.P. Biswas, AM (Prob.)		30-6-80
(22) N. Krishnamoorthy, Offg. A.M.		30-6-80
(23) R. K. Dixit, AM (Prob.)		9-8-80
(24) B.K. Kansal, AM (Prob.)		9-8-80
(25) Mahesh Kumar, AM (Prob.)		9-8-80
(26) M.K. Kaul, AM (Prob.)		9-8-80
(27) M.K. Chakraborty, AM (Prob.)		9-8-80
(28) B.K. De, AM (Prob.)		9-8-80
(29) A.K. Ganguly, AM (Prob.)		9-8-80
(30) R.P. Ahuja, AM (Prob.)		9-8-80

V. K. MEHTA  
Asstt Director General Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE  
(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR  
HANDLOOMS

New Delhi, the 29th August 1980

No. A-12025(i)/3/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 18th June, 1980 and until further orders Shri Arun Kumar Jaiswal as Assistant Director Grade I (Designs) in the Weavers Service Centre, Panipat.

N. P. SESHADRI  
Jt. Development Commissioner for  
Handlooms

KANDLA FREE TRADE ZONE ADMINISTRATION  
GANDHIDHAM

Kutch, the 1st September 1980

No. FTZ/Admn/7/2/80-81/10624.—On attaining the age of superannuation Shri J. P. Pagar Superintendent of Central Excise & Customs, Ahmedabad, working at present on deputation as Assistant, Collector of Customs, Kandla Free Trade Zone, relinquished the charge of the post with effect from the afternoon of the 30-8-1980.

NIRANJAN SINGH  
Development Commissioner  
Kandla Free Trade Zone

MINISTRY OF STEEL & MINES  
(DEPARTMENT OF MINES)  
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 6th September 1980

No. 6566B/A32013(AO)/78-80/19A.—Shri Parimal Mukherjee, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 14-8-1980, until further orders.

The 10th September 1980

No. 6742B/A-1912(Cost Acctt-DKS)/80-19A.—Shri Dilip Kr. Sen, Cost Accountant (Ad hoc), Geological Survey of India is appointed as Cost Accountant in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the afternoon of the 2nd July 1980, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY  
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 6th September 1980

No. A.19012(121)/79-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Dr. Kota Suryanarayana Murthy is appointed to the post of Assistant Chemist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 4th August, 1980.

No. A.19011(269)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Satyendra Prakash Goyal to the post of Assistant Controller of Mines in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 8th August, 1980.

S. V. ALI  
Head of Office  
Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 6th September 1980

No. A.19019/27/79-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Vijaya Lakshmi to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 9-11-1979.

N. N. GHOSH  
Dy. Director Admn. (CGHS)

New Delhi, the 10th September 1980

No. A.12026/13/79/RMLH)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. N. S. Kalrah, Junior Biochemist, Lady Harding Medical College & Smt. Sucheta Kriplani Hospital, New Delhi to the post of Biochemist at the Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi, with effect from the afternoon of the 12th August, 1980 on a temporary basis and until further orders.

Consequent on his appointment to the post of Biochemist at the Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi, Dr. N. S. Kalrah, relinquished charge of the post of Junior Biochemist at the Lady Harding Medical College and Smt. Sucheta Kriplani Hospital, New Delhi with effect from the afternoon of the 12th August, 1980.

S. L. KUTHIALA  
Dy. Dir. Admn. (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION)  
DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 8th September 1980

No. F.3-48/79-Estt.(I).—The ad hoc appointment of S/Shri S. L. Dhir, K. R. Vij and O. P. Bhasin in the post of Superintendent (Grade I) is further continued with effect from 1-9-80 to 28-2-81 or till the posts are filled up on regular basis whichever is earlier.

The 10th September 1980

No. F.2(6)/78-Estt.(I).—On the recommendations of the U.P.S.C., Dr. Dig Bijoy Singh, Touring Veterinary Officer, Department of Animal Husbandry, Bisfi, Madhubani (Bihar), is appointed as Assistant Livestock Officer, G.C.S. Group 'B' (Gazetted) (Non-Ministerial), in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture, Department of Agriculture & Cooperation, with effect from 1-9-1980 (FN), on transfer on deputation basis, for a period of 3 years, in term of Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F. 10(24)-E.III/60, dated 4-5-61 as amended from time to time.

B. N. CHADHA  
Director Administration

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION  
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 5th September 1980

No. A.19023/77/78-A-III.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Senior Marketing Officer (Group I) in this Dte. at Gaubati, Shri N. Gopal handed over charge of the post of Marketing Officer at Mudras in the afternoon of 31-7-80.

No. A.19023/78/78-A-III.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Senior Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Raichur, Shri J. S. Sastry handed over charge of the post of Marketing Officer at Hyderabad in the afternoon of 5-8-80.

The 6th September 1980

No. A.19025/23/80-A-III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Shri Bhag Chand Jat, Senior Inspector has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Nagpur with effect from 5-8-80 (FN), until further orders.

No. A.19025/52/80-A-III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission Shri Suresh Chander Khurana has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group III) in this Directorate at New Delhi with effect from 29-7-80 (FN), until further orders.

The 11th September 1980

No. A. 19025/43/80-A.III.—The undermentioned Senior Inspectors have been appointed to officiate as Assistant Marketing Officers (Group I) on short-term basis in this Directorate at the Stations and with effect from the dates mentioned against each, until further orders :—

S/Shri

1. Harpada Kundu . . . . .	New Delhi	9-6-80 (FN)
2. T. S. Johnny . . . . .	Guntur	10-6-80 (FN)
3. N.K. Misra . . . . .	Lucknow	17-5-80 (FN)
4. H.C. Vatsal . . . . .	Nagpur	26-6-80 (FN)

No. A.19027/1/80-A.III.—The short-term appointment of Shri P. Y. Shirke, purely on ad-hoc basis, to the post of Editor (Marketing Journal) in the Directorate at Nagpur has been extended for a period of 3 months with effect from 1-9-80 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier, on the usual deputation terms.

B. L. MANIHAR  
Director of Administration  
for Agril. Marketing Adviser

## (DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY)

## POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 30th August 1980

No. PPED/3(262)/78-Adm/11886.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri K. G. Vaswani, a permanent Personal Assistant and Officiating Stenographer-III of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 27, 1980 to the afternoon of September 26, 1980 vice Shri R. Sarangapani, Asstt. Personnel Officer proceeded on leave.

B. V. THATTE  
Administrative Officer

## DIRECTORATE OF PURCHASE &amp; STORES

Bombay-400 001, the 21st August 1980

No. DPS/B-74/ADM/14758.—On expiry of the term of his deputation with M/s. Richardson & Crudas (1972) Limited, Bombay, Shri V. Boothalingam, Assistant Purchase Officer, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy, assumed charge of the post of Assistant Purchase Officer in the same Directorate with effect from July 29, 1980 (FN).

K. P. JOSEPH  
K. P. JOSEPH, Administrative Officer

## NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 14th November 1979

## ORDER

No. NFC/PA.V/Dis/1711/SSTP/1854.—WHEREAS Shri A. Suresh Kumar, while functioning as Tradesman 'A' in SSTP, applied for and been sanctioned leave for 15 days from 27-1-1979 to 12-2-1979 with permission to suffix 13-2-79 to the leave;

2. AND WHEREAS the said Shri Suresh Kumar failed to resume duty on 14-2-1979, but remained absent without permission from that date;

3. AND WHEREAS vide Memorandum No. NFC/TP/S-252/521. dt. 5-3-1979 the said Shri Suresh Kumar was directed to report for duty immediately:  
16-266 GI/80

4. AND WHEREAS the said Memorandum No. NFC/TP/S-252/521 dt. 5-3-79 sent by Registered Post with Ack. due to the last known address of the said Shri Suresh Kumar, viz. H. No. 237, Picket, Secunderabad (AP), was returned by the Postal authorities with a remark that "7 days absent, party not found in delivery time";

5. AND WHEREAS the said Shri Suresh Kumar has continued to remain absent and failed to inform the NFC of his whereabouts;

6. AND WHEREAS the said Shri Suresh Kumar has been guilty of voluntarily abandoning service;

7. AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping the NFC informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 41 of the Standing Orders and/or Rule 14 of the CCS (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965;

8. AND NOW, therefore, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm. dt. 3-12-70 and/or under Rules 19(ii) of CCS (CCA) Rules, 1965 hereby removes the said Shri Suresh Kumar from services with immediate effect.

The 13th July 1980

No. NFC/PA.V/2606/1411/1383.—WHEREAS Shri M. A. Lateef Khan, while functioning as Tradesman 'A' in MFP, has been remaining absent from duty from 26-5-1979 without prior approval but sent medical certificates covering his absence from 26-5-79 to 7-10-79;

2. AND WHEREAS a telegram was sent by NFC administration to Shri Lateef Khan asking him to report for duty immediately and the post copy of the telegram bearing Ref No. PA.IV/L-30/EES/3043, dated 29-11-79 was sent to him directing him to report for duty immediately and not later than 5-12-79 and he was asked to report to Medical Officer, NFC on or before 5-12-79 in case he was still sick;

3. AND WHEREAS the said note dated 29-11-79 was sent by registered post/acknowledgement due to his known address viz. H. No. 16-5-68/1, Farhat Nagar, Dabeerpura, Hyderabad was returned undelivered by postal authorities with remarks "No such person in the house number. Returned to the sender."

4. AND WHEREAS Shri Lateef Khan did not report to Medical Officer, NFC for an examination even after the stipulated date of 5-12-79 although he has produced medical certificates covering his absence from 8-10-79 to 10-2-80 and from 12-3-80 to 13-5-80;

5. AND WHEREAS the Disciplinary Authority proposed to hold an inquiry against Shri Lateef Khan under para 41.2 (ii) of NFC Standing Orders and a charge-sheet vide Memorandum No. NFC/PA.V/2606/1411/975 dt. 26-5-80 was sent by Regd. post (Ack. Due) to the following address viz. Shri Lateef Khan, H. No. 16-5-68/1, Farhat Nagar, Dabeerpura;

6. AND WHEREAS the copy of the said memorandum No. NFC/PA.V/2606/1411/975 dt. 26-5-80 addressed to H. No. 16-5-68/1, Farhat Nagar, Dabeerpura, Hyderabad was returned undelivered by postal authorities with a remark "No such person in the house number";

7. AND WHEREAS the said Shri Lateef Khan continued to remain absent and failed to inform Nuclear Fuel Complex of his whereabouts;

8. AND WHEREAS the said Shri Lateef Khan had been guilty of voluntarily abandoning service;

9. AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping Nuclear Fuel Complex informed of his pre-

sent whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 41 of the NFC Standing Orders and/or Rule 14 of the CCS (CCA) Rules, 1965.

10. NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm. II dt. 7-7-79 and/or under Rule 19(ii) of CCS (CCA) Rules, 1965, hereby removes the said Shri Latcel Khan, T/A, MFP, from services with immediate effect.

N. KONDAL RAO  
Chief Executive

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 8th September 1980

No. AMD-51/(35)/80-Pen.—Consequent upon his voluntary retirement from Government service, Shri R. N. Dey, a permanent Assistant/officiating Assistant Personnel Officer in the Atomic Minerals Division of this Department, relinquished charge of his post on the afternoon of August 31, 1980.

The 10th September 1980

No. AMD-1/6/79 Adm.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri K. A. Pillai, permanent Upper Division Clerk, PPED and temporary Selection Grade Clerk in Rajasthan Atomic Power Project as Assistant Personnel Officer in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of 10-7-1980 until further orders.

M. S. RAO, Sr. Adm & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 9th September 1980

Ref. 05012/R4/OP/3955.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Annamalai Natarajan, a permanent Lower Division Clerk in the office of the Director of Supplies (Textiles) and officiating Assistant Accountant in Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Assistant Accounts Officer in the same office, in a temporary capacity, on ad hoc basis from April 14, 1980 (FN) to May 16, 1980 (AN) vice Shri A. N. Muthuswamy, Assistant Accounts Officer Heavy Water Project (Tuticorin) appointed to officiate as Accounts Officer II.

Ref. 05012/R4/OP/3956.—Officer-on-Special Duty, Heavy water Projects, appoints Shri Angaral Natesa Iyer Muthuswamy, a permanent Accountant of Rajasthan Atomic Power Project and officiating Assistant Accounts Officer in Heavy Water Project (Tuticorin) to officiate as Accounts Officer II in the same office, in a temporary capacity, on ad hoc basis from April 14, 1980 (FN) to May 16, 1980 (AN) vice Shri K. K. Gopalakrishnan, Accounts Officer II, granted leave.

R. C. KOTIANKAR, Adm. Officer.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3 the 9th September 1980

No. A 32013(DDGM)/1/80-E.I.—The President has been pleased to appoint the undermentioned Directors, India Meteorological Department, to officiate as Dy. Director General of Meteorology on ad-hoc basis in the same Department with effect from the dates mentioned against their names, for a period of

3 months or till the posts are filled up on regular basis, whichever is earlier :—

1. Shri H.M. Chaudhury . . . 25-7-80
2. Dr. A.K. Mukherjee . . . 24-7-1980 (AN)
3. Dr. A.A. Ramasastry . . . 16-8-1980
4. Shri K.V. Rao . . . 1-8-1980
5. Dr. A.S. Ramanathan . . . 24-7-1980
6. Dr. S.M. Kulshrestha . . . 24-7-1980
7. Shri S.N. Tripathi . . . 24-7-1980

S. K. DAS

Additional Director General of Meteorology (Instruments)  
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF  
CIVIL AVIATION

New Delhi, the 8th September 1980

No. A.12025/11/79-ES.—The President is pleased to appoint S/Shri M. S. Rana and S. S. Rai, Junior Warrant Officer, from Indian Air Force, as Aircraft Inspectors and to post them in the office of the Controller of Aeronautical Inspection, Bombay and in the O/o the Regional Director, Bombay respectively with effect from 14-8-80 and 19-8-1980 (F.N.) on the basis of transfer on deputation for a period of three years.

R. N. DAS

Asstt. Director of Admn.  
for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 5th September 1980

No. A. 32013/2/79-E.I.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/2/79-E.I., dated the 14-12-79, the President is pleased to appoint Shri R. Narasimhan, Sr. Scientific Officer to the post of Deputy Director, Research & Development in the Civil Aviation Department on ad-hoc basis, beyond 31-3-80 upto 30-9-80 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

2. This office notification of even No. dt. 11-8-80, is hereby cancelled.

C. K. VATSA, Asstt. Dir. of Admn.

New Delhi, the 8th September 1980

No. A.12025/11/79-ES.—The President is pleased to appoint Shri Tej Pal Sharma, Junior Warrant Officer, from Indian Air Force, as Aircraft Inspector and to post him in the office of the Regional Director, Delhi Region, Safdarjung Airport, New Delhi, with effect from 18-8-1980 (F.N.) on the basis of transfer on deputation for a period of three years.

The 11th September 1980

No. A.32013/3/79-ES.—The President is pleased to sanction the continued ad hoc appointment of the undermentioned two officers to the grade of Dy. Director/Controller of Aeronautical Inspection beyond the dates mentioned against each and upto 31-12-1980 or till the regular appointments to the grade are made, whichever is earlier :—

1. Shri S. Ranjan beyond 13-2-1980.
2. Shri V. D. Sethi beyond 27-12-1979.

R. N. DAS, Asstt. Dir. of Admn.

## COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE &amp; CUSTOMS

Madurai-2, the 4th September 1980

No. 3/80—The following Inspectors of Central Excise (SG) are appointed to officiate until further orders in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. They have assumed charge as Superintendents in the places and on the dates noted against each :—

Sl. No.	Name of the officer	Place of posting	Date of assumption of charge
S/Shri			
1.	P. Stanislaus	Customs Division, Ramanathapuram	28-5-80
2.	D.A. Devadurai	Sivakasi Range-III	11-6-80
3.	M.S. Krishnamoorthy	Sattur Range-I	16-6-80
4.	A. Muthuchellam	Ambasamudram Range-I	16-6-80
5.	T.A. Ganesan	Lakshmipuram Range at Kovilpatty	23-6-80
6.	M. Devarajulu	B.H.E.L. Sector, Trichy	23-6-80
7.	M.V. Venkataraman	Ambasamudram Range-II	26-6-80
8.	M. Sankararaja	Sivakasi Range-V	28-6-80
9.	M. Sivasankaran	Sivakasi Dn.	9-7-80
10.	S. Pattabhiraman	Hqrs. Madurai	11-7-80
11.	J. Paul Rajanay. gam	Hqrs., Madurai	11-7-80
12.	R. Ganesan	Gandhingar Range at Kovilpatty	23-7-80
13.	Smt. J. Muthumani	Central Excise Dvn., Madurai.	1-8-80
14.	N. Gopalan	Divisional Office, Nagapattinam	8-8-80
15.	K.R. Narasinga Rao	Hqrs. Madurai	8-8-80
16.	H.T. Jothipandian	Batlagundu Range	8-8-80
17.	P. Shanmugam	Thiruthuraiipoondi	12-8-80
18.	S. Vanamamalai	Trichy Divisional Office	18-8-80
19.	L. Rajagopalan	Thiruthangal Range-II.	22-8-80

No. 4/80—The following Office Superintendents of central Excise are appointed to officiate until further orders as Administrative Officer (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-35-EB-880-40-1000-EB-40-1200. They have assumed charge as Administrative Officers in the places and on the dates noted against each :—

Sl. No.	Name of the Officer	Place of posting	Date of assumption of charge
1	2	3	4
S/Shri			
1.	V. Srinivasan	Divisional Office, Dindigul	8-8-80
2.	S.R. Ganapathiraman	Divisional Office, Sivakasi	12-8-80

R. JAYARAMAN  
Collector

Nagpur, the 6th September 1980

No. 7/80.—Consequent upon his promotion as Superintendent, Central Excise, Group 'A' vide Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi's Order No. 29/80, dated 21-2-1980, Shri W. R. Tare, Superintendent, Central Excise, Group 'B' of this Collectorate has assumed charge as Superintendent Central Excise, Group 'A' Hqrs. Office, Nagpur in the Forenoon of the 2nd June, 1980.

No. 8/80.—Subsequently, consequent upon his promotion to the grade of Assistant Collector (Junior Scale) in the Indian Customs and Central Excise Service, Group 'A' vide Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi's Order No. 95/80, F. No. A 22012/8/80-Ad.-II dated the 22nd July, 1980, Shri W. R. Tare, Superintendent, Central Excise, Group 'A' of this Collectorate has assumed charge of the office of the Assistant Collector, Central Excise, Division-I, Nagpur in the Forenoon of the 6th August, 1980 relieving Shri J. T. Dongre, Assistant Collector, Central Excise, Division-II, Nagpur of his additional charge.

No. 9/80.—Shri B. L. Ganjapure, Assistant Collector, Central Excise, Division-I, Nagpur of this Collectorate having attained age of superannuation has retired from Government service in the afternoon of the 31st July, 1980.

K. SANKARARAMAN, Collector

## N. F. RAILWAY

Maligaon, the 10th September 1980

No. E/55/III/97(0).—Shri M. Singh, IRAS officer is confirmed in Junior Scale (Class-I) with effect from 24-3-79.

B. VENKATARAMAN  
General Manager

## SOUTHERN RAILWAY

Madras, the 15th September 1980

No. A/PC/VB/7276.—Shri V. Balakrishnan, II a permanent member of the S.R.A.S. Cadre, in the Office of the Director of Audit/Southern Railway/Madras is promoted by the Director of Audit to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 800-1200 with effect from 22-8-80 F.N. until further orders.

Promotion made in this case is purely on an ad-hoc basis and shall be subject to the final orders of the Supreme Court in the cases pending before it.

T. B. NAGARAJAN  
Director of Audit

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
COMPANY LAW BOARD

## OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Farm Tools Private Limited.*

Bombay, the 5th September 1980

No. 4186/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Farm Tools Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Famous Chit Fund Pvt. Ltd.*

Bombay, the 5th September 1980

No. 8871/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Famous Chit Fund Pvt. Ltd. has this day

been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956 and  
of M/s Aluminized Steels Limited*

Bombay, the 5th September 1980

No. 13432/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Aluminized Steels Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s.  
S. A. Misri & Company Private Limited*

Bombay, the 5th September 1980

No. 1359/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. S. A. Misri & Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. GUPTA,  
Asstt. Registrar of Companies,  
Maharashtra, Bombay.

*In the matter of the Companies Act-1956 M/s. Subhsagar  
Cotton Mills Pvt. Ltd.*

Ahmedabad-380009, the 8th September 1980

No. 2423/Liquidation.—By an order dated 9-1-1980 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No. 15 of 1979 it has been ordered to wind up M/s. Subhsagar Cotton Mills Pvt. Ltd

V. Y. RANE,  
Asst. Registrar of Companies,  
Gujarat, Ahmedabad.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of Northern  
India Mercantile Agencies Private Limited*

Kanpur, the 8th September 1980

No. 9302/900 L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Northern India Mercantile Agencies Private Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. CHADHA  
Registrar of Companies,  
U.P., Kanpur.

FORM NO. 151

COMPANIES ACT, 1956

CREDITOR'S VOLUNTARY WINDING UP

*Notice of appointment of Liquidator pursuant to section  
516*

Name of Company : M/S Gogi Chit Fund Pvt. Ltd.  
Nature of business : Chit Fund

Address of Registered office. 32/7, Pant Nagar, Jangpura,  
New Delhi.

Name and address of liquidator :  
Official Liquidator attached to  
High Court of Delhi, 16, Ring  
Road, I.P. Estate, New Delhi.

Date of appointment : 17th March, 1980.

By whom appointed : Hon'ble High Court of Delhi  
in C.A. 58 of 1980.

P. CHANDRA,  
Assistant Official Liquidator

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range,  
3rd. THAKKAR'S BUNGLOW NAGPUR

Nagpur, dated 31st July 1980

No. IAC/ACQ/147/80-81.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kh. No. 17/1P, P.H. No. 10, situated at Mouja D. G. Tukum.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Chandrapur on 21-1-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bhiwarabai Sitaram Sonula  
Smt. Paprabai Rama Wadhai,  
Smt. Bhulabhai Narayan Mohute,  
Smt. Bhajnabai Raghoba Mohite,  
All resident of R.D.G. Tukum, Tah. &  
Dist. Gurdaspur.  
(Transferors)
- (2) Smt. Surekha Ramchandra Randive.  
St. R.D. Go. Tukum Tah. & Dist. Chandrapur.  
Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kh. No. 107/1P, P.H. No. 10, Mouja D.G. Tukum, Tah. & Dist. Chandrapur, out of which 2.00 Acres land.

S. K. BILLAIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 31-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II,

CAMEL HOUSE, 691/1/10 PUNE SALAREE ROAD

Pune-411009, the 12th September 1980

Ref. No. CA5/Sr. Chopda/Feb. 80/481/80-81.—Whereas, I  
SHRI A. C. CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 5990, 5990/1 to 5990/32, CS No. 6000, 6001, 6001/1 to 6001/9, 6002, 6003 situated at Chopada, Distt. Jalgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Chopada on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Banarasidevi Maganlal Shet Agarwal,  
2. Smt. Vidyadevi Radheshyam Gindodiya, and  
3. Shri Maheshkumar Maganlal Agarwal,  
Purti Building, Agra Road, Dhule.

(Transferor)

- (2) Shri Chopada Taluka Shetkari Sahakari Kharadi Vikri Sangh Ltd.,  
At Chopada, Distt. Jalgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property situated at Chopada Taluka, Distt. Jalgaon as detailed below :

CS Nos 5990, 5990/1 to 5990/32, CS Nos. 6000, 6001, 6001/1 to 6001/9, 6002 and 6003, Gat No. 1350, 1357, 1358, 1354, 1353, 1355, 1356, 1351 including ginning factory, pressing factory, oil mill, Lathe and Machinery, Boiler & stores, 2 godowns, wells, Elect. Motors and Elect. fittings, servant quarters, staff quarters, and guest house and Bungalow, etc.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 338 in the month of Feb. 1980 in the office of the Sub-Registrar, Chopada, Distt. Jalgaon).

A. C. CHANDRA  
Competent Authority'  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range, Poona.

Date : 12-9-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) 1. Champaklal Harkshandas urfe Gordhandas;  
2. Natvarlal Champaklal;  
3. Rameshchandra Champaklal;  
Lal Darwaja, Moti Sheri, Surat.

(Transferor)

- (2) 1. Shr Kanjibhai Durgarbhaji Patel;  
Bhatvalani Vadi, Varachha Road,  
Opp. Dena Bank Gate, Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, dated the 18th August 1980

Ref. No. P. R. No. 975/Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. R. S. No. 363, H. 1 F.P. No. 40A situated at Katargam, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Surat on 9-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Katargam R. S. No. 363, H. 1, F. P. No. 40A, Sub-plot No. 15A, duly registered at Surat on 9-1-80.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 18-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

Acquisition Range-II, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, 380009 dated 18th August, 1980

Ref. No. P. R. No. 976/Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I,  
S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 363, T. P. S. No. 4, Final Plot No. 40A, Sub-Plot No. 15-A at Katargam, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 9-1-1980

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

- (1) 1. Shri Champaklal Harkandas urfe Gordhandas;  
2. Shri Natvarlal Champeklal;  
3. Shri Rameshchandra Champeklal;  
Lal Darwaja, Moti Sheri, Surat.
- (2) Shri Manjibhai Dungebhai; (Transferee)  
Bhatvalani Vadi, Verachi Road,  
Opp. Dona Bank Gali,  
Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Katargam R. S. No. 363, H. 1, T. P. S. No. 4, Final Plot No. 40A, Sub Plot No. 15A, duly registered at Surat on 9-1-1980.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.Date : 18-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad, the 18th August 1980

Ref. No. P. R. No. 977 Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 17, R. S. No. 2 situated at Adajan, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 4-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

17—266 GI/80

(1) Manekben daughter of Khomed Pestanji Dogabha & widow of Arachsha Kavasji Turel;  
Biliniwad, Saiyadpura, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Divgan Jasdas Raval, 54, Sangam Society, Rander Road, Surat.

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situated at Adajan, Ward No.17, R. S. No. 2, duly registered at Surat on 4-1-1980.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.Date : 18-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad the 18th August 1980

Ref. P. R. No. 978 Acq./23-II/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. 4, Nodh No. 4/1651-B situated at Sardar Market, Sahra Darwaja, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 5-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Vasantlal Jayantilal;  
V. K. & Owner Shri Jayantilal Atmaram;  
12-A, Susma Society, Gopipura,  
Surat.  
(Transferor)
- (2) Partner & Vahiyat Karia Shri Jamnadas Tribhovandas;  
C/o. M/s. Raj Trading Co.,  
Gopipura, Vorvad, Surat.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Sahra Darwaja, Sardar Market, Wd. No. 4, Nodh No. 4/1651-B, Surat duly registered on 5-1-1980.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 18-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad, the 19th August 1980

Ref. P. R. No. 979/Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I,  
S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 350, Wd. No. 1, Popat Mohallo, Nanpura, situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 15-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Dinaben daughter of Kekhsaru Hormasji Deesawala, Sonapur Lane, Marine Drive, Bombay.
2. Alben daughter of Kekhsaru Hormasji Deesawala; Popat Mohallo, Nanpura, Surat.
3. Maniben wife of Jhangirji Dumasia, Dumas Tal. Choryasi.
4. Jalejar Kekhsaru Deesawala, Koli ba, Khukhsarubag, Bombay.
5. Naushir Kekhsaru Deesawala, Mugaisara, Surat.
6. Rusi Kekhsaru Deesawala, Rustumbag, Bhaykhala, Bombay.

(Transferors)

- (2) Sudhaben Balavantra Lapsiwala; 1/350, Popat Mahallo, Nanpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 350, Ward No. 1, Popat Mohallo, Nanpura, Surat duly registered at Surat on 15-1-1980.

[S. N. MANDAL

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 19-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380009 the 11th August 1980

Ref. P.R. 1147 Acq. 23-I/80-81— Whereas, I, S.N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Thobani Oil Mill situated at Kutiana Distt. Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Manavadar on 10-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Karasandas Punjabhai Thobani & others;  
Limda Chowk, Bhadrakali Road, Porbandar.  
(Transferor)
- (2) Shri Karsandas Valji Others;  
Thobani Ginning Factory, Kutiana,  
Distt. Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property known as Thobhani Oil Mill situated at Kutiana, Distt. Junagadh duly registered by Sub-Registrar, Manavadar vide sale-deed No. 1592/10-1-80 i.e. property as fully described herein.

S. N. MANDAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I Ahmedabad

Dated : 11-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Kasandas Punjabhai Thobhani ;  
Limda Chawk, Bhadrakali Road,  
Porbander.

(Transferor)

- (2) Aher Jethabhai Karsan & Others ;  
C/o Thobhani Ginning Factory, Kutiana,  
Distt. Junagadh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOR HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-I, the 11th August 1980

Ref. No. P.R. No. 1148 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I, S.  
N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. Thobhani Oil Mill situated at Kutiana Distt. Junagadh  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer  
at Manavadar on 10-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective per-  
sons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property known as Thobani Oil Mill situated at Kutiana,  
Distt. Junagadh duly registered by Sub-Registrar, Manavadar  
vide sale-deed No. 1593/10-1-1980 i.e. property as fully described  
therein.

S. N. MANDAL

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Renge-I, Ahmedabad

Date : 11-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
Ahmedabad-380009, the 18th August, 1980

Ref. No., P.R. No. 1150 Acq. 23/I/80-81—Whereas, I, S.N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TPS. No. 18, F.P. No. 8, situated at Shop No. 14, Dahyabhai Chimanlal Cloth Market, Saherkotada, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-1-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Mathures Corporation;  
through : Partner Babubhai Dashrathlal Patel;  
111, Sarkiwad, Sarangpur,  
Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Shri Ramkishor Babulal Jain  
703, New Cloth Market,  
Outside Raipur Market ;  
Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A shop No. 14 on Ground Floor standing on land admeasuring 14.46 sq. mts. bearing F.P. No. 8 of TPS, 18 situated at Dahyabhai Chimanlal Cloth Market, Saherkotada, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Reg. No. 1336 dated 16-1-1980.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date : 18-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 18th August 1980

Ref. No. P.R. No. 1151 Acq. 23-I/80-8.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TPS No. 18 F.P. No. 8, situated at Saherkotada, Dahyabhai Chimanlal Coth Market, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-1-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Mathures, Corporation ;  
through partner;  
Babuhaj Dashrathlal Patel ;  
11, Sarkiwad, Sarangpur,  
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Harsadkumar Dwarkadas;  
Guardian of Minor Vibhushan Harsadkumar;  
Manek Chowk ; Ghanchini Pole.  
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A shop No. 27 on Ground Floor standing on land admeasuring 14.71 sq. Mts. bearing F.P. No. 8, of TPS. 18, situated at Saherkotada, Ahmedabad and as fully described in the saledeed registered vide Regn. No. 1332 dated 16-1-1980.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 18-8-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 18th August 1980

Ref. No. P.R. No. 11 52 Acq. 23-J/80-81—Whereas, I, S.N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F.P. No. 8 of T.P.S. 1 8 situated at Saherkotada, Dahyabhai Chimanlal Cloth Market, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intimate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Mathurs Corporation  
through : Partner : Patel;  
Babhubhai Dashrathlal Patel;  
111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Mahendrakumar Maman Chand;  
Bhadreshwar Society, Behin H.B. Kapadia High School,  
Outside Delhi Darwaja, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

## THE SCHEDULE

A shop No. 2 on ground floor standing on land 14.13 sq. mts. bearing F.P. 8 of T.P.S. 18 situated at Saherkotada, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Registration No. 1333 dated 16-1-1980.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date : 18-8-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ADQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009 the 18th August, 1980

Ref. No. P.R. No. 1153 Ac. 23-I/80-81—Whereas, I, S.N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F.P. No. 8 of T.P. S. 18 situated at Saher Kotada, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 16-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
18-266GI/80

(1) M/s Mathuresh Corporation ;  
through partner ;  
Shri Babubhai Deshrathlal ;  
111, Sarkiwad, Sarangpur,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Jasudben Chimanlal Shah ;  
Theirpurnagar Coop. Housing Society ;  
Nawa Wadaj, Ahmedabad-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A shop No. 24 on ground floor standing on land admeasuring 14.81 sq. mts. bearing F.P. No. 8, of T.P.S. No. 18, situated at Saherkotada, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 1336 dated 16-1-1980.

S.N. MANDAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date : 18-8-1980.

Seal :

**FORM ITNS—**  
**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-**  
**TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-**  
**SIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR

HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
 AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009 the 16th August, 1980

Ref. No. P.R. 1154 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I S.N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S.No. 2-A, F.P. No. 8 of T.P.S. No. 18 situated at Saherkotada, Ahmedabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Mayuresh Corporation ;  
 Through partner :  
 Shri Babubhai Dashrathlal Patel;  
 111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Keelaschandra Ramdhanaji ;  
 20, Subhashnagar Society,  
 Navrangpur,  
 Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A shop No. 19 on ground floor standing on land admeasuring 14.50 sq. mts bearing S. No. 21A F.P. No. 8 of T.P.S. No. 18 situated at Saherkotada, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Registration No. 2189 dated 31-1-1980.

S.N. MANDAL,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 16-8-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) M/s Mathures Corporation ;  
through partner ;  
Babubhai Dashrathlal Patel ;  
111, Srklwad Sarangpur, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Jani Pravinchandra Dahyabhai ;  
Lavarini Pole, Dhanasutharni Pole,  
Ahmedabad.

(Trans feror)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009 the 16th August, 1980

Ref. No. P.R. 1155 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S.No. 2-A, F.P. No. 8 of T.P.S. No. 18 situated at Saher Kotada, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A shop No. 11 on ground Floor, standuated at Saherkotda, bearing S.No. 2-A, F.P. No. 8 T.P.S. 18, sitsale-deed registered Ahmedabad and rs fully described in the sale-deed requested vide Regn. No. 2183 dated 30-1-1980.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I Ahmedabad

Date : 18-8-1980  
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 18th August 1980

Ref. No. P.R. No. 1156 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I, S. N. MSNDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F.P. No. 8 of T.P.S. No. 18, situated at Saherkotada, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad 30-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Mathures Corporation ;  
Partner Babubhai Dashrathlal ;  
111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Rajkumar Kripaldas ;  
Panchalnagar Nawa Wadaj Road,  
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop No. 3 on ground floor, standing on land admeasuring 14.10 sq. mts. bearing F.P. No. 8, of T.P.S. 18, situated at Saherkotada, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 2193 dated 30-1-1980.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 18-8-1980.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 18th August, 1980

Ref. No. P.R. No. 1157 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

No. F.P. No. 8, of T.P.S. No. 18 situated at Saherkotada, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Mathures Corporation ;  
through partner ;  
Babubhai Dashrathlal ;  
111-Sarkiwad, Sarangpur,  
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) (1) Premchand Kripaldas ;  
(2) Jagdish Kripaldas ;  
1, Panchal Nagar, New Wadaj Road,  
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A shop No. 18 on ground floor standing on land admeasuring 14.88 sq. mts. bearing F.P. No. 8 of T. P. No. 18 situated at Saherkotada, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 2192 dated 30-1-1980.

S. N. MANDAL

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 18-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 18th August 1980

Ref. P.R. No. 1158 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I S. N. MANDAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F.P. No. 8 of T.P.S. No. 18 situated at Saherkotada, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 5-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Mathures Corporation ;  
through partner;  
Shri Babubhai Dashrathlal ;  
111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.

(Transfeor)

(2) Shri Manoharlal Satyanarayan Kabara ;  
Anant Smruti, Hindi Colony,  
Road No. 1, Dadar,  
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ashop No. 6 on ground floor standing on land admeasuring 14.59 sq. mts. bearing F.P. No. 8 of T.P.S. No. 18 situated at Saherkotada Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 295 dated 5-1-1980.

S. N. MANDAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 18-8-1980

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 18th August 1980

Ref. No. P.R. 1159 Acq. No. 23-I/80-81—Whereas, I S.N.  
MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

N. F.P. No. 8 of T.P.S. 18 situated at Saherkotada, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 16-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Mathures Corporation ;  
Through : Partner : Babubhai Deshmukh Patel;  
111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Shri Ashokkumar Ratanlal ;  
Himalaya Park, Navrangpura,  
Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A shop No. 20 on ground floor standing on land admeasuring 14.40 sq. mts. bearing F.P. No. 8 of T.P. S. No. 18, situated at Saherkotada, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Registration No. 1335 dated 16-1-1980.

S. N. MANDAL

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-J, Ahmedabad

Date : 18-8-1980.

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD**

Ahmedabad-380 009, the 1st September 1980

Ref. No. P.R. No. 985 Acq. 23-II/80-81—Whereas, I S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 1210 Wd. No. 5, Haripura Main Road, situated at Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 29-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Executor of Shri Harilal Shivshanker Raval ;  
1. Jagdishchandra Harilal Raval ;  
2. Puspagauri Harilal ;  
Haripura Main Road, Surat.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Bipinchandra Hiralal Ghadiali ;  
Haripura, Bhavanivad,  
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property at Nondh No. 1210, Wd. No. 5, Haripura Main Road, Surat duly registered on 29-1-1980 at Surat.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 1-9-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOORHANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st September 1980

Ref. No. P.R. No. 988 Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 228/1 &amp; 229/1 paiki Plot No. 24 and 24/1 situated at Vijalpore Road, Vijalpur, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Navsari on 16-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—266 GI/80

(1) Shri Kanjibhai Govindji Patel ;  
Shri Ramaniklal Kanjibhai Patel ;  
Ram Society, Navsari.

(Transferor)

(2) President : Shri Babubhai Punabhai Patel ;  
Secretary : Shri Manibhai Vasanji Vira ;  
Adarsh Coop. Housing Society Ltd.,  
Vijalpur, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at S. No. 228/1 &amp; 229/1 paiki Plot No. 24 &amp; 24/1, situated at Vijalpur Road, Vijalpur, Navsari, duly registered at Navsari on 16-1-1980.

S. N. MANDAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 1-9-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR HANDLOOM  
QOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 1st September 1980

Ref. No. P.R. No. 987 Acq. 23-II/80-81—Whereas, I, S.N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sur No. 33 land situated at Ali, Bharuch

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bharuch on 24-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Partners of Narayan Estate ;  
1. Punambhai Davjibhai Prajapati—self & P.S. Hoder Nos. 2 to 5.  
2. Manjulaben Ravjibhai Prajapati ;  
3. Padmaben Kanaiyalal Patel ;  
4. Bharatibe Jitendra Shah ;  
5. Purnimaben Jayant Kumar Panchal ;  
Gujarat Housing Board, B. No. 341  
Broach.

(Transferor)(s)

- (2) 1. Dhalman : Shri Abdulrahim Rasulkesor Bhatti  
C/o Shrijinagar Coop, Housing Society ;  
Hafij Manzil, Ali, Disivad,  
Bharuch.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Ali, S. No. 33, duly registered at Bharuch dated 24-1-1980.

S.N. MANDAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date : 1-9-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st September 1980

Ref. No. P.R. No. 986 Acq. 23-II/80-81—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 112, Kanbivasa, Bharuch situated at Bharuch (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer Bharuch on 10-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 296-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Manilal Bhagvandas Patel ;  
Ali, Kachhlvad,  
Bharuch.

(Transferor)

(2) Shri Jagidshbhai Mohanbhai ;  
Chanavalani Chawl, Behind O.N.G.C. Dispensary;  
Bharuch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Kanbivasa, Bharuch, bearing S. No. 11/2 duly registered on 10-1-1980 at Bharuch.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 1-9-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, HANDLOOM HOUSE  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st Septembr, 1980

Ref. No. P.R. No. 989 Acq. 23-II/80-81—Whereas, I, S.N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sur No. 11/2 land situated at Kanbivasa, Broach

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Broach on 10-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Manilal Bhagvandas Patel ;  
Ali, Kachhiavad,  
Broach.

(Transferor)

- (2) Shri Ambalal Balubhai Patel ;  
Punit Co-op. Housing Society ;  
B.No. 17,  
Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Land at Kanbivasa, Broach, bearing S. No. 11/2 duly registered at Broach on 10-1-1980.

S.N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date : 1-9-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM RAOD AHMEDA5AD

Ahmedabad-380 009 the 1st September 1980

Ref. No. P.R. No. 984, Acq. 23-II/80-81—Whereas, I, S.N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 3253—Hissa No. 5 situated at Lakhavad Patti area, Near Vaishalee Cinema, Nadiad,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Jyotindra Suryakant Patel & others ;  
Near Lakhavad Chora, Nadiad.  
(Transferor)
- (2) Maheshwarinagar Coop Housing Society Ltd.,  
Through : Chief Promoter : Jagdishchandra Mohanlal Shah ;  
C/o. Pushkar & Co. Land Organisers ;  
Sardar Bhavan, Near Statue.  
Nadiad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 3253, Hissa No. 5, in the Lakhavad Patti area, T.P.S. No. 1, Nadiad and fully described as per sale deed No. 6, registered in the office of Sub-Registrar, Nadiad in the month of January, 1980.

S.N. MANDAL  
Competent Authority,  
Inspecting asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date : 1st September, 1980.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009 the 3rd September 1980

Ref. No. P.R. No. 1161, Acq. 23-I/80—81—Whereas, I,  
S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Muni 1017/57, Plot No. 82, situated at Hospital Road, Bhuj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Bhuj on 10-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Parbhat Shamaji Bhudia ;  
2. Shri Kar. san Shamaji Bhudia ;  
3. Shri Kanaji Shamaji Bhudia ;  
4. Shri Govind Shamaji Bhudia ;  
Nawawas, Madhapar, Kutch Bhuj. (Transferors)
- (2) Sonara Mahmad Adam Ishak,  
Jakhau Bundar ;  
Adbasa Taluke, Kutch Bhuj. (Transferees)
- (3) 1. Dr. Jagadish H. Mehta ;  
2. Dr. Atul Shivalal Jani ;  
3. Shri Ramanlal Vallabhbhai ;  
4. Dena Bank,  
Bhuj. (person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 444-4-0 sq. yds. bearing plot No. 82, Muni No. 1017/57 situated at Hospital Road, Bhuj and as fully described in the sale deed registered vide Registration No. 48 dated 10-1-1980.

S.N. MANDAL

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 3-9-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009 the 1st September, 1980

Ref. No. P.R. No. 1162 Acq. 23/I/80-81—Whereas, I, S.N.  
MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 454-P, 450-P and 441-1 and Plot No. 180 and 181/1 Situated at G.I.D.. C. Industrial Township, Naroda, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

- (1) M/s Bhagwati Industries,  
Plot No. 180, Naroda Industrial Township,  
Naroda, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) M/s Karma Rice Mill;  
C/o Manoharlal Ramchand ;  
Parsi Chawl, Opp. Maskati Market ;  
Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Property comprises of Industrial shed and office block standing on land admeasuring 10404 sq. mts. bearing R.S. No. 454-P, 450-P and 441-1, and Plot No. 180-181/1 of G.I.D.C. Industrial Township situated at Village Naroda, Distt. Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 1746 dated 22-1-1980.

S.N. MANDAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date : 1-9-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st September 1980

Ref. P.R. No. 1163 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I, S.N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Industrial Bldg. Now known as R. R. Sheet Industries situated at Gondal Road, Near Octroi Naka,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 21-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shashikant Hirjibhai Sinroja ;  
Gondal Road,  
Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Ramniklal Bhanjibhai Patel;  
3, Bhaktinagar Station Plot,  
Rajkot.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building known as R.R. Sheet Industries, standing on land 570-8-36 sq. yds., situated at Gondal Road, Near Octroi Naka, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale deed No. 341/21-1-1980 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date : 1-9-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOORHANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st September 1980

Ref. No. P.R. No. 1164 Acq. 23-1/80-81.—Whereas, I,  
S. N. MANDAL,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingLat No. 179 paiki situated at Bhakhu Bhajipara, Stn. Plot,  
Ambawadi Road, Dhoraji(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Dhoraji on 16-1-1980for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

20—266GI/80

- (1) 1. Shri A. Sattar Jisab Gafuli ;  
2. Fatmabai A. Karim,  
Both at Police Line, Dhoraji,  
Distt. Rajkot.

(Transferor)

- (2) Smt. Shantaben Mohanlal K.neriya ;  
Bhakhubhajipara, Station Plot,  
Ambawadi Road, Dhoraji.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building standing on land admeasuring 775 sq. yds. bearing  
Lat No. 179 paiki, situated at Bhakhubhajipara, Station Plot,  
Ambawadi Road, Dhoraji, duly registered by Registering  
Officer, Dhoraji vide sale-deed No. 22/16-1-80 i.e. property as  
fully described therein.

S. N. MANDAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I Ahmedabad

Date : 1-9-1980,

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Rasiklal Mohanlal Vora;  
Digvijay, Road, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Diwaliben Narshibhai ;  
43, Prahlad Plot, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad.380009, the 1st September 1980

Ref. No. P.R. No. 1165 Acq. 23-J/80-81.— Whereas, I, S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 448 paiki Plot No. 14 paiki land situated at 20, Jagnath Plot, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 24-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot bearing S. No. 448 paiki Plot No. 14 paiki land admeasuring 206-2-0 sq. yds. situated at 20, Jagnath Plot, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale deed No. 435 dated 24-1-1980 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 1-9-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th September 1980

Ref. No. P.R. No. 990 Acq. 23-II/80-81—Whereas, I, **MANGI LAL**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey T. No. 80 S. No. 3442 & 3448 situated at Apex Soda Factory, Kagdiwad, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 21-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Girdharlal Tribhovandas of Ramanand Kot ;  
Ice Bungalow, Ahmedabad.
2. Rameshchandra Ganpatram Engineer;
3. Pareshbhai Ganpatram Engineer;
4. Niranjan Ganpatram Engineer ;  
P.A. Holder of No. 2 & 3, Shivaji Park,  
Radhasadan C-side,  
Bombay.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Shabirbhai Ismailbhai ;
2. Shri Ismailbhai Abdulbhai ;
3. Rashidaben Shabirbhai and guardian  
of Tasnim, Kagdiwad, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property known as "Apex Soda Factory" Kagdiwad, Navsari duly registered on 21-1-1980.

**MANGI LAL**  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 9-9-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD**

Ahmedabad-380 009 the 9th September 1980

Ref. No. P.R. No. 991 Acq. 23-II 80-81—Whereas, I, Mangi Lal,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.T.S. No. 8. S. No. 3442 to 3448 situated at Apex Soda Factory, Kagdiwad, Navsari.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Navsari on 21-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Girdharlal Tribhovandas of Ahmedabad.  
2. Niranjanbhai Ganpatram Engineer self and Attorney of Rameshchandra Ganpatram Engineer;  
3. Pareshbhai Ganpatram Engineer, Shivaji Park, Radhasadan C-Side, Bombay.

(Transferor)

- (2) 1. Shabirbhai Ismailbhai ;  
2. Ismailbhai Abdulbhai ;  
Kagdiwad, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The property known as "Apex Soda Factory" situated at Kagdiwad, Navsari duly registered on 21-1-1980.

Mangi Lal,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, 2nd Floor Handloom House,  
Ashram Road Ahmedabad-380009.

Date : 11-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009 the 9th September 1980

Ref. No. P.R. No. 992 Acq. 23-II 80-81—Whereas, I,  
MANGI LAL,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingSurvey No. 34, Unit No. 3, House No. 6 situated at Vijay Park  
Society, Lunsikui, Navsari.(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferredunder the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer  
Navsari on 10-1-1980.for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Vinodrai Chhotubhai Desai ;  
Smt. Vidulaben Vinodrai Deesai ;  
Lunsi Kul, Vijay Park Society,  
Navsari.

(Transferor)

- (2) Shri Vasant Namdev Pawar;  
G.G. Chawl, Madhumati,  
Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Vijay Park Society, Lunsikui Navsari, House  
No. 6, duly registered on 10-1-1980.

MANGI LAL,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 9-9-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM  
HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009 the 9th September 1980

Ref. No. P.R. No. 1166/Acq. 23-1-80-81—Whereas, I, MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F. P. No. 548/5 of T.P. S. 3 situated at Chhadavad, Ellisbridge, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ahmedabad on 23-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Dineshbhai Trikamlal Sutaria ;  
Sutaria Building, Pritamnagar,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Siddhachakra Cooperative Housing Society,  
66, Shantisadan Estate,  
Laldarwaja, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 218 sq. yds, bearing F.P. No. 548/5, of T.P.S. 3, situated at Chhadavad, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 1821 datd 23-1-1980.

MANGI LAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 9-9-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shantaben Ambalal Sutaria ;  
Sutaria Building, Pritamnagar,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Siddhachakra Cooperative Housing Society Ltd.,  
66, Shantiniketan Estate,  
Lal Darwaja,  
Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR HANDLOOM  
HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 9th September 1980

Ref. No. P.R. No. 1167/Acq. 23-I 80-81—Whereas, I,  
MANGI LAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. F.P. 548/5 of T.P. S. No. 3 situated at Chhadavad, Ahmeda-  
bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Ahmedabad on 23-1-1980

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property, and I  
have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

A property standing on land admeasuring 109 sq. yds. bear-  
ing F.P. No. 548/5 of T.P.S. No. 3 situated at Chhadavad,  
Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered  
vide Regn. No. 1825 dated 23-1-1980.

MANGI LAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 9-9-1980  
Seal :

**FORM TINS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009 the 9th September 1980

Ref. P.R. No. 1168 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.P. No. 548 5 of T.P.S. No. 3, situated at Chhadavav, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhadresh Ambalal Sutariya ;  
Sutaria Building, ritamnagar,  
Ahmedabad.

(Transferor)(s)

- (2) Siddhachakra Coop Housing Society, Ltd.,  
66, Shantisadan Estate, Laldarwaja,  
Ahmedabad.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A building standing on land admeasuring 109 sq. yds bearing F.P. No. 548/5 of T.P. S. No. 3, situated at Chhadavav, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 1824 dated 23-1-1980.

MANGI LAL

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date : 9-9-1980.

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I HANDLOOM, HOUSE,  
ASHRHM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th September 1980

Ref. No. P.R. No. 1169 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I  
MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.P. 548/5 of T.P.S. 3, situated at Chhadavad, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—266GI/80

- (1) Shri Ajitbhai Trikamlal Sutarla;  
Sutaria Building, Pritamnagar,  
Ellisbridge,  
Ahmedabad.

(Transferor (s))

- (2) Siddhachakra Coop Housing Society Ltd.,  
66, Shantisadan Estate,  
Lalrawaja,  
Ahmedabad.

(Transferee (s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 218 sq. yds. bearing F.P. No. 548/5 of T.P.S. No. 3 situated at Chhadavad, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 1820 dated 23-1-1980.

MANGI LAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date : 9-9-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM AHMEDABAD-3800009,

Ahmedabad-380 009, the 9th September 1980

Ref. P.R. No. 1170 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I  
MANGILAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F.P. No. 548/5 of T.P.S. 3 situated at Chhadavad, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice hereby subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Narendrabhai, Trikamlal Sutaria;  
Sutarla Building, Pritamnagar, Ellisbridge,  
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Siddhchakra Coop Housing Society Ltd.,  
66-Shantisadan Estate, Laldirwaja,  
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :—

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 218 sq. yds, bearing F.P. No. 548/5 of T.P.S. No. 3 situated at Chhadavad, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 1822 dated 23-1-1980.

MANGI LAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 9-9-1980.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 9th September 1980

Ref. No. P.R. No. 1171 Acq. 23-1/80-81—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F.P. No. 548/5 of TPS No. 3 situated at Chhadavad, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Prafulbhai Trikamlal Sutaria ;  
Sutaria Building, Pritamnagar, Ellisbridge,  
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Siddhachakra Coop. Housing Society Ltd.,  
66, Shantisadan Estate, Lal Darwaja,  
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 218 sq. yds bearing F.P. No. 548/5 of T.P.S. No. 3, situated at Chhadavad, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 1823 dated 23-1-1980.

MANGI LAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 9-9-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 12th September 1980

Ref. P.R. No. 1172 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1 G 4 Plot No 16-B Plan No. 2, situated at Opp. Pratap Vilas on Palace Road, Jamnagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 8-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Prabhudas Hirachand Premani ;  
Nr. Pratap Vilas, Jamnagar.

(Transferor)

- (2) Shri Govindbhai Bhagwanji Parmar ;  
Opp. Pratap Vilas,  
Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land adm. 5728 sq. feet bearing S. No. 1/G/4, Plot No. 16B of Plan No. 2, situated Opp. Pratap Vilas Palace Jamnagar, duly registered by registering Officer, Jamnagar vide sale deed No. 51/8-80, i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 12-9-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009 the 12th September 1980

Ref. No. P.R. No. 993 Acq. 23-II/80-81.—Whereas, 1 MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1091 and 1092, R.S. No. 276/2 situated at Balajipura area, Opp. Krishna Talkies

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Indirakumari Karansinghji Chandrasinghji ;  
Near Krishna Talkies,  
R.V. Desai Road,  
Baroda.

(Transferor)

- (2) Abhar Construction Co.,  
Through Partner Bhailabhai Jesinghbhai Patel ;  
Opp. Krishna Talkies,  
R.V. Desai Road,  
Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated on the opposite side of Krishna Talkies in the Balajipura area of Baroda, City, bearing S. No. 1091 and 1092 and R.S. No. 276/2 and as fully described as per sale deed No. 40 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda in January, 1980.

MANGI LAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 12-9-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009 the 12th September 1980

Ref. No. P.R. No. 994 Acq. 23-II/80-81 :—Whereas, I  
MANGI LAL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plots 4 and 5 situated at Vithal Udyog nagar, Near Vallabh Vidyanagar,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Manjulaben  
wife of Patel Avavindbhai Chunibhai Bin Parshotamdas;  
Power of Attorney Holder: Patel Harshadbhai Jashbhai;  
2. Patel Shardaben Harshadbhai;  
Behind Kala Kendra, Vallabh Vidyanagar.  
(Transferor)

- (2) Bhagwandas Manjibhai Mistry;  
Shanti Pole, Vallabh Vidyanagar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing plot Nos. 4 and 5 situated in the Vithal Udyog-nagar and as fully described in the sale deed No. 54 registered in the office of Sub-Registrar, Anand in January, 1980.

MANGI LAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 12-9-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 25th August 1980

Ref. No. ARII/2936-9/Feb. 80—Whereas, I, A.H. TAJALE, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing  
C.T.S. No. 20 & Sub-Divides

Plot No. 3 S. No. 75A (Pt) & 75 (Pt) situated at Juhu  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-2-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Smt. Sarala Jaychand Sheth  
Sunjoy Dairy Farm,  
Shri Mahesh M. Doctor,  
Mrs. Sushila R. Mehta,

(Transferor)

- (2) Mrs. Chandrabalaben M. Doctor,  
Shri Chandrakant S. Nagarsheth Trustees of the Doctor Family Trust.

(Transferee)

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in deed No. S-558/79 and Registered on 4-2-1980 with Sub-Registrar of Bombay.

A. H. TAJALE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 25-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Girish K. Munshi

(Transferor)

(2) M/s Godrej Soaps Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 2, BOMBAY

Bombay, the 29th August 1980

Ref. No. II/2955-6/Mr 80—Whereas, I A. H. TAJALE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No 75A(pt.) S. No. 75(Pt) Sub-divided Plot No. 1, C.T.S. No. 22 situated at Juhu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 31-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S 557/79 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 31-3-1980

A.H. TAJALE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II, Bombay

Date 29-8-1980.  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Vanmalidas Hirachand Shah & Sat. Hansaben  
Jayantilal Mehta and M/s Kusumkant  
(Bom, Pvt. Ltd.)

(Transferor)

(2) Santacruz Triveniz Co-op. Housing. Soc. Ltd.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 29th August 1980

Ref. No. AR-II/2964-2/Feb. 80- Whereas, I, A.H. TAJALL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No S. No. 377(C) (pt.) Hissa No. 1 & 2 situated at Santacruz (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 5-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
22—266GT/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1981/63 and registered on 5-4-1980 with the Sub-registrar, Bombay.

A.H. TAJALE

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II, Bombay

Date : 29-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Mansukhlal Maganlal Vora  
Shri Vadilal Maganlal Vora

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Navsurya Prabha Co-op. Housing Soc. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay the 3rd September 1980

Ref. No. AR-III/AP 351/80-81—Whereas, I A.H. TAJALE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1000, Plot No. 1163 situated at Mulund

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-1-1980 Document No.R-3606/72

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, tho the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The Schedule as mentioned in the registered deed No. R-3606/72 and as registered on 16-1-1980/Bom with the Sub-registrar, Bombay.

A. H. TAJALE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 3-9-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
57, RAM TIRATH MARG,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 11th August, 1980

Ref. No. GIR. No. R-148/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house situated at Mohall-Gadariyan, Station Road, Najibabad, Bijnore, Najibabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Najibabad on 22-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kalawati  
(Transferor)
- (2) (1) Shri Rais Ahmad Khan  
(2) Smt. Rafat Fatma  
(Transferee)
- (3) Transferees and tenants  
(Person in occupation of the property)
- (4) Tenants :  
(1) Smt. Santosh Kumari  
(2) Shri Ramesh  
(3) Shri Suresh Chandra  
(4) Shri Mohal Lal  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One house situate at Mohalla-Gadariyan Station Road, Najibabad, Binnore, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 157 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Najibabad, on 22-1-1980.

A. S. BISEN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 11-8-1980.  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,57, RAM TIRATH MARG,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 11th July, 1980

Ref. No. GIR No.P-80/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN being the competent authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 113-D, Civil Station, Allahabad and H. No. 23-D(old) 35 (New) situated at Thornhill Road, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Allahabad on 31-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Pratap Kumar Badhwar  
(2) Pradeep Badhwar

(Transferor)

- (2) (1) Sharad Kumar Varshney  
(2) Manoj Kumar

(Transferee)

- (3) Seller & Sri B.K. Srivastava (Tenant)

[Person in occupation of the property]

- (4) Seller

[Person whom the undersigned  
knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(1) Building known as 23-D old, New No. 35 Thornhill Road Allahabad and (2) Plot No. 113-D, Civil Station, Allahabad, area—3002 sq. yard and 2510 sq. mtrs and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 37-G No. 1470 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 31-3-1980.

A. S. BISEN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 11-7-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ved Kumari Arora

(Transferor)

(2) Shri Manorama Khanna

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, Ramtirth Marg, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd August 1980

Ref. No. GIR No. M-115/Acq.—Whereas I A.S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot B-929, Area 5508 sq. ft. situated at Mahanagar Housing Scheme, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 18-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A vacant plot of land measuring 5508 sq. ft. situated at Mahanagar Housing Scheme, Mahanagar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No. 1013 and the sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 18-2-1980

A. S. BISEN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date - 22-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57 RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 1st September 1980

Ref. No. GIR No. M-116/Acq.—Whereas I A.S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Plot 14 land measuring 140.48 sq. metres situated at Mohalla Sarai Khalsa, Civil Lines, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Moradabad on 29-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt. Sarla Wahi  
(2) Rakesh Wahi,  
(3) Sharad Wahi,  
(4) Manju Wahi  
(5) Alka Wahi,

(Transferors)

- (2) (1) Smt Madhuri Devi,  
(2) Shri Kailash Nath Agarwal

(Transferees)

- (3) Above sellers

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 14.48 sq. meters under Plot No. 14 situate at Mohalla Sarai Khalsa, Civil Lines, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in form 37-G No. 425/80 and the sale deed which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Moradabad, on 29-2-1980.

A. S. BISEN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 1-9-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 12th September, 1980

GIR No. S-193/Acq.—Whereas, I A.S. BISEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11, Mahatma Gandhi Marg, Lucknow situated at Lucknow

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 9-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

1. (1) Maj General Enaith Habibullah  
(2) Sheikh Ali Bahadur Habibullah (through Maj. Gen. F. Habibullah constituted attorney of serial no. 2 above)  
Both above sons of Shiekh Mohammad Habibullah.  
(Transferor)
2. (1) Shri C.B. Lal S/o Shri Rasik Behari Lal  
(2) Shrimati Sant Kumari w/o Shri C.B. Lal  
(3) Master Rohit  
(4) Master Mudit  
(5) Master Shobit  
Minor sons of Shri C.B. Lal and Smt. Sant Kumari through their guardian, Shri C.B. Lal all R/o No. 4, Valmiki Marg, Lucknow.  
(6) Shri Sharawan Kumar Gupta s/o Lala Baldeo Prasad Gupta  
(7) Smt. Karuna Gupta W/o Shri Sharawan Kumar Gupta  
(8) Master Ram Anuj  
(9) Master Balram Anuj.  
Minor sons of Shri Sharawan Kumar Gupta and Smt. Karuna Gupta through their guardian Shri Sharawan Kumar Gupta.

All R/o Mohalla Dhakwa, P. O. Oel, Distt. Lakhimpur Kheri.

- (10) Shri Ram Kishore Gupta S/o L. Lal Baldeo Prasad.
- (11) Smt. Munni Gupta W/o Shri Ram Kishore Gupta.
- (12) Shri Anil Kumar Gupta S/o Shri Ram Kishore Gupta.
- (13) Smt. Uma Gupta W/o Shri Anil Kumar Gupta.
- (14) Master Bharat Kumar Gupta, minor S/o Shri Anil Kumar Gupta and Smt. Uma Gupta through his legal guardian Shri Anil Kumar Gupta  
All R/o 54 Subhash Marg, Lucknow.
- (15) Shri Ashok Kumar Gupta S/o Lala Baldeo Prasad Gupta.
- (16) Smt. Pushpa Gupta W/o Shri Ashok Kumar Gupta.
- (17) Master Ram Manuj minor S/o Shri Ashok Kumar Gupta and Smt. Pushpa Gupta through his guardian Shri Ashok Kumar Gupta.  
All R/o 54, Subhash Marg, Lucknow.
- (18) Shri Kesri Kumar Gupta S/o Lala Baldeo Prasad.
- (19) Smt. Prem Lata Gupta W/o Lala Baldeo Prasad Gupta
- (20) Master Vijai Kumar Gupta.
- (21) Master Ajai Kumar Gupta alias Ram Charan Gupta minor sons of Shri Kesri Kumar Gupta and Smt. Premilata through their guardian, Shri Kesri Kumar Gupta.  
All R/o Mohalla Dhakwa, P.O. Oel, Distt. Lakhimpur Kheri.  
(Trustee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, **within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.**

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building and land- Parcel of land measuring 2078.44 sq. mes. of the plan of Estate No. 11, Mahatma Gandhi Marg, Lucknow and all that property which is mentioned in the sale deed and Form 37-G No. 3936/80 which have duly been registered in the Office of the Sub-Registrar Lucknow on 9-1-1980

A. S. BISEN  
Competent Authority  
Inspecting asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 12-9-1980.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Harinam Singh s/o Dilipati r/o Timare, Parg, Orai,  
Distt. Jalaun

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Prabhu Dayal and Pratap Singh s/o Shri Nathuram  
r/o Kusamalia, Parg : Orai, Distt. Jalaun

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th August, 1980

Ref. No. 13/Acq/79-80/Jalaun—Whereas, I B.C. Chaturvedi being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- number as per Schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Orai (Jalaun) on 9-1-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural Land situated at Mauja : Timare, Parg Orai, Distt. Jalaun which was sold for Rs. 24,000/-.

B.C. CHATURVEDI

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-8-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd August 1980

Ref. No. 1716/A/Roorkee/79-80- Whereas, I B.C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on 23-1-190

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—226 GI/80

- (1) Shri Akshaya Kumar Jain S/o Late Jala Sunder Lal Jain  
r/o Moh : Purani Tehsil Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

- (2) Shri Chuni Lal s/o Shri Roohi Ram  
R/o Kaptan Majari, Post : Sadhora,  
Teh : Naraingarh, Distt. Ambala.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One Ahata bearing No. 252, measuring 1/2 part of total area 1955sq.Ft., situated in Purani Tehsil Roorkee, Distt. Saharanpur which was sold for Rs. 35,000/-.

B.C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 2-8-1980,

Seal :

Form ITNS—

- (1) Shri Akshaya Kumar Jain s/o Late Lala Sunder Lal Jain  
R/o Purani Tehsil Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. Shakuntala Rani w/o Khushiram  
R/o Ram Nagar Colony near Roorkee Hyde Sub-Station Roorkee, Distt Sharanpur

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd August 1980

Ref. No. 1717-A/Roorkee/79-80—Whereas, I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

at Roorkee on 23-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One Abata bearing no. 252, measuring 1/2 part of total area 1955 sq. ft., situated at Purani Tehsil Roorkee, Distt. Saharanpur which was sold for Rs. 35,000/-.

B.C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date ; 2-8-1980  
Seal ;

## FORM ITNS—

(1) Shri Abdul Sattar /so Shri Liyakat Hussain Abdul Kalam S/o Abdul Sattar.  
r/o Devband Moh : Takan Parg : Khas Distt. Saharanpur  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur the 2nd August, 1980

Ref. No. 1623-A/Devband/79-80—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the competent authority under Section 269 B of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Devband on 14-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Braj Bhooshan and Ram Sharan s/o Krishna Lal r/o Vill : Bahedi, Distt. Muzaffarnagar Present Address : Moh : Takan No. 10/272 & 273 Distt. Saharanpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One House Property bearing No. 10/272 & 273, situated at Moh : Takan, Kasba : Devband, Distt. Saharanpur which was sold for Rs.40,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 2-8-1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur the 12th August, 1980

Ref. No. 1797-A/Hardwar/79—80—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hardwar on 28-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Lala Keshav Ram Agarwal S/o Shri Ashw. Ram Pushpendra Kumar and Ved Kumar S/o Shri Keshav Ram R/o 28, Right Ganj, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Sardar Harjit Singh, Gajendra Singh and Bhajan Singh S/o Shri Sant Singh, Jitendra Pal Singh s/o Herjit Singh r/o Ambala Road, Saharanpur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property in question is a piece of Land bearing Khasara No. 673, 674, and 675 measuring 49898 Sq. ft. situated at Vill : Ahmedpur near Hardwar Roorkee Road, Jwalapur, Distt. Saharanpur, which was sold for Rs. 2,00,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range Kanpur

Date : 12-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR  
Kanpur, the 12th August, 1980

Ref. No. TRNo. 883/Acq/Aligarh/79-80. Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh on 28-1-1980

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Raghubir Prasad Gupta s/o Shri Rai Bahadur Seth Shoo Prasad Self and Power of attorney Smt. Kastoori Devi, Shantidevi, Suresh Gupta self and Minor son Shri Ashok Gupta and Ravendra Gupta and Shri Harigovind r/o Mohalla : Ghuria Bagh, Aligarh.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Kumar Varshney s/o Late Shri Babulaji r/o 9/3, Katra, Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

One house Property bearing No. 9/75, measuring 294.12 Sq. Mtrs. situated at Mohalla : Chippeti, Modikhen, Aligarh which was sold for Rs. 45,000/-.

B.C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 12-8-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th August 1980

Ref. No. 958/Acq/Farrakhabad/79-80—Whereas, I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule Situated as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Farrakhabad on 2-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ram K. ur w/o Sri Ram Lal and Anurik Lal s/o Ram Lal r/o Garhi Kohna, Farrakhabad.  
(Transferor)
- (2) Smt. Pramila Chhabra widow of Late Sri Mohanlal, Railway Road, Farrakhabad.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House property measuring 410 sq. Mtrs. and another property measuring 445 sq. yeds. situated at Mauja : Garhi Navab Nyamat Khan, Farrakhabad which was self for Rs. 50,000/-.

B.C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 12-8-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Smt. Krishna Murti w/o Late Sri Shashi Chand and Kailash Chand, Narresh Chandra, Dinesh Chandra and Yogendra Chandra Sharma s/o Late Sri Shashi Chand r/o Brahmpuri, Meerut.

(Transferors)

- (2) Shailendra Tyagi and Satyendra Tyagi s/o Shri M.S. Tyagi r/o Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR;

Kanpur, the 5th September 1980

Ref. No. 1750-A/Meerut/79-80—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 23-1-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later :

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property with Plot bearing No. 44 measuring 2,000 Sq. Yds, situated at Saket, Meerut which was sold for Rs. 1,60,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-9-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th September 1980

R.ef. No. 1764-A/Meerut/79-80—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number as Per Schedule situated at : s per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 18-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Pushp Lata alias Pushpa Devi w/o Sri Krishna Gopal r/o 35/25, Mohalla : Dalampera, Meerut City.

(Transferor)

(2) Shri Narendra Kumar Mahajan s/o Shri Charan Dass r/o 154/5, Devi Nagar, Suraj Kund Road, Meerut City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 175 (Old No. 174), measuring 365 Sq. Yds, situated at Ram Bagh Suraj Kund Road, Meerut City which was sold for Rs. 37,500/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Dtge : 5-9-1980,  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

## KANPUR

Kanpur, the 14 August 1980

Ref. No. 1657-A/Ghaziabad/79-80—Whereas B. C. CHATURVEDI,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing and bearing number as Per Schedule situated at as Per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 14-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating at the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
24—266 GI/80

(1) Shri Mohd Chandra, Sarni and Ram Saran s/o Shri Nainoo and Likhiram s/o Shashiram r/o Ghonjha Tilapatabad, Teh : Dadri, Distt: Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Dharmprastishanam Banglore, E-9, Defence Colony, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. and measuring 61/4H3, revenue for Rs. 21.45 yearly situated at Ghonjha Tilapatabad, Teh. Dadri, Distt: Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Kanpur

Date : 14-8-1980  
Seal :

Form ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 14th August 1980

Ref. No. 1659-A/Ghaziabad/79-80—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number As Per Schedule situated at is Per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dadri on 14-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Moose Duli Khan, Kasam s/o Ajimulla, Ajmeri s/o Chhatre, Alla Raji s/o Shamsher r/c Ghenjha Tilapatabad, Teh: Dadri, Distt: Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Dharmprasthnam, Bangalore, E-9, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An Agricultural Land bearing No. and measuring 56/1113 revenue for Rs. 7.60 yearly situated at Genjha Tileptbad, Teh. Dadri, Distt: Ghaziabad which was sold for Rs. 16,830/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Income-tax, Acquisition  
Range, Kanpur

Date : 14-8-1980.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 14 August 1980

Ref. No. 1658-A/Ghaziabad/79-80—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 14-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Moose Duli Khan, Kasam s/o Ajimulla r/o Gcnjah Tilapatabad, Teh: Dadri, Distt: Ghaziabad.  
(Transferor)
- (2) Dharmprasthanam Bangalore, E-9, Defense Colony, New Delhi, through Saint sheregil.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. and measuring 62/4III, revenue for Rs. 22-20 yearly, situated at Gcnjah Tilapatabad Teh: Dadri, Distt: Ghaziabad which was sold for Rs. 48,960/-

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Kanpur

Date : 14-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14 August 1980

Ref. No. 1620 /Devband/79-80—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Saharanpur on 10-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Shyam Singh s/o Chowdhari Asa Ram r/o Tiken kothi near Civil Hospital, Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Girja Singh s/o Nasib Singh r/o Vill : Nathera Khurd, Post : Biraun Bshda, Parg : and Teh : Devband, Distt : Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. 228, measuring 1500 Sq. Yds., situated at Khan-Alampura near Gandhi Ashram, Railway Fatak, Saharanpur City which was sold for Rs. 45,000/-

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur

Date : 14-8-80  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Shyam Kanta Seth w/o Sh. Ram Nath Seth r/o  
H. No. 14/102-A, Civil Lines, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Randhir Singh, Ranjit Singh and Amar Singh S/o  
Baboo Ram r/o Jajpur, Teh: & Distt: Kanpur.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 16th August 1980

Ref. No. 1695-A/Kanpur/79-80—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 28-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. 141 measuring 16III + 12, situated at Vill : Senia, Parg : & Distt : Kanpur which was sold for Rs. 71,336/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Kanpur

Date : 16-8-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 14th August, 1980

Ref. No. RAC. No. 1745-A/Meerut 79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

as per Schedule situated as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 29-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Atma Ram Jain s/o Shri Roop Chand Jain  
r/o Ashok Nagar, Allahabad.

(Transferor)

(2) Shri Satpal s/o Gokul Chand r/o 842, Baghat Road,  
Meerut City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. B-8, Khasara No. 1617 measuring 245 Sq. Yds., situated at Kasbar: Meerut City, Moota Kuwan Colony Shambhoo Nagar, Baghat Road, Meerut City which was sold for Rs. 17,150/-

B. C. CHATURVEDI,

Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Income-tax, Acquisition Range  
Kanpur

Date : 14-8-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 14th August 1980

Ref. No. 1746-A/Meerut/79-80— Where as I, B. C.  
CHATURVEDI,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. as per Schedule situated at as per Schedule(and more fully described  
in the Schedule annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer at  
Meerut on 29-1-80for an apparent consideration which  
is less than the fair market value of the aforesaid property,  
and I have reason to believe that the fair market value of  
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(1) Shri Atma Ram Jain s/o Shri Roop Dhandra Jain  
r/o Ashok Nagar, Allahabad.

(2) Smt. Sudesh Paul w/o Shri Satpal r/o 842,  
Baghpat Gate, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. B-8, Khasara No. 1617  
measuring 242 Sq. Yds., situated at Kasba : Meerut, Moota  
Kuan, Colony Shambhoo Nagar, Baghpat Road, Meerut  
City, which was sold for Rs. 16,940.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Kanpur

Date : 14-8-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur the 14th August 1980

Ref. No. 1679 A/Ghaziabad/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 16-1-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Ram Bal and Hukam Singh s/o Shri Umrao r/o Genjha Tilapatabad, Teh : Dadri, Distt : Ghaziabad.  
(Transferor)
- (2) Shri Dharmprastishnam, Bangalore, E-9, Defence Colony, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural Land 59/III/2, revenue for Rs. 7.40, situated at Genjha Tilapatabad Teh: Dadri, Distt: Ghaziabad which was sold for Rs. 16,320/-

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-8-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th August 1980

Ref. No. 1616-A/Baghpat/79-80—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bagpat on 14-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—266 GI/80

(1) Shri Sita Ram s/o Bhagmal alias Lalman r/o Jages Post : Shabga, Parg : Kotana, Teh. Baghpat, Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Baboo Ramand Om Pal Singh & Mahipal Singh s/o Har Naranain Singh r/o Shabga, Post. Khas, Parg. Kotana, Teh. Baghpat, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing Khasara No. 259 measuring 11-14-8, revenue for Rs. 85/- per year, situated at Jages Bangar, Parg. : Kotna, Teh. Baghpat, Distt. Meerut, which was sold for Rs. 42,500/-

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date - 16-8-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th August 1980

Ref. No. 1632-A/Ghaziabad/79-80—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 9-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri M/s. Mahalaxmi Land & Finance Co., Ltd., E-B Jindal Trust Building, Asaf, Ali Road, New Delhi, through General Attorney Shri Ashok Kumar Chhabra s/o Shri Deshraj Chhabra r/o 1 Ring Road, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Tejendra Singh Bhatia s/o Shri Pritam Singh Bhatia r/o Third (D)/21-A, Nehru Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A Plot bearing No. 48, measuring 254-726 Sq. Mtrs. situated at Nehru Nagar and a Plot bearing No. 48-A, measuring 316-330 Sq. Mtrs. situated at Ashok Nagar, Ghaziabad, which was sold for Rs. 41,000/-

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-8-1980

Seal :

FORM ITNS— —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th August 1980

Ref. No. 1655-A/Ghaziabad/79-80—Whitings, J. B. C.  
CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dadri on 14-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagm (Balig) & Om Prakash (Nabaling) s/c Naidu Vali and Guardian Smt. Ram Pyari (Mother) Self and Mathura s/o Kishan r/o Genjha Tilapatabad, Teh: Dadri, Distt: Ghaziabad. (Transferor)
- (2) Shri Dharmpratishtanam Bangalore, E-9, Defence Colony, New Delhi through Saint Shergil. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. 60/31/2, revenue for Rs. 15.45 yearly situated at Genjha Tilapatabad, Teh: Dadri, Distt: Ghaziabad which was sold for Rs. 34,170/-

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-8-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th August 1980

Ref. No. 1637-A/Meerut/79-80—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as Per Schedule situated as per Schedule (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 11-1-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Niwas Gupta s/o Shri Chiranjil r/o Kailashpuri Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Kudas Singh s/o Har Pal Singh r/o Village : Mubarik pur, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

On Ahata measuring 600 Sq. Yds., situated at Kailashpuri, Meerut which was sold for Rs. 24,000/-

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur

Date : 16-8-1980.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th August 1980

Ref. No. 1654-A/Ghaziabad/79-80—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as for Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 14-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Pal, Hukma Singh s/o Umray r/o Genjha Tilapatabad, Teh. Dadri, Distt: Ghaziabad. (Transferor)
- (2) Shri Dharmprastishanam Banglore, E-9, Defence Colony, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette** or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. and measuring 59/1112, revenue yearly for Rs. 7-40, situated at Genjha Tilapatabad, Teh : Dadri, Distt: Ghaziabad which was sold for Rs. 16,320/-

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur

Date: 14-8-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30 August 1980

Ref. No. 1772-A/Hapur/79-80—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEUDLE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hapur on 9-1-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kanti Prasad Sharma s/o Shri Bhagwat Prasad Sharma r/o Chahkamel Hapur and Asharam s/o Shri Ram Chandra r/o 37, Aarya Nagar, Hapur Miller-Am Minjanib Singh Ratan Lal Goenka s/o Shri Tula Ram Goenka r/o 63-D, Calcutta-53 and Shri Modhav Prasad Goenka s/o Shri Kanhaya Lal Goenka r/o Calcutta-40 and Shri Gopal Goenka s/o Munna Lal Goenka & Smt. Gulab Devi Goenka Widow of Shri Devki Nanadan Goenka r/o Calcutta-53.

(Transferees)

(2) Shri Rajendra Kumar s/o Shri Suresh Chand r/o Moh : Building Nihal Chand Chandi Road, Hapur,, Distt : Ghaziabad.

(Transferee,)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A Part of Land measuring 520 Sq. Yds. and 7 Sq. Fts., situated at Mohalla, Pech Khurjewalan Garh Road, Hapur Distt : Ghaziabad which was sold for Rs. 44,266/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range

Kanpur

Date : 30-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 29th August 1980

Rdf. No. 1665-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 9-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Amrit Sehgal s/o Shri Desh Raj Sehgal, r/o 8/53, Jangpura Extension, New Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Mehra w/o Shri Prakash Chand Mehra, r/o 2C-A, Rajpura Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A Plot bearing No. 21, Block 'C' measuring 800 Sq. Yards, situated at Kanta Suri Colony, Sector VII, Surya Nagar (of Ghaziabad Development Authority), Tehsil Dadri, Distt: Ghaziabad, which was sold for Rs. 60,000/-

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I  
Kanpur

Date - 29-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR  
Kanpur, the 29th August 1980

Ref. No. 1633-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 9-1-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mitra Sen Jain s/o Lala Prem Sukh Dass Jain  
r/o 144, Ganchi Nagar, Ghaziabad. (Transferor)  
(2) Smt. Prakashwati w/o Shri Motilal r/o Vikas  
Nagar, Dehradun, Distt : Dehradun. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.  
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

As immovable property City Board No. 141, measuring 405 Sq. Mtrs., situated at Model Town, East Ghaziabad, which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Kanpur

Date : 29-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Jheda r/o Likkhi r/o Genjha Tilapatabad, Teh: Dadri, Dist: Ghaziabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dharmprasthnam Banglore, E-9, Defence Colony, New Delhi, through Saint Shergil.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th August 1980

Ref. No. 1656-A/Ghaziabad/79-80—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Dadri on 14-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

62—2660†/70

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. 53 measuring 2 Bigha and 13 Biswa, situated at Genjha Tilapatabad, Teh: Dadri, Dist: Ghaziabad which was sold for Rs. 27030/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Kanpur

Date : 14-8-1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 14th August 1980

Ref. No. 1677-A/Dadri/79-80—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dadri on 16-1-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mool Chand, Saeni Ram Saran Guardian, Mool Chand Bhai Haqiqi sons of Nainu, Likhi Ram S/o Shish Ram RO Genjha Tilpatabad Teh Dadri Distt Ghaziabad

(Transferor)

(2) Shri Dharm Prtishthan Bangalore 39 Defence Colony, New Delhi through Sant Sher Gill

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land 61 Lagani Rs. 21.45 situated in  
4113  
Tilpatabad Reh Dadri Distt Ghaziabad

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Kanpur

Date : 14-8-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 5th September 1980

Ref. No. 1655-A/Ghaziabad/79-80—Whereas I, B. C.  
CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer, at Garhmukteshwar on 15-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri M/S Kapil Theatre Garhmukteshwar Regd. Partnership concern through partners Col. Kapil Deo Sharma Retired s/o Shri Deo Dutta Sharma self and as Mukhtar-am, from Sri Umesh Sharma r/o Satish Building Hippitank, Meerut, Sita Ram Sharma s/o Ram Das Sharma, Dinesh s/o Bawari Lal, Basudeo Bhardwaj s/o Ranjeet Singh, r/o Garhmukteshwar, Sonapat, Haryana respectively.

(Transferor)

(2) M/s Gursaran Palace Delhi through partners Sardar Surendra Singh, Amar Pal Singh s/o Uttam Singh Kablee r/o 10/12 Guru Govind Singh Marg New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot known as Kapil Theatre Garhmukteshwar measuring 2753 Sq. yos.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur,

Date : 5-9-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Savitri Goel w/o Shri K. C. Goel r/o Panchsheel Park New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Banas Devi w/o Rameshwar Dayal Goel, 81 Goel Bhawan Rajendra Nagar Meerut City.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 3rd September 1980

Ref No. 1744-A/Meerut/79-80—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut in 30-1-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-7 measuring 1000 Sq. Yds. Aurangshahpur Digeep Ragnao Teh, and Dist. Meerut.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur

Date : 3-9-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Vivek Nath Chaudhry, s/o Shri Narendra Nath Chaudhry, r/o Vill. Madhara, Teh : Mawana, Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Kumar, w/o Shri Prem Nath Singh, r/o 275, Uttam Batika, Western Kutchery Road, Meerut.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 10th September 1980

Ref. No. 1635-A/Meerut/79-80 - Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 15-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land in kothi Uttam Batika, situated at Western Kutchery Road, Meerut, sold for Rs. 35,000/-fair market value of which exceeds more than 15% of the apparent consideration.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur

Date : 10-9-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, 10th September, 1980

Ref. No. TR No. 947/Acq/Mathura/79-80—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 11-1-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Vidyawati Devi w/o Sri Satya Narain r/o Raman. reti Brindaban, Teh. & Distt: Mathura.  
(Transferor)
- (2) Shri Swami Hargovind s/o Shyam Lalji r/o Dausamat Brindaban, Teh: & Distt: Mathura.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot (Land) bearing Khasra No. 116 measuring 1-46 1/2 Acres it means 6000 Sq. Yds. Water Rate No. 535 situated at Brindaban Bangar, Distt : Mathura which was sold for Rs. 125,000/-

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Kanpur,

Date : 10-9-1980  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Braj Lal Bhonga Vakil s/o Lala Khushi Ram Bhonga  
r/o Adarsh Nagar Hall Siri Katra, Shahganj,  
Agra.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 10th Sept. 1980

Ref. No. TR No. 879/Acq/Agra/79-80—Whereas I, B. C.  
CHATURVEDI,being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
an entry in the Schedule situated at as per Schedule(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Agra on 18-1-80

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid  
property, and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the said  
Act, in respect of any income arising from the  
transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferor for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(2) Shri Satya Prakash Sharma s/o Shri Beni Prasad  
Sharma and Shri Rajendra Kumar Sharma s/o Sri  
Lochan Prasad Sharma r/o Siri Katra Shahganj,  
Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

A. House Property bearing Old No. 1018/1019 and New  
No. 15/130 situated at Bhogipura Mohal : Meer Sahej Ali  
Patti Jugal Kishore, Loha Mandi Ward Parg. & Distt :  
Agra, which was sold for Rs. 65,000/-

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur

Date : 10-9-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th Sept. 1980

Ref. No. TR No. 876/Acq./Hapur/79-80—Whereas,  
J. B. C. CHATURVEDI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
number as per Schedule situated at as per Schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Aitmadpur on 18-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition  
of the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fol-  
lowing persons, namely :—

(1) Shri Chhedi Lal alias Ram Prakash s/o Charan  
Singh and Mukesh Kumar alias Mukesh s/o Sri  
Charan Singh r/o Iradat Nagar, Post : Khas, Teh:  
Khera Garh, Distt: Agra

(Transferor)

(2) Shri Inder Singh s/o Sri Madho Singh, Hoti Lal and  
Dal Chand s/o Sri Hetram, Ram Singh s/o Sri  
Basti Ram and Brajesh Kumar s/o Lakhmi Chandra  
and Hari Om s/o Sri Bhagwati Pd s/o Mauja &  
Post: Mukhtar, Teh: Aitmadpur, Distt: Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the date  
of publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural land situated at Mauja: Mukhtar, Post:  
Mukhtar Teh. Aitmadpur, Distt: Agra which was sold for  
Rs. 63,000/-

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur

Date: 4-9-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Gopal Mital s/o Lala Gauri Shanker  
Mital r/o Kitla Station Road, Firozabad.

(Transferor)

(2) Janta Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd, Firozabad  
through Sri Hem Chandra Agarwal. Secretary  
of above Samiti s/o Sri Rameshwar Dayal r/o Jalre  
Road, Kasba: Firozabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th September 1980

Ref. No. TR No. 882/Acq/Firozabad/79-80—Whereas  
I, B. C. CHATURVEDI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the In-  
come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
number as per Schedule situated at as per Schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Firozabad on 23-1-80  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No. 628, measuring 16000 Sq. Fts.  
situated at Village : Sukhmalpur Nizamabad, Teh : Firozabad,  
Distt : Agra which was sold for Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

27—266QI/80

Date: 10-9-1980

Seal :

Form ITNS—

(1) Shri Raj Kumar Chhabra s/o Sri Harbans Lalji Chhabra, r/o T-28, Jaipur House Loha Mandi, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Viseshwar Lal s/o Sri Jaigopal Dasji and Smt. Shila Devi alias Sheela Rani w/o Sri Viseshwar Lal r/o 88, Nehru Nagar, Agra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th September 1980

Ref. No. TR No. 878/Acq/Agra/79-80—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Agra on 22-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. 175, Jaipur House Colony, Agra, measuring 572 Sq. Yds., which was sold for Rs.65,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, KANPUR

Date : 4-9-1980.

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE**

Bihar, Boring Canal Road, Patna-800001

Patna-800001, the 8th August 1980

Ref. No. III/432/Acq/80-81—Whereas, I, J. Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 11 (old) 18 (New) Thana No 4, Plot No. 84, etc. situated at Rajendra Nagar Road No. 2, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patna on 16-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gopi Krishna Singh, S/o. Late Babu Ishwarl Pd. Sinha, At. Congress Maidan, Kadamkuan, Patna-3.

(Transferor)

(2) Shri mati Sushila Devi, w/o. Shri Lalji Prasad, At. Mohalla Jagatnarainlal Road, Kadamkuan, Patna-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land 3 Katha 3 Dhur 13 Dhurki situated at Mohalla Rajendra Nagar Road No 2 Patna more fully described in deed No. 103 dated 16-1-1980 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bihar Patna

Dated 8-8-1980.

Seal :

**FORM ITNS**(1) Shrim ti (Dr) Sheela Sharan, W/o. Gopal Sharan,  
Road No.12, Rajendra Nagar, Patna-16.

(Transferer)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Shri Harnam Das Mankani, S/o. Shri Ishwar Das,  
Resident of Boring Road, Patna.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BIHAR,  
Boring Canal Road, Patna-800001**

Patna-800001, the 8th August 1980

Ref. No III433/Acq/80-81—Whereas, I, J. Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Touzi No. 14/805, Khata No. 125, Khesra No. 1061, Ward No. 34, Circle No. 246 etc, situated at Dugra (Boring Canal Road) Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Patna on 18-1-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

3-41 Katha land at Mouza Dugra (Boring Canal Road) Patna more fully described in deed No. 161 dt. 18-1-1980 registered with the D. S.R. Patna.

**J. NATH**

Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Dated : 8-8-80

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sm. Smritikana Mitra, 18/2, Ballygunge Circular Road Calcutta.  
(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Krishna Agarwala, 2 Basudeo Agarwala,  
3. Laxminarayan Agarwala, 4 Ratanlal Agarwala,  
5 Lalit Kumar Agarwala at- Jugsalai, Tatan gar,  
Bihar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800001, dated 11 Sept 1980

Ref No III 438/Acq/80-81— Whereas, I, J. Nath,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property having  
a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing  
No. 21/2858 (Cha) settlement Plot No 275 Town Plan Plot  
No. 70 and 1/2 of 71

situated at Mauza Barmasia Taluk Rohini Taraf Rupsagar  
Town, Deoghar, (S P)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Calcutta on 17-1-1980.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid  
property, and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration for  
such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land about 1 Bigha 15 Cottahs 10 Chittacks with Building  
"Smriti" situated at Mauza Barmassia, Taluk Rohini, Town,  
Police station Deoghar (S P) more fully described in deed no  
1 303 dated 17-1-80 registered with Instance of Registrar  
Calcutta.

J NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range Bihar Patna

Dated 11-9-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX**

Acquisition Range, Bihar,

Patna-800001, dated the 11 Sept. 1980

Ref. No. III-459/Acq/80-81-- Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing bearing Khata No. 69 & 7 Plot No. 1363 and 1262, etc. situated at Mouze Tumadaha, P. S. Govindpur Dist-Dhanbad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Beloo Burman of Dhanbad, PO, & P. S. Dhanbad (Transferor)

(2) M/s Kedia Forging & Engineering Works (P) Ltd of 161/1 Mahatama Gandhi Road, Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land 1.66 Acres situated at Mouze Tumadaha, P. S. Govindpur Dist-Dhanbad more fully described in deed no. 1 283 dated 15-1-80 registered with the Registrar of Insurance of Calcutta.

**J. NATH**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar,  
Patna

Dated 11-9-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range Bihar,

Patna-800001, dated 11 Sept. 1980

Ref No III 440 /Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing Holding No 349, Ward No 15, Hazari bagh situated at Hazaribagh (Malvia Road) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hazaribagh on 14-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jitendra Kumar Motilal S/o Late Rai Saheb Di Narendra Kumar Motilal, of Boddam Bazar, P O Dist. Hazari-bagh.  
(Transferee)
- (2) Smt Henoy Roy W/o Sri Shambhu Nath Roy of Khalasi Mohalla, P O /PS Midhupur, Dist Santhal Pargana.  
(Transferee)
- (3) Shri Kamta Prasad (Tenant) of. Malvia Road P O. (Dist-Hazaribagh)  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building area 566 sq. ft situated at Malvia Road, Hazari-bagh more fully described in deed No 154 dated 14-1-80 registered with the District-Sub Registrar, Hazaribagh

J NATH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Bihar, Patna

Dated 11-9-1980  
Seal :

FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## ACQUISITION RANGE

Patna-800001, dated the 11 Sept. 1980

Ref No III-411/Acq/80-81—Whereas, J, J NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and being

Touni No 3418 Thana no 348 Khata No 82, & 97 Kesia No 291 292 & 293 situated at Mouza-Mokimpur Begusarai Pargana Balia, Thana and Dist Begusarai, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Begusarai, on 5-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bind Ranjan Pd Singh s/o Negeshwar Pd. at Begusarai Pargana -Balliya, P O & P. S Begusarai Dist-Begusarai

(Transferer)

(2) Shri Brendra Pd Singh, Bishambhar Pd Singh S/o Banarsi Pd Singh, At & P O Dih, Pargana Malki P S Baraunt Dist-Begusarai

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 2 Katha situated at Mauza Mokimpur Begusarai more fully described in deed no 2143 dated 5-3-80 registered with the District Sub Registrar Begusarai

J NATH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bihar, Patna

Dated 11-9-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna-800001, the 11 September 1980

Ref. No. III 442/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touri No. 3418 Thana No. 348 Khata No. 82 & 97 Kasra No. 291, 292 & 293

situated at Mauza Mokimpur Begusarai, Pargna, Bahia, Thana Dist. Begusarai.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Begusarai on 5-3-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
28—266GI/8

(1) Shri Proful Ranjan Singh s/o Nageshwar Pd. at Begusarai, Pargna—Baliya, P. O. & P. S. Begusarai, Dist. Begusarai.

(Transferee)

(2) Shri Birendra Pd. Singh & Bishambhar Pd. Singh, s/o Banarshi Pd. Singh. At-Dih, Pargana Malki, P.S. Barauni Dist-Begusarai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 2 Katha situated at Mauza Mokimpur Begusarai more fully described in deed no. 2142 dated 5-3-80 registered with the District Sub-Registrar—Begusarai.

J. NATH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bihar  
Patn

Dated : 11-9-1980

Seal ;

FORM ITNS

(1) Shri Swami Sitaram Sharanji Maharaj, Follower Late Mahanth Ram Kripal Sharanji Maharaj, Temple Thakur Ramjankiji Laxamankila Ayodhya, P. S. & P. Q. Ayodhya, Distt. Faizabad.

(Transferr)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kumar Inderjit Singh, S/o. Late Shri Chuannilal At & P. O. Mathar, Distt. Nalanda.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna-800001, the 11th September 1980

Ref. No. III 443/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Touzi No. 10084, Thana No. 387, Khata No. 3&24. etc. situated at Mauza Makhadumpur, Thana : Silad, Distt. Nalanda.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nalanda. on dated nil month January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 6 acres 33 decimals situated at Makhadumpur Nalanda, more fully described in Deed No. 1100; dated January 1980 registered with the District Sub-Registrar, Nalanda.

J. NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bihar,  
Patna

Dated : 11-9-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 11th September 1980

Ref. No. III 444/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Touzi No. 10084, Thana No. 387, Khata No. 3, 23, & 17 etc; situated at Mauza Makhadumpur, Thana : Silao, Distt. Nalanda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nalanda. on January, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Swami Sitar m Sharanji Maharaj, Follower Late Mahanth Ram Kripal Saranji Maharaj, Temple Thakur Ramjankiji, Lazankila Ayodhya, P. S. & P. O. Ayodhya, Dt. Faizabad.  
(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar, S/o Shri Kumar Inderjit Singh, At & P. O. Mat-har, Distt. Nalanda.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 4 acres 21 decimals situated at Makhadumpur, Nalanda more fully described in deed No. 1094; dtd. January 1980 registered with the District Sub-Registrar, Nalanda.

J. NATH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Patna

Date : 11-9-1980

Sd/-

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna-800001, the 11th September 1980

Ref. No. III 445/Acq/80-81.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Tousi no. 10084 Thana No. 387 Khata No. 3  
etc.

situated at Mouzn Magadampur, Thana Silao, Dt. Nalanda. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nalanda on Date Nil Month January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Swami Sitaram Saranji Maharaj, Follower Late Mahanth Ram Kripal Saranji Maharaj Temple Thakur Ramjanki, Laxmankila Ayodhya, P. S. & Singh, At & P.O. Mathar, Dt. Ualanda. (Transferer)  
(2) Shri Ashitosh Kumar Singh, S/o Kumar Indrajit Singh, At & P.O. Mathar, Dt. Nalanda. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 4 acres 84 decimal situated at Magadampur, Nalanda, more fully described in deed no. 1093 dated January, 1980 registered with the District Sub-Registrar, Nalanda.

J. NATH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range, Bihar,  
Patna

Dated 11-9-1980

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 11th September 1980

Ref. No. III 446/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Touzi No. 10084, Thana No. 387, Khata No. 33 etc. situated at Mauza, Makhdumpur, Thana : Silao, Distt. Nalanda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nalanda on January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Swami Sitaram Sharanji Maharaj, Follower Late Mahanth Ram Kripal Sharanji Maharaj, Temple Tha-kug, Ramjankiji, Lazamnkila Ayodhya, P. S. & P. O. Ayodhya, Distt. Faizabad.

(Transferer)

- (2) Smt. Shanti Singh, W/o Shri Kumar Inderjit Singh, At & P. O. Mathar, P. S. Chanki, Distt. Nalanda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 44 acres 64 decimals situated at Makhadumpur, Nalanda, More fully, described in Deed No. 1096, dtd. January, 1980 registered with the District Sub-Registrar, Nalanda

J. NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Patna

Dated : 11-9-1980  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

PATNA

Patna-800001, the 11th September 1980

Ref No. III 447/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

M. S. Plot No. 1338, 1339, Ward No. VII B, situated at Ranchi

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 23-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Sarat Kumari Sarkar, W/o. Nigender Nath Sarkar, Circular Rd. Mohl Lalpur, P. S. Lalpur, Dt. Ranchi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Gopal Goenka, S/o Mahadeo Lal Goenka, Circular Road, Ranchi. C/o. Geonaka Paper Udyog, Upper Bazar, Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 6 Kathas 11 Chataks situated at Circular Road, Ranchi more fully described in deed No. 465 dated 23-1-1980 registered with D.S.R., Ranchi.

J. NATH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Patna

Date : 11-9-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Cochin-682016, the 2nd August 1980

Ref L.C. 418/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Perumbavoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perambavoor on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt. Saraswathi Amma, Pallipurathu House, Iringal.
  - (2) Miss. Jayalatha (Minor), Pallipurathu House, Iringal.
  - (3) Miss. Padmakumary (Minor) Pallipurathu House, Iringal.
  - (4) Master Narayana (Minor) Pallipurathu House, Iringal.
  - (5) Master Unnikrishnan (Minor) Pallipurathu House, Iringal.
  - (6) Master Ravindra, Pallipurathu House, Iringal.
- (Transferors)
- (2) (1) Shri Anil Kumar s/o. Ayyappan Nair, Pareth House, Naganchery Via Kottappady, Perumbavoor.
  - (2) Shri Unnikrishnan, s/o Balakrishnan, Injaluth House, Iringal Perumbavoor.
- (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

58 Cents of land with building as per schedule attached to Doc. No. 16/1980.

V. MOHANLAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ernakulam

Dated: 2-8-1980,

Seal :

**FORM ITNS**

(1) G. Santhamma W/o. Sathiyaraj, 29/1381 Chelvannoor Road, Cochin-20.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Dr. Augustine (34/542 A Tripunithura Road, Dr. Thankamma, Cochin-682020

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE**

Cochin-682016, dated the 20 August 1980

Ref. L.C. 419/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule situated at Kadavanthara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1902), in the office of the Registering Officer at Erankulam, on 15-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

13 cents of land with a building as per schedule attached to doc. No. 53/80 dated 5-1-1980.

V. MOHANLAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 20-8-1980.

Seal :

**FORM ITNS—**

(1) N. A. K. Haji (for K. A. Abdulkhader &amp; V. M. H-asina) Kallfa Manzil, S. R. M. Road, Cochin-18.

(Transferor)

(2) Mrs. &amp; Mr. George Thomas, Chakkupurackal House, Thalavadi, Ambalapuzha

(Transferees)

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,

Cochin-682016, the 10 September 1980

Ref. L. C. 420/80-81- Whereas I, V. R. NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ernakulam on 10-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

24.649 cents of land with building as per schedule attached to Doc. No. 86/80 dated 10-1-1980

V. R. NAIR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 10-9-1980  
Seal

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 16 September 1980

Ref. No. L. C. 422/80-81—Whereas J. V. R. NAIR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Mamangalam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Edappally on 2-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Aleyamma Cherian, Kozhichira House, 42/2129, Padivalam, Ernakulam.

(Transferor)

(2) Mrs. Alice, W. K. Joy, Thoppil Elanjickal, Kozhivilly Mutt, Kothamangalam, Muvattupuzha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

12.5 cents of land with a building as per schedule attached to Doc. No. 1180 dated 2-1-80.

V. R. NAIR  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Cochin

Dated 16-9-1980  
Seal